Toptime®

A VENTURE OF **DELTAS PHARMA**

आरोग्य कोष

arogya KOSH

टॉपटाईम की स्वस्थायु मार्गदर्शिका

SwasthVed®

SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

स्वास्थ्य देखभाल, जीवन कल्याण, पशु चिकित्सा और कृषि उत्पाद

arogya KOSH

A Toptime Guide for Wellness

टॉपटाइम "**आरोग्यकोष**" स्वस्थायु की मार्गदर्शिका, इसमें स्वस्थवेद एवं स्पर्शवेद वर्ग के प्रोडक्ट्स का संक्षिप्त उपयोग बताया गया है। संपूर्ण स्वास्थ्य को आरोग्य कहा जाता है; एवं "कोष" का अर्थ "कवच", "घेराव", "पटल", एवं "मार्गदर्शक" होता है। हमारे आरोग्यकोष में स्वास्थ्य का संरक्षण करने के लिए विशेष प्रोडक्ट्स के उपयोग का मार्गदर्शन किया गया है। हम आरोग्यकोष की ऐसी अनेक शृंखलाओं का विमोचन कर स्वास्थ्य के लिए जागरुकता का प्रचार करने के व्यवसाय में प्रगतिशील रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

SwasthVed®

SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

डेल्टास फार्मा वैज्ञानिक तौर से प्रमाणित औषधि द्रव्यों के उपयोग से निर्मित "**स्वस्थवेद**" वर्ग के प्रोडक्ट्स को गर्व से टॉपटाइम परिवार को प्रदान करती है। आयुर्वेद के प्राचीन सिद्धांतों के आधार पर मॉडर्न रिसर्च कर हमने जनसामान्य के स्वास्थ्य को बनाये रखने की आवश्यकता के आधार पर प्रोडक्ट्स डेवलॅप किये हैं। हमारा विश्वास है कि जड़ी-बूटियों में प्रकृति की विशेष शक्ति होती है और यही शक्ति शरीर में संतुलन को स्थापित कर शरीर को सर्वांगीण स्वस्थ बनाती है। स्वस्थवेद वर्ग के प्रोडक्ट्स आधुनिक वैज्ञानिक रिसर्च से बने होने के बावजूद प्राकृतिक गुणों से संपन्न होने के कारण शरीर के लिए अत्यंत गुणकारी है।

ānūpaVed®

पशु स्वास्थ्य का विज्ञान

अनूपा का अर्थ है, पृथ्वी और जानवर तालाब के चारों ओर निवास करते हैं। पशु पारिस्थितिकी तंत्र का एक अभिन्न हिस्सा हैं, अपितु जानवरों का स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के बचाव हेतु, जैविक तरीके से पशु स्वास्थ्य को ठीक से बनाए रखा जाना चाहिए। गौ आयुर्वेद में पशु स्वास्थ्य और कल्याण को बहुत अच्छी तरह से समझाया गया है। "**अनुपवेद**" उत्पाद श्रेणी एफ. सी. आर. और पशुओं के स्वास्थ्य पर काम करती है। अनूपवेद श्रेणी, गौ आयुर्वेद के सिद्धांतों के आधार पर पशुओं के लिए व्यापक पोषण प्रदान करती है।

kṛṣiVed®

ORGANIC AGRI SCIENCE

जैविक कृषि विज्ञान

कृषिवेद के तहत जैविक प्रणाली द्वारा प्राकृतिक उत्पादन एवं खेती में प्रयोग होने वाले सिंथेटिक तरीकों को कम करने पर जोर दिया गया है। यह पौधों की उच्च गुणवत्ता वाली उपज प्राप्त करने के लिए एक वैज्ञानिक प्रणाली है। "**कृषिवेद**" उत्पाद श्रेणी, मिट्टी के पोषक तत्वों और मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाकर उत्पादन और फसलों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है। जैविक उत्पादों के उपयोग के कारण ऑर्गेनिक इकोसिस्टम का संक्रमण कम हो जाता है और फसल की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

अध्यक्ष का संदेश

प्रिय टॉपटाइम परिवार;

आपके बीच "आरोग्य–कोष" के दूसरे अंक को प्रस्तुत करने में मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस अंक में कुल ४८ उत्पाद हैं। ये उत्पाद सख्त गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीक के साथ तैयार किए गए है; और इस अंक में वर्णित अधिकांश उत्पाद दैनिक स्वास्थ्य देखभाल, जीवन कल्याण, पशु चिकित्सा और कृषि उत्पाद आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

मुझे आज यह बताने में खुशी है कि हमारी अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ते हुए टॉपटाइम परिवार की जरूरतों को पूरा कर रही है; और मैं आपको यह भरोसा भी दे सकता हूँ कि हम किफ़ायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को शामिल करते रहेंगे; तथा शीघ्र ही हम हर घर में पहुँचेंगे।

"आरोग्य कोष" का दूसरा अंक – सेहत का खजाना, हमें विभिन्न भाषाओं में हमारे उत्पादों की जानकारी प्राप्त करने में समर्थ बनाता है; इस दूसरे अंक को प्रस्तुत करने के साथ हम हमारे सहयोगियों द्वारा तैयार और प्रशिक्षकों के रूप में डॉक्टरों द्वारा संचालित एक राष्ट्रव्यापी उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

टॉपटाइम परिवार की यह पहल व्यापारिक सफलता के साथ ही अच्छी सेहत की जानकारी फैलाकर आपके बेहतर स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करेगी। आइए मिलकर पूरे राष्ट्र को स्वस्थ्य बनाने का संकल्प लेते हैं; और संपूर्ण विश्व को अपना राष्ट्र स्वीकार करते हैं।

जय हिन्द, जय टॉपटाइम

Toptime®

Babuulal Bhawarlal Jain

विज़न

पारदर्शी व्यापार योजना और विश्वस्तरीय उत्पादों; के साथ टॉपटाइम परिवार स्वास्थ्य हित और कल्याण के लिए प्रत्येक घर तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है।

मिशन

हम लोगो को प्राकृतिकआरोग्य द्वारा स्वस्थ जीवन और उनके व्यापारिक क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रेरित करते है। हमारा प्रमुख-लक्ष्य जनसामान्य में स्वास्थ्य हित और स्वस्थ जीवन शैली के शिक्षा का प्रसार करना है ताकि; वे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ वित्तीय ध्येय की भी प्राप्ति कर सके।

आयुष–जी एम पी (AYUSH-GMP): ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम १९४५ के नियम १५७ के शेड्यूल टी/जीएमपी में ASU ड्रग्स के लिए वर्णित उत्कृष्ट कृषि अभ्यास (गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस) में निर्दिष्ट नियमो के अनुसार।

डब्ल्यू एच ओ–जी एम पी (WHO-GMP): हर्बल कंपनियों के लिए बनाये गए मैन्युफैक्चरिंग नियम और गुणवत्ता प्रणाली पर आधारित है।

यू एस ओ सी ए–आर्गेनिक (USOCA-Organic): उत्तराखंड राज्य आर्गेनिक प्रमाणीकरण एजेंसी (यू एस ओ सी ए), उत्तराखंड बीज और जैविक उत्पादन सर्टिफिकेशन एजेंसी का एक स्वतंत्र विंग है। यह एपेडा (APEDA) के अनुसार आर्गेनिक उत्पादन और हैंडलिंग विधियों का एक निष्पक्ष एवं तृतीय पक्ष सर्टिफिकेशन प्रदान करता है।

आई एस ओ ९००१:२०१५ (ISO 9001:2015): की गुणवत्ता प्रणाली के द्वारा ग्राहकों के लिए उत्पाद की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देशों के अनुसार सिस्टम/प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाता है, इस के अंतर्गत सिस्टम/प्रोडक्ट्स की निरंतर सुधार की प्रक्रियाएं और ग्राहको की संतुष्टि के अनुरुप निर्माण, वैधानिक नियम एवं अन्य आवश्यकताएं शामिल है।

आई एस ओ 22000:2005 (ISO): आहार पदार्थो की सुरक्षा के लिए आवश्यक नियमो का वर्णन करता है।

एच ए सी सी पी (HACCP): (हज़ार्ड एनालिसिस एंड क्रिटिकल कंट्रोल पॉइंट्स) और आई एस ओ प्रमाणपत्र एक दूसरे के पूरक होने के साथ–साथ विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। अत्यंत अल्प कंपनियां ही दोनों प्रमाणपत्रों को एक साथ प्राप्त कर पाती है।

हमारी यात्रा

सन १९८५ में, श्री बाबूलाल जैन ने स्वास्थ्य की समग्र देखभाल और विकास के लिए वनस्पति आधारित उपचार की कल्पना की थी। उन्होंने उच्चतम गुणवत्ता वाली जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधी उपलब्ध करवाने की इच्छा को साकार करने के लिए भारत में आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर जिले के निकट आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की जैविक खेती शुरु की थी। ३००० एकड़ भूमि को उत्कृष्ट कृषी अभ्यास (गुड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिस) और जैविक खेती (आर्गेनिक फार्मिंग) के दिशा निर्देशों के साथ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों को उगाने के लिए विकसित किया गया था। फलस्वरुप

जैविक औषधीयों का प्रचार व प्रसार करने के सपने ने आकार लेना शुरु कर दिया था।

लगभग २० वर्षो की जैविक खेती के अभ्यास के पश्चात जड़ी-बूटियों की फसल औषधि निर्माण के लिए तैयार थी; वर्ष २००५ में इन जड़ी-बूटियों को लेकर हमारे अध्यक्ष, श्री बाबूलाल जैन और उनके सहयोगी श्री मदनलाल कंकारिया (सीजीएम) ने कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग द्वारा अनेक अनुभूत योग (प्रोडक्ट्स) का निर्माण किया। जिसका प्रसार व प्रचार **पद्मावती फार्मास्यूटिकल** के नाम से किया गया। इस दौरान ५०० से अधिक मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव, मैनेजर और देशव्यापी चिकित्सको के सहयोग से जोड़ाराम, डायनो, सोराविन, गायनोविन जैसे ब्रांड को देशव्यापी प्रसिद्धि प्राप्त हुयी। हमारे इस प्रयास में मेडिकल डॉक्टर्स, ऑर्थोपेडिक्स, डायबेटोलॉजिस्टस, डर्मटोलॉजिस्ट्स, गायनाकोलॉजिस्ट, और आयुर्वेदिक चिकित्सको का भरपूर योगदान रहा है।

इस प्रेरणा को साथ लेकर तथा प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पदमावती फार्मास्यूटिकल ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग युनिट लगाने के लिए २००७ में प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण स्थान हरिद्वार का चयन किया। हिमालय प्रदेश के निकट होने और प्रदूषण रहित क्षेत्र होने के कारण आयुर्वेदिक औषधि निर्माण युनिट की स्थापना करने के लिए अनुकूल स्थान था। साथ ही आयुर्वेदिक औषधि के भण्डार (प्राकृतिक वन) की उपलब्धता, औषधि उत्पादन की दृष्टी से अत्यंत सुलभ थी। १२ दिसंबर २००७ को हमारी मैन्युफैक्चरिंग युनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

वर्ष २००९ हमारे लिए ऐतिहासिक था; दो वर्षो से अधिक समय तक गहन रिसर्च करने के पश्चात हमारे आर एंड डी हेड डॉ. आसीन मौर्या के नेतृत्व में पंच तुलसी ड्रॉप्स के अनुभूत योग का निर्माण हुआ। ततपश्चात विभिन्न रोगों में पंच तुलसी ड्रॉप्स की कार्यकारिता का अध्ययन कर हमने इस प्रोडक्ट को एथिकल डिवीज़न में शामिल किया। साथ ही हमने अपने एथिकल डिवीज़न के द्वारा जोड़ाराम तेल और जोड़ाराम टेबलेट का देशभर में प्रचार शुरु कर दिया था ।

हमारे अनुभूत प्रोडक्ट्स की कार्यकारिता एवं निर्माण कौशल्य को देखने के पश्चात् विभिन्न देशीय एवं बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनियों ने निजी लेबल के अंतर्गत आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स की कॉट्रेक्ट मैन्युफैक्चरिंग के लिए हमारे साथ काम करना शुरु कर दिया था। वर्ष २०१० से सक्रिय रुप से निजी लेबल के अंतर्गत कॉन्टनैक्ट मैन्युफैक्चरिंग करते हुए हमारे ६५ से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ग्राहक बन गए थे।

वर्ष २०१० डेल्टास के इतिहास में सबसे महत्त्वपूर्ण था क्योंकि इस वर्ष में हमने आयुर्वेदिक वेटरनरी प्रोडक्ट्स का

उत्पादन करते हुए युरोपीय जीएमपी + को प्राप्त किया। शुद्घ ऑर्गेनिक हर्बल मिश्रित फ़ीड/फ़ीड प्रीमिक्स का निर्यात ऑस्ट्रिया, स्विटज़रलैंड और नीदरलैंड जैसे देशों को करना शुरु कर दिया था। यह प्रयास डेल्टास की रिसर्च एवं डेवलपमेंट टीम, मैन्युफैक्चरिंग एवं मार्केटिंग टीम के अथक परिश्रम से सफल हुआ। युरोप में शत प्रतिशत ऑर्गेनिक प्रमाणित पूरक फ़ीड को निर्यात करने वाली हम पहली आयुर्वेद कंपनी बने। वर्ष २०१३ तक, हम **पद्मावती फार्मास्यूटिकल्स** के नाम से पंजीकृत होकर निजी लेबेल लेबलङ्घ के अंतर्गत १२ देशों से अधिक देशो में मानव और पशु चिकित्सा प्रोडक्ट्स का निर्यात कर रहे थे ।

न्यूमरोलॉजी के सुझाव के आधार पर सन २०१४ में हम **पद्मावती फार्मास्यूटिकल्स** से **डेल्टास फार्मास्यूटिकल्स** बन गए। साथ ही इसी वर्ष हमने डेल्टास के आयुर्वेदिक स्वास्थवर्धक एवं सौंदर्यवर्धक प्रोडक्ट्स को विदेशों में पंजीकृत कर उनका एक्सपोर्ट श्री सुरेश जैन के मार्गदर्शन में शुरु कर दिया था। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व के तहत डेल्टास फार्मास्यूटिकल्स में कई प्रकार के प्रगतिशील बदलाव आये; जैसे की आधुनिक टेक्नोलॉजी के द्वारा मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव के लिए मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग, स्वास्थ सम्बन्धी प्रोडक्ट्स के विक्रय के लिए ऑनलाइन सेल्स प्लेटफार्म एवं बिज़नेस इंटेलिजेंस का उपयोग करने वाली सर्वप्रथम आयुर्वेदिक कंपनी बने।

DELTAS PHARMA

PADMAVATI PHARMACEUTICALS

2014

वर्ष २०१५ में हमने **डायरेक्ट मार्केटिंग** डिवीज़न के शुरुआत की कल्पना की थी। इससे पहले तक हम कांट्रेक्ट मैन्युफैक्चरिंग के अंतर्गत विभिन्न उच्च कंपनियों को प्रोडक्ट्स की आपूर्ति कर रहे थे हालांकि, हमने अभी तक **डायरेक्ट मार्केटिंग** करने का फैसला नहीं लिया था।

हमारी टीम ने हमें **डायरेक्ट मार्केटिंग** शुरु करने लिए समर्थन और आत्मविश्वास दिया। इस तरह हमारे रिसर्च एवं डेवलपमेंट टीम, गुणवत्ता विभाग, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टक एवं मेडिको मार्केटिंग टीम के विश्वास और समर्थन के आधार पर हमनें मई २०१६ में नई डिवीज़न **टॉपटाइम नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड** शुरु कर दिया ।

सोचा जाये तो **टॉपटाइम** का मतलब **स्वस्थ रहना** हैं, हम लोगों को **टॉपटाइम** के लिए प्रेरित करते हैं और **टॉपटाइम** के माध्यम से स्वस्थ जीवन के लिए इच्छा शक्ति का समर्थन करते हुए, व्यवसाय बढ़ाने का प्रोत्साहन देते हैं। हमारा परम ध्येय हैं कि इच्छाशक्ति को समर्थ बनाकर स्वास्थ्य प्रदान करते हुए, उन्नत जीवन शैली की प्रेरणा का संपूर्ण विश्व समुदायों में प्रचार कर सके।

भारत में आज सबसे तेजी से बढने वाली डायरेक्ट सेलिंग नेटवर्क कंपनियों में टॉपटाइम शामिल हैं और हम भारत की एक श्रेष्ठतम एथिकल नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी बनने को तैयार हैं। हमने अपनी स्थापना के मात्र ६ महीने के अंतराल में ३६ प्रोडक्ट्स को लॉन्च किया हैं और निकट भविष्य में करीब ७२ से अधिक स्वास्थ्य वर्धन, आरोग्य रक्षण, और पशु देखभाल के प्रोडक्ट्स का विमोचन करने के लिए तैयार हैं।

देश के हर घर में उत्कृष्ट क्वालिटी के आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स को ले जाने का स्वप्न श्री बाबूलाल जैन ने ३० वर्ष पूर्व देखा था। इस स्वप्न को मूर्तस्वरुप करने में ५०० से अधिक कर्मचारी, मैन्युफैक्चरिंग टीम, डेल्टास फार्मा के ग्राहकों, हजारों लीडर्स और डायरेक्ट मार्केटिंग डिवीज़न ने हमारा भरपूर साथ दिया है।

प्रोडक्ट्स निर्माण प्रणाली

आयुर्वेद के सिद्धांतो एवं आधुनिक फार्मास्युटीकल विज्ञान के विलक्षण संयोग से निर्मित प्रोडक्ट्स को आप तक पहुंचाना ही हमारा ध्येय है।

व्यवसायिक उत्पादन

विभिन्न पैकेजिंग में औषधि के कार्यकारी तत्व की अवधि का निर्धारण

बाजार में पहुँचने से पहले प्रोडक्ट्स

- सुरक्षितता अध्ययन
- कार्यक्षमता अध्ययन

अनुभूत योग व विकल्पों का निर्माण

कार्यकारी घटकों को निर्देशित करने व रासायनिक परीक्षण पद्धति का निर्धारण

वनस्पतिज–रसायनशास्त्र के आधार पर अनुसंधान प्रक्रिया

योग के निर्धारण करने के लिये औषधि/द्रव्य परिक्षण पद्धति कानिर्धारण

औषधि द्रव्यों का प्रमाणीकरण

औषधि द्रव्य के स्त्रोत का निर्धारण

क्लिनिकल अनुसंधान व द्रव्य की शास्त्रीय विवेचना

आधुनिक काल के विषम कारणों से उत्पन्न व्याधि

आयुर्वेद व अन्य शास्त्रो का अनुसंधान

स्वस्थायु हेतु अगम्य व्याधि की विवेचना

निर्देशिका

क्रमांक	उत्पाद का नाम	पृष्ठ संख्या
स्वास्थ्य देखभाल		
1	पंचतुलसी ड्रॉप्स	8
2	ऐलोवेरा जूस	10
3	जोड़ाराम टैबलेट	12
4	जोड़ाराम तैल	14
5	लिवकेयर सिरप	16
6	लिवकेयर टैबलेट	18
7	गायनोकेयर सिरप	20
8	गायनोकेयर टैबलेट	22
9	एक्टिव आमला जूस	24
10	एक्टिव नोनी जूस	26
11	एक्टिव लेडी कैप्सूल	28
12	एक्टिव मेन कैप्सूल	30
13	ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल	32
14	स्पिरिलुना टैबलेट	34
15	वीटग्रास टैबलेट	36
16	डी–स्ट्रेस कैप्सूल	38
17	एन्टासिड टैबलेट	40
18	कफकेयर सिरप	42
19	नयनसुख आय ड्रॉप्स	44
20	विज़नएड कैप्सूल	46
21	स्टोनकेयर–एसएफ सस्पेंशन	48
22	एक्टिव थर्मोजेनिक जूस	50
23	एक्टिव थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल	52
24	डायकेयर रस	54
25	डायकेयर टैबलेट	56

क्रमांक	उत्पाद का नाम	पृष्ठ संख्या
26	पाईल्सकेयर क्रीम	58
27	पाईल्सकेयर टैबलेट	60
28	सोरिनो क्रीम	62
29	सोरिनो टैबलेट	64
30	टॉप ओमेगा कैप्सूल	66
31	टॉप ओमेगा कैप्सूल	68
32	रॉयल हनी फॉर हिम	70
33	नाइटमैक्स रस	72
34	नाइटमैक्स टैबलेट	74
जीवन कल्याण		
35	ब्रह्म रसायन	76
36	टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल	78
37	टोपका हनी	80
38	टॉप कैल्शियम सिरप	82
39	मल्टीविटामिन सिरप	84
40	वी.फोर्स तेल और कैप्सूल	86
41	वत्सल मेमोरी सिरप	88
42	पंच तुलसी लॉजेन्जेस्	90
43	सुपरलैक्स पाउडर	92
44	न्यूहेयर कैप्सूल	94
45	न्यूस्किन कैप्सूल	96
46	थर्मोजेनिक चाय	98
पशु चिकित्सा		
47	टोपवेट पाउडर	100
कृषि उत्पाद		
48	टॉपफ्लोरा लिक्विड	102

पंचतुलसी ड्रॉप्स

पाँच प्रकार की तुलसी के अर्क से निर्मित अनुभूत योग

विभिन्न प्रकार के रोगाणु एवं रोगो से सुरक्षा प्रदान करने वाली शारीरिक शक्ति को रोगप्रतिरोधक शक्ति कहते है। हमारी रोगप्रतिरोधक शक्ति हमें रोग के बाहरी कारणो के साथ–साथ शरीर के आंतरिक रोगजनक कारको से भी सुरक्षा प्रदान करती है। प्रमुख रुप से रोग के बाहरी कारण प्रदूषित जल, वायु, वातावरण तथा दूषित खाद्य पदार्थ है। वही शरीरगत आंतरिक कारणो में तनाव, अतिपरिश्रम, अल्पक्रिया वाली जीवनशैली तथा अनुवांशिक कारण शामिल है। आज के आधुनिक युग में रोजमर्रा की जीवनशैली, प्रदूषण, तथा अशुध्द या कम गुणवत्ता वाले भोज्य पदार्थ के सेवन के कारण हमारा शरीर कमजोर होकर रोगप्रतिरोधक शक्ति का क्षय होने लगता है। फलस्वरुप कमजोर शरीर में बाहरी रोगाणुओ का संक्रमण होकर रोग की उत्पत्ति हो जाती है। शरीरगत आंतरिक कारको के कारण, शरीर क्रिया में विषमता होने पर आम की उत्पत्ति होकर आमवात इत्यादि की उत्पत्ति हो जाती है। अतः एक ऐसे वनस्पतिज योग की आवश्यकता है, जो रोगप्रतिरोधक शक्ति का वर्धन कर, बाहरी एवं शरीरगत रोगजनक कारको से सुरक्षा प्रदान कर सके तथा सभी आयुवर्ग के लिए सात्म्य एवं स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक हो।

उपाय

डेल्टास पंचतुलसी ड्रॉप्स पांच प्रकार की दुर्लभ प्रजातियों की तुलसी से निर्मित योग है। आयुर्वेद तथा वेदो में तुलसी के अनेकोनेक गुणो का वर्णन किया गया है तथा आधुनिक विज्ञान में भी तुलसी के सैकड़ो गुणो का प्रकाशन किया गया है। गहन संसोधन से निर्मित एंटी–ऑक्सीडेंट गुणयुक्त पंचतुलसी ड्रॉप्स प्राकृतिक रुप से रोगाणु विरोधी है, संपूर्ण परिवार की रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने में सहायक है।

प्रोडक्ट परिचय

दुर्लभ प्रजातियों की तुलसी के अर्क से निर्मित पंचतुलसी ड्रॉप्स तुलसी के दिव्य औषधीय गुणो से परिपूर्ण है। उत्तम कृषि अभ्यास के मानको के अनुसार इष्टतम गुणवत्ता वाली तुलसी, राम तुलसी, वन तुलसी, श्वेत तुलसी, और निम्बुक तुलसी का संग्रहण डेल्टास फार्मा द्वारा किया गया है। २ वर्ष से अधिक आयु वालो में रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने तथा अनेक आंतरिक एवं बाह्य रोगो से सुरक्षा प्रदान करने के लिए पंचतुलसी का उपयोग किया जा सकता है। एनल्स ऑफ फायटोमेडिसिन नामक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित लेख में क्लिनिकल अनुसंधान करते समय पंचतुलसी ड्रॉप्स विशेष रुप से संक्रमण व सूजन को कम कर, रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाकर वायरल इंफ्लुएंजा के लक्षणो को अतिशीघ्र कम करने में सहायक सिध्द हुई है। अन्य अनेक अनुसंधान में पंचतुलसी व्यापक रुप से कई प्रकार के रोगाणुओं को प्रतिबंधित करने के कारण जल के शुध्दिकरण में सहायक है। इस तरह रोगाणु विरोधी गुण युक्त पंचतुलसी ड्रॉप्स शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने वाली आयुर्वेदिक रसायन है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. मात्रा में निम्नलिखित प्रमाण में अर्क हैं: तुलसी (पत्र) ६.०मि.लि., राम तुलसी (प्त्र) ०.५मि.लि., वन तुलसी (पत्र) ०.५मि.लि., श्वेत तुलसी (पत्र) ०.५मि.लि., निंबुक तुलसी (पत्र) ०.५मि.लि., अन्य विलायक घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• स्वास्थ्य वर्धनः १ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स २००मि.लि. जल के साथ नियमित ले • जलशोधनः १ लीटर जल में पंचतुलसी के ५ ड्रॉप्स डाले। श्रेष्ठ परिणाम के लिए २–३ घंटे जल को ऐसे ही रहने दे • सर्दी खांसीः २–३ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स शहद या अदरक रस के साथ हर ४ घंटे पर ले। ऐसा ही पुरानी खांसी, दमा, साईनस के लिए भी करे • मुखशुध्दीः २ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स १ ग्लास जल में लेकर प्रातः एवं रात्री में गरारे करे • दांतों में दर्दः ५ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स गुनगुने जल के साथ प्रातः नाश्ते के बाद ले • अपचनः २–३ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स गुनगुने जल के साथ शहद मिला कर ले • संक्रमणः त्वचा रोगों में २–३ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स १ ग्लास जल में डालकर दिन में २ बार सेवन करे • एंटी–ऑक्सीडेंटः १–२ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स जल के साथ नित्य सेवन करे • आंत्रकृमीः ५ बूँद पंचतुलसी ड्रॉप्स शहद के साथ रात्री काल में ले।

मार्गदर्शन

• **सर्दी खांसी के लिएः** पंचतुलसी लोज़ेन्जेस के साथ में ले • **रोगप्रतिकार शक्ति वर्धनः** वीटग्रास टैबलेट एवं स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **एंटीबायोटीक दवाओं के साथः** लिवकेअर टैबलेट के साथ ले • **गले के दर्द/मुखदुर्गंधीः** पंचतुलसी ड्रॉप्स से गरारे करे और पंचतुलसी लोज़ेन्जेस साथ में ले • **बार बार बीमार होनाः** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **त्वचारोगः** साथ में लिवकेयर टैबलेट ले और फेसनिखार क्रीम लगाए • **सोरियासिसः** साथ में सोरिनो क्रीम उपयोग करे।

Presentation: 20ml

KEY INGREDIENT(S)

Krishna Tulsi
Ocimum sanctum

- रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने मे सहायक, बार–बार होने वाली खांसी, जुखाम और जीवाणु रोगों में सहायक! इन्फ्लूएंजा, स्वाइन फ्लू और डेंगू जैसे बुखार में सहायक
- गले में खराश/मुँह से आने वाली दुर्गंध, बार–बार बीमार पड़ना एवं त्वचा संबंधी विकारों में सहायक
- बच्चों में होने वाली एलर्जी एवं त्वचा की बीमारियों में सहायक! पानी को कीटाणुरहित करके शुद्ध करता है

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

पंचतुलसी ड्रॉप्स

स्वास्थ्य और रोगप्रतिरोधक क्षमता को निरंतर बनाये रखने के लिए, पंचतुलसी ड्रॉप्स का सेवन करें

क्लिनिकल रिसर्च में सिद्ध, डेल्टास पंचतुलसी ड्रॉप्स, विशेष औषधिय गुणों से वायरल बुखार, सर्दी एवं खाँसी और दुर्बल–रोगप्रतिरोधकता से होने वाली अनेक बीमारियों की रोकथाम के लिए गुणकारी योग है; पीने के पानी को जीवाणुरहित बनाकर शरीर स्वास्थ्य के लिए पंचतुलसी ड्रॉप्स एक प्राकृतिक उपाय है।

ऐलोवेरा जूस

अतिसूक्ष्म पोषक तत्त्वों से परिपूर्ण ऐलोवेरा जूस त्वचा, पाचन तंत्र एवं लीवर को स्वस्थ बनाये रखे

स्वास्थ्य और बेहतर रोगप्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए पाचन संस्थान का सुचारु होना आवश्यक है। सुचारु पाचन संस्थान के लिए संतुलित आहार आवश्यक है। आज के आधुनिक युग में जीवन बहुत ही व्यस्त और तनावपूर्ण हो गया है। आज की पीढ़ी के लिए जंक फूड का सेवन बहुत ही आम बात है। जंकफूड के कम मूल्य और आसान उपलब्धता के कारण यह युवा पीढ़ी में अधिक प्रचलित है। आज के युवा व कामकाजी व्यक्ति अपने खान–पान व स्वास्थ्य को ताक पर रखकर महत्वकांक्षाओ के लिए कार्यरत है। ऐसे में समय बचाने के लिए जंकफूड के सेवन का आदी हो जाता है। इसमें असंतुलित मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, शर्करा, वसा, लवण/नमक तथा कई अपोषक तत्व होते है। फलस्वरुप अनेक बिमारियो को जैसे स्थूलता, हृदयरोग, मधुमेह, उच्च रक्तदाब आदि को अनचाहे रुप से आमंत्रण देते है।

जंकफूड की पाक प्रक्रिया के दौरान अधिकांशतः फाइबर, पानी तथा अन्य पोषण तत्व विषम हो जाने से जंकफूड शरीर के लिए हानिकारक है। फलस्वरुप जंकफूड के सेवन से पाचन संस्थान विषम होकर, शरीर की उर्जा की हानि होती है तथा शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है।

उपाय

आज के आधुनिक युग में असंतुलित आहार के अभ्यास को रोक पाना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में असंतुलित आहार तथा शारीरिक पोषण में संतुलन बनाए रखने के लिए एक ऐसे विकल्प की आवश्यकता है जो विषम आहारजन्य विष का शरीर से शोधन कर, यकृत को बल प्रदान करे।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास ऐलोवेरा जूस चुनिंदा तथा परिपक्व ऐलोवेरा के पत्तो से बनाया गया है। जैविक पध्दति से उगाए गए एलोवेरा के पत्तो को कटाई के २४ घंटो के भीतर ही संस्कारित कर अनावश्यक द्रव्यो का निर्मूलन कर दिया जाता है। ऐलोवेरा जूस को लंबे समय तक टिकाऊ रखने के लिए प्राकृतिक संरक्षण द्रव्य (प्रीझरवेटीव) कार्नोसिक एसिड का प्रयोग किया गया है। यह द्रव्य तुलसी के सार से निर्मित किया गया है और यह एक प्रकार का उत्तम एंटी–ऑक्सीडेंट है। ऐलोवेरा के कुछ महत्वपूर्ण लाभ इस प्रकार है • पाचन शक्ति को बढ़ाकर कब्जियत दूर करे • पेट के दर्द को कम करे • अम्लपित्त में लाभकारी • शरीर शोथ को कम करे • पेट व आंतो के लिए लाभकारी • धारण शक्ति, स्मृति तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।

ऐलोवेरा जूस द्वारा जीवनसत्व ए, सी, ई, एवं बी१२ प्राप्त होते है। इसके अलावा कई खनिज जैसे पोटेशियम, जिंक, मैग्निशियम भी प्राप्त होते है। इस तरह अनेक प्रकार के पोषक तत्वो से परिपूर्ण होने कारण ऐलोवेरा जूस पाचन संस्थान को स्वस्थ रखता है, रोगप्रतिकार शक्ति एवं शारीरिक उर्जा का संवर्धन करता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. ऐलोवेरा जूस में निम्न घटक होते हैः घृतकुमारी ६६.३०% अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• सेहत एवं स्वास्थ्यवर्धन के लिएः ३०मि.लि. ऐलोवेरा जूस दिन में दो बार–जल या फलरस के साथ • शरीरशुध्दी के लिएः २० मि.लि. ऐलोवेरा जूस हर दिन • पचनशक्ति बढ़ाने के लिएः ३०मि.लि. जूस भोजन से पहले • कब्ज/यकृतविकार/त्वचा वर्ण सुधारने के लिएः २०मि.लि. दिन में दो बार। छः वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों में प्रयोग कर सकते हैं। गर्भावस्था में वैद्यकीय सलाह के पश्चात ले।

मार्गदर्शन

• **अपचन में:** लिवकेयर टैबलेट एवं लिवकेयर सिरप के साथ ले • **अम्लपित्तः** एन्टासिड टैबलेट के साथ ले • **मुँह में छालेः** ऐलोवेरा जूस द्वारा गरारे करे और डेन्टाक्योर पेस्ट का उपयोग करे • **त्वचाविकारः** सोरीनो क्रीम के साथ ले • **स्वास्थ रक्षण के लिएः** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Ghrit Kumari
Aloe barbadensis

- संपूर्ण परिवार को स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्टेम सेल एक्टिवेटर युक्त फाइब्रस जूस
- रोजमर्रा के पोषण, शारीरिक ऊर्जा एवं पाचन क्षमता बढ़ाने में सहायक
- जोड़ों के दर्द व जकड़न में सहायक
- अनियमित मल त्याग एवं एनीमिया (खून की कमी होना) के लिए आयुर्वेदिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

ऐलोवेरा जूस

प्रफुल्लित त्वचा, फुर्तीली जीवनशैली तथा स्वस्थ लीवर के लिए, सुबह सर्वश्रेष्ठ रक्त शुद्धिकर

६–९ महीने की परिपक्व एलो बार्बाडेन्सीस की पत्तियों को योग्यतापूर्वक चयन कर, आधुनिक वैज्ञानिक पद्धती का प्रयोग करते हुऐ रासायनिक प्रिज़र्वेटिव रहित जूस तैयार किया गया है; यह लीवर की कार्यक्षमता, पाचन क्षमता एवं मलोत्सर्जन क्षमता के संतुलन में सहायक हैं।

जोड़ाराम टैबलेट

संधि, कास्थी और मांसपेशी की पीड़ा और आघात का हर्बल उपचार

ज्यादातर लोगों में आजकल देखा जाता है कि किसी प्रकार की चोट या बिमारी या रोजमर्रा की भागदौड़ के कारण जोड़ो में दर्द की समस्या होती है। संधिवात, आमवात, मोच, खिचाव तथा सूजन आदि कारणों से जोड़ो में दर्द होता है।

कई सर्वेक्षणों द्वारा पाया गया हैं कि लगभग १/३ लोगों को पिछले ३० दिनो में कम से कम एक बार जोड़ो के दर्द की शिकायत हुई होती हैं। जोड़ो के दर्द से परेशान लोगों में सर्वाधिक संख्या, घुटनो के दर्द, इसके बाद कंधे व कमर के दर्द का समावेश होता है। परंतु शरीर के किसी भी जोड़ में दर्द का एहसास हो सकता हैं। बढ़ती उम्र के साथ यह समस्या और बढ़ती जाती हैं।

जोड़ो का दर्द न केवल कुछ दिन बल्कि कई स्थितियों में कुछ सप्ताह या महिनों तक भी होता रहता है। जोड़ो के दर्द से शरीर की सामान्य हलचल कम हो जाने से जीवनशैली में कमतरता होकर अन्य कई रोज़ाना के काम ठप्प हो जाते है।

ऐसी स्थिति में एक ऐसे दर्द निवारक की आवश्यकता हैं जो कि न केवल जोड़ो के दर्द से तुरंत लाभ पहुँचाए बल्कि दर्द के कारण रोजमर्रा के जीवन में होने वाली बाधा को भी दूर कर सके।

उपाय

डेल्टास जोड़ाराम टैबलेट जोड़ो और मांसपेशियों के दर्द से राहत पाने के लिए एक विशिष्ट आयुर्वेदिक योग हैं। अंतरराष्ट्रीय रिसर्च गाइडलाईन्स के अनुसार WOMAC (वोमॉक) मापदंड पर किए गए क्लिनिकल परिक्षण में यह पाया गया है कि जोड़ाराम टैबलेट में मौजूद वनस्पतिजन्य विशिष्ट घटक फायटोएक्टिव जोड़ो के दर्द, सूजन व जड़ता को कम कर संधीयों में सूजन से होने वाले लक्षणों को कम करते हैं।

अनेक प्री–क्लिनिकल अनुसंधान करते समय जोड़ाराम टैबलेट के द्वारा दर्द, सूजन एवं जड़ता को कम करने की कार्यकारिता विशिष्ट रुप से प्रमाणित हुई है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास जोड़ाराम टैबलेट विशिष्ट प्राकृतिक द्रव्यों का मिश्रण हैं जो संयुक्त रुप से संधिवात और अन्य कारणों से होने वाले जोड़ो के दर्द से राहत देते हैं। इसमें मौजूद अनंतमूल फ्री रेडीकल्स से होने वाले क्षय को कम कर शरीर की रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाता हैं और जोड़ों की सूजन एवं लालीमा कम करता हैं।

निर्गुण्डी, चक्रमर्द और सारिवा दर्दशमन कर जोड़ों और मांसपेशियों को क्रियान्वित करते हैं। अश्वगंधा संधियों को शक्ति प्रदान कर उनकी संरचना को सुदृढ करती हैं। अश्वगंधा में पाए जाने वाले घटक, रासायनिक ग्लूकोसमाइन सल्फेट से अधिक कार्यकारी होते है तथा कोमल हड्डी (हड्डीयो के बीच की गद्दी/उपास्थि) की सुरक्षा में उपयोगी प्राकृतिक विकल्प है। इस तरह उपरोक्त घटक द्रव्यों के गुणो के कारण जोड़ाराम टैबलेट जोड़ो और उपास्थि के रोगों की रोकथाम करने में सहायक औषधी है।

संयोजन

प्रति १०००मि.ग्रा जोड़ाराम टैबलेट में निम्न घटक हैं: महिषाक्षी गुग्गुल (सार) ७०मि.ग्रा., निर्गुण्डी (पत्र) ७५ मि.ग्रा., अनंतमूल (जड़) १२०मि.ग्रा., मुचकंद (फूल) ४०मि.ग्रा., अश्वगंधा (जड़) १२०मि.ग्रा., चक्रमर्द (पत्र) ७५मि.ग्रा., तथा अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

- जोड़ो में दर्द: २–३ टैबलेट दिन में २ बार
- संधिवात: २ टैबलेट दिन में ३ बार
- आमवात: २ टैबलेट दिन में २ बार
- कमरदर्द: २ टैबलेट दिन में २ बार
- मांसपेशी में जकडन: २ टैबलेट दिन में २ बार • मांसपेशी में खिंचाव और दर्द: २ टैबलेट दिन में २–३ बार • कलाई/एढी या गर्दन का दर्द: २ टैबलेट दिन में २ बार
- चोट से होने वाली सूजन/दर्द: २ टैबलेट दिन में ३ बार। जोड़केअर टैबलेट सामान्य रुप से भोजन के बाद लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **जोड़ो में दर्द:** जोड़ाराम तैल के साथ लें • **मांसपेशी में ऐंठन:** जोड़ाराम तैल और ऐलोवेरा जूस के साथ लें • **संधिवात:** जोड़ाराम तैल और लिवकेयर टैबलेट के साथ लें • **फाईब्रोमायालजिया:** जोड़ाराम तैल और वीटग्रास टैबलेट के साथ लें • **खेल में लगी चोट:** जोड़ाराम तैल के साथ लें • **छोटे आघात:** जोड़ाराम तैल के साथ लें • **आमवात:** लिवकेयर टैबलेट और पंचतुलसी ड्रॉप्स के साथ लें।

Presentation: 1x30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Mahishakshi Guggulu
Balsamodendron mukul

Nirgundi
Vitex negundo

- जोड़ों , मांसपेशियों में जकड़न और दर्द में सहायक
- जोड़ों में होने वाली क्षति एवं खेल के दौरान आई चोट और आघात में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

जोड़ाराम टैबलेट

डॉक्टर्स का पिछले १० वर्षो से पसंदीदा अनुभूत योग; जोड़ाराम के सम्यक् उपयोग से संधिवात और जकड़न से राहत पाएं

क्लिनिकल ट्रायल और अन्य कई रिसर्च के दौरान पाया गया है कि, जोड़ाराम संधिवात में आराम देता है; नियमित उपयोग से बढ़ती उम्र में होने वाली हर सुबह की जकड़न में राहत का अनुभव देता है; खेलस्पर्धा से होने वाली मोच एवं मांसपेशी के आघात को कम करने में सहायक एवं गुणकारी औषधि योग

जोड़ाराम तैल

जोड़ो की सूजन और दर्द से तुरंत आराम के लिए आयुर्वेदिक योग

हम सभी अपनी रोजाना जिंदगी में शरीर दर्द, जोड़ो में दर्द, संधिवात और मांस पेशियों में खिंचाव का अनुभव करते है। किसी भी प्रकार का अत्याधिक व्यायाम शरीर के जोड़ो और मांस पेशियों में दर्द उत्पन्न कर देता है। शरीर की मांस पेशियों में आई अस्थाई जकड़न, पुरानी चोट के अचानक बढ़ जाने के कारण या व्यायाम के पश्चात् जोड़ों में आई जकड़न व खिंचाव हमारे रोजमर्रा के जीवन को रोक सा देती है।

विशेषज्ञो के अनुसार जोड़ व मांस पेशियों के दर्द में आराम की जरुरत होती है, लेकिन हम में से कई लोगों के लिए आराम करना संभव नही होता है। क्योंकि मात्र शरीर के दर्द के लिए दफ्तर/कार्य से छुट्टी लेना, सभी के लिए संभव नहीं होता। इस वजह से ऐसे उपाय की जरुरत पड़ जाती हैं जो दर्द से जल्द राहत दे। साथ ही दर्द, मोच, खिंचाव से होने वाली परेशानियो से बचाए और हमारे जीवन शैली की गुणवत्ता को बनाए रखे।

उपाय

जोड़ो के साथ सम्मिलित मांस पेशी के पोषण तथा स्वास्थ्य के लिए दर्द निवारक जड़ी बूटीयों से बना जोड़ाराम तैल एक आवश्यक उपाय है। इस औषधी में संधिवात की चिकित्सा के लिए प्रभावशाली औषधियों का अर्क भी शामिल है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास जोड़ाराम तैल में नैसर्गिक रुप से प्राप्त की गई जड़ी बुटींयो के तैलों का संमिश्रण हैं। इस मिश्रण द्वारा कमर दर्द, जोड़ों के दर्द और माँसपेशियो में खिंचाव से राहत मिलती हैं। इसमें मौजुद निर्गुण्डी, एरण्ड और गुग्गुलु के द्वारा सूजन कम होती है। संधिवात में आराम, मांस पेशीयो के खिचाव में लाभ होता है।

कुचला, कर्पूर और सलाई गुग्गुलु पुराने से पुराने दर्द को कम करने में सहायक है। इसमें उपस्थित धतुरा (बीज) तैल संधिवात से तुरंत राहत देता है। साथ ही १० विशेष जड़ी बूटीयों से निकाला हुआ अर्क हर प्रकार की दर्द, मोच और सूजन को कम करने में लाभकारी है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. तैल में निम्न घटक हैं: निर्गुण्डी (पत्र) ५०मि.ग्राम, रास्ना (पत्र) ५०मि.ग्राम, एरण्ड (फूल) ५०मि.ग्राम, कनकचम्पा (फूल) ५०मि.ग्राम, सुरांजन (कंद) ५०मि.ग्राम, सलाई (सत्व) ५०मि.ग्राम, कुचला (बीज) ५०मि.ग्राम, धतुरा (बीज) ५०मि.ग्राम, टंकण ५०मि.ग्राम, नैसर्गिक कॅल्शियम ४०मि.ग्राम, कर्पूर १५०मि.ग्राम, पूदिना ३००मि.ग्राम, बेस (यथावश्यक)।

उपयोग

जोड़ाराम तैल को वेदना स्थान पर दिन में २–३ बार ५–१० मिनिट तक हल्के हाथों से मालिश करें। तत्पश्चात गर्म सेंक करने से जल्दी लाभ होगा। शीत वायु से बचना चाहिए।

निम्न परिस्थितीयों में उपयोग करें:

• जोड़ो में दर्द: दिन में २–३ बार • कमरदर्द: दिन में २–३ बार • माँसपेशियो में दर्द: दिन में २–३ बार • मोच/जकड़न: दिन में २–३ बार • कलाई/ऐड़ी या गर्दन में दर्द: दिन में १–२ बार • संधिवात: दिन में २–३ बार

मार्गदर्शन

• **जोड़ो में दर्द:** जोड़ाराम टैबलेट के साथ लें • **माँसपेशियो में दर्द/खिंचाव:** जोड़ाराम टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ लें • **संधिवात:** जोड़ाराम टैबलेट के साथ लें • **फाइब्रोमायालजिया:** जोड़ाराम टैबलेट के साथ लें • **खेल में लगी चोट:** जोड़ाराम टैबलेट के साथ लें • **छोटा अपघात/सूजन:** जोड़ाराम टैबलेट के साथ लें।

नोट: आमवात (रुमेटाईड आर्थराइटिस) में जोड़ाराम तैल या अन्य तैलो का जोड़ों पर उपयोग न करें।

Presentation: 75ml

KEY INGREDIENT(S)

Nirgundi
Vitex negundo

- जोड़ों, मांसपेशियों में जकड़न और दर्द में सहायक
- जोड़ों में होने वाली क्षति एवं खेल के दौरान आई चोट और मांसपेशियों में आई ऐंठन में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

जोड़ाराम तैल

जोड़ो के दर्द एवं मांसपेशियों की जकड़न दूर करने वाला जड़ीबुटी सिद्ध तैल; पीड़ामुक्त जोड़ो के एहसास का आनंद लें

एक दशक से मार्केट में संधिवात से राहत में सफल योग, जोड़ाराम तैल की सौम्य मालिश से संधिगत वात कम हो जाता है; संधियों में तथा मांसपेशियों में रक्तसंचार सुचारु होकर, सूजन, दर्द और जकड़न से शीघ्र आराम मिल जाता है

लिवकेयर सिरप

क्षतिग्रस्त यकृत कोशिकाओं के लिए टॉनिक की तरह काम करता हैं

शरीर की चयापचय क्रिया को नियमित कर, शरीर को स्वस्थ रखने का महत्त्वपूर्ण कार्य यकृत द्वारा होता है। आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए चयापचय के नियमन में यकृत का सर्वाधिक योगदान होता है। यकृत शरीर क्रिया की एक विराट कार्यशाला होती है और इसी कारण यकृत का संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक होता है। विष, रोगाणु, रक्तसंचार हानि, विषम चयापचय क्रिया तथा कैंसर जैसे कारणो से यकृत के स्वास्थ्य पर विपरित परिणाम होते है। ज्यादातर लोगो में यकृत की विषमता के कारण, १०० से भी अधिक रोग उत्पन्न हो सकते है जिससे बच्चो से लेकर बुढो तक सभी प्रभावित होते है। और बिमार शरीर में यदि यकृत विषम हो तो बिमारी से उभरने के लिए शरीर को ज्यादा समय लगता है तथा विषम यकृत अनेक बिमारीयों को उत्पन्न कर देता है।

हमारे बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण होने वाले अनेक प्रदुषण, हानिकारक विकिरण (Radiation), माइक्रोवेव से निर्मित भोजन तथा जंक फूड इत्यादि के कारण आसानी से यकृत में विषमता उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में यकृत की सुरक्षा और उसकी कार्यक्षमता को सामान्य करने वाले उपाय बहुत ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो जाते है। जो कि यकृत के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा के रुप में कार्य करे।

उपाय

डेल्टास लिवकेयर सिरप यकृत के संरक्षण और कार्यप्रणाली के नियमन के लिए बना एक वैज्ञानिक औषधी योग है। यह यकृत के कार्य को सुचारु करने वाली अद्‌वितीय जड़ी बूटीयों का संयोजन है। यह विकिरणों द्‌वारा होने वाली हानि से यकृत की रक्षा करती है, तथा, यकृत को स्वस्थ रखती है।

प्रोडक्ट परिचय

गिलोय में उपस्थित "अराबीनोगेलेक्टन" तत्व को हमने लिवकेयर योग में परिपूर्ण रुप से सम्मिलित किया है। यह तत्व यकृत की कोशिकाओं के लिए रसायन होता है। साथ ही इसी तरह के अनेक औषधियो से मिलकर लिवकेयर योग का निर्माण हुआ है।

लिवकेयर सिरप प्राकृतिक प्रीझरवेटीव कार्नोसिक एसिड से निर्मित है। यह तत्व तुलसी के पत्तो से निष्कासित किया गया है। और इसी प्राकृतिक तत्व के कारण लिवकेयर में उपस्थित जड़ी बूटीयों का कार्यकारी परिणाम लंबे समय तक पाया जाता है तथा यकृत की कोशिकाओं की सामान्य कार्यकारिता एवं शक्ति को बनाए रखता है। लिवकेयर योग में उपस्थित पुनर्नवा सूजन को कम करने में सहायक है; गिलोय व्याधिक्षमत्व को बढ़ाकर कोशिकाओं का संरक्षण करता है; भूमिआमलकी चयापचय प्रक्रिया के दौरान बने विष को कम कर, यकृत की कोशिकाओं की कार्यकारिता को बढ़ाता है। इस प्रकार लिवकेयर सिरप यकृत की सुरक्षा करने के लिए एक प्राकृतिक शक्तिशाली संशोधक रोगप्रतिशामक औषधी योग है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. लिवकेयर सिरप में निम्न घटक हैं: पुनर्नवा (जड़) ४०मि.ग्रा., गिलोय/गुडुचि (तना) ३०मि.ग्रा., कासनी (बीज) ३०मि.ग्रा., भूम्यामलकी (पंचांग) ३०मि.ग्रा., चित्रक (जड़) ३०मि.ग्रा., दारुहलदी (जड़/तना) १५ मि.ग्रा., आँवला (फल) ३०मि.ग्रा., हरीतकी (फल) ३०मि.ग्रा., बहेड़ा (फल) ३०मि.ग्रा., मकोय (पंचांग) २०मि.ग्रा., वायविडंग (फल) २० मि.ग्रा., कालमेघ (पंचांग) ३० मि.ग्रा.,पटोलपत्र (पत्र) ३०मि.ग्रा., कुटज (छाल) २०मि.ग्रा., कालीमिर्च (फल) १५मि.ग्रा., सोंठ (जड़) १५मि.ग्रा., रेवंदचीनी (छाल) १००मि.ग्रा., भृंगराज (पंचांग) २०मि.ग्रा., पित्तपापड़ा (पंचांग) २०मि.ग्रा., शरपुंखा (पंचांग) २०मि.ग्रा., बड़ी पिप्पली (फल) १५मि.ग्रा. अन्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• स्वास्थ्यवर्धन के लिए: २०—३०मि.लि. २ बार • एलोपेथिक दवाईयों के साथ: २०मि.लि. २ बार • यकृतवृध्दि/यकृत सूजन: ३०मि.लि. ३ बार • पचनशक्ति बढ़ाने हेतु: १०मि.लि. भोजन से पहले • अत्याधिक मद्यपान करने वालो में: २०मि.लि. ३ बार। लिवकेयर सिरप सामान्य रुप से भोजन के पहले या मध्य में लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **स्वास्थ्यवर्धन:** वीटग्रास और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **रोगप्रतिकार शक्ति बढ़ाना:** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **पचनशक्तिवर्धन:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **यकृत की सूजन में:** लिवकेयर टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ ले।

Presentation: 200ml

KEY INGREDIENT(S)

Giloy
Tinospora cordifolia

Punarnava
Boerhavia diffusa

- खानपान से होने वाले विकारों जैसे गैस, एसिडिटी एवं बदहज़मी के लिए कार्यकारी आयुर्वेदिक योग
- रोग प्रतिरोधक क्षमता और पाचन शक्ति सुधारने में सहायक
- दवाओं या शराब से संबंधित दुष्प्रभावों को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

लिवकेयर सिरप

पूरे परिवार के स्वस्थ यकृत के लिए सम्पूर्ण उपचार

लिवकेयर सिरप पाचन को उत्तेजित करता हैं, यकृत कोशिकाओं का पुनरुत्थान करके यकृत की कार्य क्षमता को पुनःस्थापित करता हैं, मेटाबोलिक क्रियाओं को सुधारता है एवं स्फूर्ती बनाये रखता है।

लिवकेयर टैबलेट

हिपेटोप्रोटेक्टिव एंटी–ऑक्सीडेंट के साथ परीपूर्ण

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए तथा चयापचय क्रिया के नियमन में यकृत का सर्वाधिक योगदान है। यकृत शरीरक्रिया की विराट कार्यशाला होता है और इसी कारण यकृत का संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक होता है। विष, रोगाणु, रक्तसंचार हानि, विषम चयापचय क्रिया तथा कैंसर जैसे कारणो से यकृत के स्वास्थ्य पर विपरित परिणाम होते है।

हम सभी को ज्ञात है कि यकृत का स्वास्थ्य रसायनिक तत्व एवं मद्यपान से विषम हो जाता है। परंतु अस्वास्थ्यकर आहार जैसे जंकफूड, अधिक शर्करा युक्त कोल्ड ड्रींक्स, सिंथेटिक/रसायनिक प्रीझरवेटीव युक्त भोजन का सेवन करने से भी यकृत में विषमता हो सकती है, ऐसे में यकृत के संरक्षण और उसकी कार्यक्षमता को सामान्य करने वाले उपाय अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

उपाय

डेल्टास लिवकेयर टैबलेट यकृत की कार्यकारिता को सुचारु करने वाली जड़ी बूटीयो से निर्मित प्राकृतिक योग है। यह अस्वास्थ्यकर आहार से होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान कर, यकृत का शोधन करती है।

प्रोडक्ट परिचय

गिलोय में उपस्थित "अराबीनोगेलेक्टन" तत्व को लिवकेयर टैबलेट में परिपूर्ण रुप से सम्मिलित किया गया है। यह तत्व यकृत की कोशिकाओ के लिए रसायन के रुप में कार्य करता है। यह योग एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा रोग प्रतिकार शक्ति को बढ़ाता है। इसमें मौजूद चित्रक, भूमिआमलकी और कालमेघ यकृत का शोधन कर, यकृत की कार्यकारिता का प्रोत्साहन करते है। इसके अलावा खेलकूद तथा व्यायाम करने वाले लोगो द्वारा सेवन किए हुए अत्याधिक प्रोटीन के चयापचय में भी लिवकेयर टैबलेट सहायक है।

यकृत हमारे शरीर में ५०० से अधिक महत्त्वपूर्ण कार्य करता है, ऐसी स्थिती में यकृत की कार्यकारिता को सुचारु बनाना अत्यंत आवश्यक है। लिवकेयर में उपस्थित फायटो न्यूट्रियंट निम्न परिस्थितियों में अत्यंत प्रभावशाली है • एलोपेथिक दवाइयों के अधिक सेवन करने पर • अत्याधिक मद्यपान • धुम्रपान करने वालों में या अधिक प्रदुषणवाले शहरों में रहने वालों में • हानिकारक विकिरणो से संपर्क में आने की अवस्था में • बढ़ती उम्र में • अधिक शर्करायुक्त शीतपेयों का सेवन करने की अवस्था में • पेंट, वार्निश, कीटकनाशक, केमिकल्स, एसिड आदि के अधिक संपर्क में आनेवालों में • कम जलपान करने या स्थूल व्यक्तियों में • त्वचा रोग में।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा. लिवकेयर टैबलेट में निम्न घटक हैं: कुटकी (जड़) १००मि.ग्रा., चिरायता (पंचांग) १००मि.ग्रा., घृतकुमारी (पत्र) २०मि.ग्रा., भूम्यामलकी (पंचांग) ८०मि.ग्रा., कालमेघ (पंचांग) ८०मि.ग्रा., मकोय (पंचांग) ३०मि.ग्रा., पटोलपत्र (पत्र) ३०मि.ग्रा., शरपुंखा (पंचांग) ५०मि.ग्रा., कासनी (पंचांग) ३०मि.ग्रा., हरितकी (फल) पावडर ३०मि.ग्रा., नागरमोथा (कंद) पावडर २०मि.ग्रा., गुडुची (तना) पावडर २०मि.ग्रा., भृंगराज (पंचांग) पावडर २०मि.ग्रा., चित्रक (जड़) पावडर ५०मि.ग्रा., अन्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• यकृत के स्वास्थ्यवर्धन के लिए: १ टैबलेट दिन में २ बार • बाहरी खानपान करने वालों के लिए: १–२ टैबलेट दिन में २ बार • एलोपेथिक दवाइयों का अधिक सेवन करने वालो के लिए: १ टैबलेट दिन में २ बार • रक्तशर्करा नियमन के लिए: २ टैबलेट भोजन से पहले दिन में २ बार • पचनशक्तिवर्धन के लिए: १ टैबलेट दिन में २ बार • शोथ/शरीर में सूजन: १ टैबलेट दिन में ३ बार • रोगप्रतिकार शक्तिवर्धन: १ टैबलेट दिन में ३ बार • खेल कूद/शरीरसौष्ठव: १ टैबलेट दिन में ३ बार।

मार्गदर्शन

• **स्वास्थ्यवर्धन:** वीटग्रास टैबलेट और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **यकृत संवर्धन:** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **रोगप्रतिकार शक्ति वर्धन:** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **स्वास्थ्यवर्धन:** मधुमेह में: डायकेयर रस के साथ ले • **पचनशक्तिवर्धन:** ऐलोवेरा जूस के साथ लें।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Kutki
Picrorrhiza kurroa

Nirgundi
Vitex negundo

- लगातार बाहर के खाने एवं नियमित दवाएं लेने से होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने में सहायक
- पाचन संबंधी विकारों को कम करने में सहायक
- पाचन क्रिया संबंधित सूक्ष्म पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

लिवकेयर टैबलेट

क्षतिग्रस्त यकृत कोशिकाओं के पुनरुत्थान में सहायक

संक्रमण, आधुनिक दवाइयों, हानिकारक रसायनों, रेडिएशन तथा मेटाबोलिज़्म की विषम अवस्था में क्षतिग्रस्त यकृत की कार्य क्षमता को सामान्य करता है। उत्तम एंटी–ऑक्सीडेंट योग; यकृत पुनरुत्थान कर, टॉनिक की तरह काम करता हैं।

गायनोकेयर सिरप

गर्भाशय को बल देने वाले प्राकृतिक जड़ी–बूटीयों का अनुभूत योग

स्त्री को हमारे समाज में बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त हैं। वर्षों तक घरों में रहकर परिवार संभालने वाली नारी आज घर से बाहर निकलकर समाज के सभी पहलुओं पर पुरुषो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहीं हैं। परंतु आज के प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में यदि उन्हें किसी बात का बंधन हैं तो प्राकृतिक नियमों का। प्रकृति के नियमों के कारण स्त्री शरीर के विशिष्ट घटनाक्रमों के दौरान उन्हे 'मासिक धर्म' और उसके आस–पास के दिनो में कुछ तकलीफ़ों का सामना करना पड़ता हैं। इनमें कमरदर्द, पेट में मरोड, थकान आदि का समावेश हैं। इन तकलिफो से निजात पाने के लिए रासायनिक दर्द निवारक दवाओं से लाभ तो होता हैं परंतु इनकी गर्मी से अस्वस्थता, पेट में जलन और अन्य परेशानियां भी होती हैं। बढती उम्र के साथ प्रकृति के नियमों के अनुसार स्त्री के शरीर में आए बदलाव के कारण ऐसी तकलिफो और बढती जाती हैं। इन सभी तकलीफ़ों पर एक सम्यक उपाय स्त्रीयों के लिए वरदान साबित होगा।

उपाय

डेल्टास गायनोकेयर सिरप प्राकृतिक जड़ी बूटियों से बना ऐसा आयुर्वेदिक योग हैं जो कि 'विशेष दिनों' में होने वाली विभिन्न तकलीफों से निजात दिलाता हैं। कष्टकारी लक्षणों को शमन कर स्त्रीयों को विशेष दिनो में भी कार्यकुशल रखता हैं।

प्रोडक्ट परिचय

गायनोकेयर सिरप में प्राकृतिक तत्वो का समावेश हैं। यह तत्व गर्भाशय के आंतरिक स्नायूओं को पुनःस्थापित करने में सक्षम हैं। उलटकंबल और धायपुष्प मस्तिष्क को शांत रख घबराहट कम करते हैं। इसके अलावा ये पेट व कमर के दर्द का निवारण करते हैं। गाजरबीज, पुनर्नवा और नागरमोथा, स्त्री जननांगो की सूजन को कम कर मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द को निवारण करते हैं। मंजिष्ठा, गोखरु, अशोक छाल शरीर में रक्तवर्धन कर रक्तस्त्राव द्वारा होने वाली कमजोरी को कम करते हैं। इन सभी द्रव्यों द्वारा निर्मित गायनोकेअर सिरप स्त्रियों के विशेष दिनों में होने वाली तकलीफों (जैसे ऐठन, कमरदर्द, मरोड, कमजोरी इ.) से छुटकारा दिलाती हैं। यह शक्ति का संचार कर उन दिनों में भी स्त्रियों को स्वास्थ्य रक्षण में अत्यंत सहायक सिध्द होती हैं।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. गायनोकेयर सिरप में छोटा गोक्षुर ३०मि.ग्रा., मंजिष्ठा ३०मि.ग्रा., नागरमोथा २५मि.ग्रा., उलटकंबल २०मि.ग्रा., पलाशफूल १५मि.ग्रा., अनंतमूल १५मि.ग्रा., पुनर्नवा १५मि.ग्रा., धायपुष्प १०मि.ग्रा., लोध्र २०मि.ग्रा., अशोक २५मि.ग्रा., दशमूल ३००मि. ग्रा., गाजरबीज १५मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)

उपयोग

• साधारण कमजोरीः १०–२०मि.लि. दिन में ३ बार लें • मरोड उठने परः ३०मि.लि. दिन में ३ बार लें • कमरदर्दः १०–२०मि.लि. दिन में २ बार • रक्त की कमीः २०मि.लि. दिन में २ बार • मासिक धर्म में अधिक रक्तस्त्रावः २० मि.लि. दिन में २ बार • अनियमित मासिक धर्मः ३०मि.लि. दिन में ३ बार • स्त्री स्वास्थ्य के लिएः कुमारीयों में २०मि. लि. दिन में २ बार • प्रौढ स्त्रियों में (४५–५० वर्ष): २०मि.लि. दिन में ३ बार • अधेडावस्था (५० वर्ष से अधिक): ३०मि.लि. दिन में ३ बार।

मार्गदर्शन

• **साधारण कमजोरीः** लिवकेयर टैबलेट के साथ लें • **कमरदर्दः** जोड़ाराम टैबलेट, जोड़ाराम तेल के साथ लें • **थकानः** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ लें • **अनियमित मासिक धर्मः** ऐलोवेरा जूस के साथ लें • **युवावस्था में मुँहासे होने पर (स्त्रियों में):** फेसनिखार क्रीम या लोशन के साथ लें • **व्यक्तित्व विकास के लिएः** उरोज क्रीम के साथ उपयोग करें।

Presentation: 200ml

KEY INGREDIENT(S)

Gokharu Chhota
Tribulus terrestris

Manjistha
Rubia cordifolia

- मुश्किल दिनों में राहत देने में सहायक
- उन दिनों में होने वाली विषमताओं में सहायक
- स्त्रियों में पीठ दर्द, सामान्य कमजोरी एवं थकान को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

गायनोकेयर सिरप

महीने के उन विशेष दिनों में होने वाली समस्या में राहत का अनुभव करें

गायनोकेयर सिरप के नियमित प्रयोग से महीने के विशेष दिनों में उत्पन्न आलस्य, थकान, वेदना तथा कमरदर्द में राहत पाएँ; उन दिनों की विषमता में उचित संतुलन बनाकर गर्भाशय को सशक्त बनाये

गायनोकेयर टैबलेट

रजोनिवृत्ति (मीनोपॉज) की विषमताओं से राहत के लिए फायटोएक्टिव योग

महिलाओं में ४५ से ५५ वर्ष के बीच की आयु में हॉर्मोन में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरुप मासिक चक्र में विषमता उत्पन्न हो जाती है तथा अधिकांश महिलाओं में यह स्थायी रुप से रुक जाता है। मासिक चक्र की इसी अवस्था को रजोनिवृत्ती कहते है। आज के आधुनिक युग में समाज में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाएँ रजोनिवृत्ती के समय कई शारिरिक एवं मानसिक त्रासपूर्ण लक्षणो का अनुभव करती है, जिससे उनकी जीवनशैली की गुणवत्ता में कमी आ जाती है। रजोनिवृत्ती की अवस्था में स्त्री शरीर के अंडकोष में इस्ट्रोजन (प्रजनन हॉर्मोन) की निर्मिती रुक जाती है। इस दौरान इस्ट्रोजन एवं प्रोजेस्टेरोन हार्मोन के अनुपात में उत्पन्न विषमता के फलस्वरुप स्त्रीयो में कई शारीरिक व मानसिक लक्षण उत्पन्न होते है, जो कि उनकी दैनिक कार्यकारिता को बाधित करते है। इन लक्षणो में योनि में सूखापन, हॉट फ्लेशेस, रात में पसीने की अधिकता, तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन, अवसाद, अनिद्रा, स्मरणशक्ति की कमी, यौन संभोग के समय पीड़ा इत्यादि शामिल है। साथ ही इन स्त्री प्रभूत हॉर्मोन में आई विषमता के कारण स्त्री शरीर की अस्थियो का घनत्व कम होकर, ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोगो की संभावना बढ़ जाती है। परिणामस्वरुप अस्थियों के आसानी से टूटने/अस्थिभंग होने का खतरा भी बना रहता है।

अक्सर सभी महिलाएँ अपने जीवन का एक तिहाई समय रजोनिवृत्ती के पश्चात व्यतीत करती है। अतः रजोनिवृत्ती के दौरान उत्पन्न होने वाले कष्टकारी शारीरिक व मानसिक लक्षणो से निजात दिलाने वाले एवं जीवनशैली की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले सम्यक् प्राकृतिक उपाय की आवश्यकता है।

उपाय

डेल्टास गायनोकेयर टैबलेट प्राकृतिक जड़ी बूटीयों से बना आयुर्वेदिक योग है। यह महिलाओं को रजोनिवृत्ती के दौरान स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में सक्षम उपाय है। बाजार में उपलब्ध अन्य विकल्प जैसे हॉर्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी की तुलना में यह किसी भी प्रकार के रासायनिक/सिंथेटिक हॉर्मोन से रहित है। यह वनस्पतिजन्य प्राकृतिक योग शरीर में इस्ट्रोजन की कार्यकारिता को नियमित कर, रजोनिवृत्ती के लक्षणो से निजात दिलाकर, जीवनशैली की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

प्रोडक्ट परिचय

गायनोकेयर टैबलेट के प्राकृतिक घटक द्रव्य अश्वगंधा और अशोक प्राकृतिक रुप से इस्ट्रोजन की पूरक तथा एंटी–आक्सीडेंट गुण द्वारा हॉट फ्लेशेस एवं पसिने की तीव्रता और आवृत्ती को कम करते है। शतावरी और हिंग, शांतिदायक एवं निद्राजनक गुण द्वारा चिड़चिड़ापन, मानसिक अवसाद, अनिद्रा से राहत दिलाने में सहायक है। साथ ही आमलकी भी एंटी–आक्सीडेंट की तरह कार्य करती है। गायनोकेयर टैबलेट में उपस्थित अशोक प्राकृतिक रुप से हॉर्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी के शरीरगत दुष्प्रभावों के बिना, रजोनिवृत्ती के लक्षणो को कम करने में सहायक है। हीराबोल अपने सौम्य गुण द्वारा घबराहट को दूर करता है। इस प्रकार गायनोकेयर टैबलेट प्राकृतिक रुप से रजोनिवृत्ती के शारिरिक व मानसिक लक्षणो को कम कर रजोनिवृत्ती के समय एक महत्वपूर्ण पोषण प्रदान करती है। साथ ही रजोनिवृत्ती के अन्य उपद्रव जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय संबंधी विकार इत्यादि की रोकथाम में भी सहायक है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा. गायनोकेयर टैबलेट में दशमूल १५०मि.ग्रा., अशोक (साल) १५०मि.ग्रा., हरमल १००मि.ग्रा., शतावरी १००मि.ग्रा., घृतकुमारी १००मि.ग्रा., आमलकी १००मि.ग्रा., हीराबोल ६०मि.ग्रा., चित्रक ५०मि.ग्रा., इंद्रायण ५०मि.ग्रा., कलौंजी ५०मि.ग्रा., हिंग ४०मि.ग्रा. अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• वार्धक्य के लक्षणो में: १ टैबलेट प्रतिदिन दिन में एक बार। • रजोनिवृत्ती के लक्षणो में: १ टैबलेट प्रतिदिन दिन में दो बार।

मार्गदर्शन

• **हॉट फ्लेशेस के लिए:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **रात में अधिक पसीन के लिए:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **योनि में सूखापन:** वी हायजीन वॉश और स्क्वीज़ी के साथ उपयोग करे • **घबराहट में:** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **अस्थियों में कम घनत्व के लिए:** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **व्यक्तित्व विकास के लिए:** उरोज क्रीम के साथ ले • **कमरदर्द में:** जोड़ाराम तैल और जोड़ाराम टैबलेट के साथ ले • **शारीरिक थकान में:** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **अनियमित मासिकधर्म में:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Ashok
Saraca indica

- सामान्य चक्र से पूर्व और बाद में होने वाली समस्याओं को कम करने में सहायक
- प्रजनांगों के स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेदिक योग
- अनियमित चक्र के दौरान जलन और चिंता को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

गायनोकेयर टैबलेट

मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) की अवस्था में होने वाली समस्याओं से राहत पाने के लिए प्राकृतिक योग

गायनोकेयर टैबलेट में उपस्थित जड़ी–बूटीयों से बढ़ती उम्र में गर्भाशय को स्वस्थ एवं सशक्त बनाये; बेचैनी, चिड़चिड़ापन व चिंता से राहत पाकर, बढ़ती उम्र में भी स्वास्थ्य का अनुभव पाएं।

एक्टिव आमला जूस

शरीर की थकी हुई कोशिकाओं के लिए विशेष रसायन योग

हमारे शरीर की अद्‌भूत क्षमता हैं कि वह हमें समय–समय पर हमारे स्वास्थ्य के बारे में कई बार संकेत देता रहता हैं। बहुत सारे लोग कई बार साधारण से अधिक थकान, बदनदर्द, आलस, जोड़ो में दर्द, पेटदर्द या कब्जियत महसूस करते हैं पर रक्त, मूत्र, मल के परिक्षण में कोई खास विकृती नहीं पायी जाती। लेकिन दुर्भाग्य से, वे अभी भी महसूस करते है कि उनका शरीर, वास्तविक उम्र से अधिक बूढ़ा लग रहा है। इसी को समय से पहले वार्धक्य/बूढ़ापन का आना कहा जाता हैं। चेहरे की झुर्रिया, स्कीन टोन, बालो की स्थिति और त्वचा का तेज आपकी बायलोजिकल उम्र और कालानुक्रमिक (क्रोनोलॉजिकल) उम्र की तुलना को दर्शाता है। आपकी बायलोजीकल उम्र आपके शरीर के अंदरुनी स्वास्थ्य की स्थिती को दर्शाती है, यह आपकी कालानुक्रमिक (क्रोनोलाजिकल) उम्र से कम अथवा अधिक हो सकती है। उम्र से पहले आने वाले बुढ़ापे/वृद्धता से बचने के लिए न सिर्फ हमें अच्छा आहार और विहार का पालन करना चाहिए बल्कि प्रकृति द्वारा हमें दिए गए उपहार स्वरुप जडी बूटींयों का भी उपयोग करना चाहिए जो हमारे स्वास्थ्य के लिए अमृतसमान गुणकारी हैं। प्रकृति ने हमें ऐसी कई जड़ी बूटियाँ दी हैं जिससे की शरीरगत क्षय को कम कर असमय आने वाले बुढ़ापे को रोका जा सकता हैं।

उपाय

डेल्टास एक्टिव आमला जूस जैविक तरीके से उगाए गऐ आँवले के फलों से बनता हैं। यह यकृत को बल प्रदान करने वाली अमृता बूटी और उत्कृष्ट एंटी–ऑक्सिडेंट भूम्यामलकी रस को मिला कर बनाया गया हैं। आमला एक दिव्य औषधि हैं जो न सिर्फ असमय बुढापे से बचाती हैं परंतु शरीर के सारे अवयवों को सुरक्षित कर उनमें ऊर्जा का संचार करती हैं। आमला आंखो व पाचन संस्थान के विकार के साथ साथ मधुमेह व अन्य बिमारियों में लाभकारी है। यह विटामिन सी, लोह एवं कैल्शियम का प्राकृतिक भंडार हैं।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास एक्टिव आमला जूस में जैविक आँवला, अमृता बूटी और भूमि आमलकी का मिश्रण हैं। यह द्रव्य शरीरगत महत्त्वपूर्ण अंगों की रक्षा कर उनकी क्रिया को नियोजित करते हैं। इस रस में मौजूद स्टेम सेल एक्टिवेटर असमय वृद्धता से छुटकारा दिलाता है। शरीर की स्टेमसेल की कार्यक्षमता उम्र के साथ घटती जाती है, परंतु आमला जूस कोशिकाओं का नवीनीकरण (एक्टिवेशन) कर स्वास्थ्य रक्षण में लाभदायक होता है। डेल्टास एक्टिव आमला जूस अपने आप में पहला ऐसा उत्पाद हैं जो स्टेम सेल एक्टिवेटर की सारी विशिष्टताऐं आपको प्रदान करता हैं। इसमें मौजूद अमृता बूटी रस अपने एंटी–आक्सीडेंट गुण द्वारा यकृत का संरक्षण एवं संवर्धन कर चयापचय का नियमन करता है। एक्टिव आमला जूस से शरीरगत अशुध्दियों तथा आम का भी नाश होता है। भूम्यामलकी शरीर की रोगप्रतिकार शक्ति बढ़ाकर बीमारीयों से बचाती हैं। डेल्टास एक्टिव आमला जूस की विशिष्ट निर्माण प्रक्रिया द्वारा वीटामिन सी को संरक्षित रखा जाता हैं। इस प्रकार से यह विशिष्ट जूस शरीर की कोशिकाओ को युवा बनाकर नैसर्गिक रुप से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाये रखता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.ली. एक्टिव आमला जूस में निम्ननुसार घटक हैं: आमला (फल रस) ६५%; अमृता (बूटी) २%; भूम्यामलकी (पंचाग रस) २%; अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

३०मि.ली. रात्री भोजनोपरांत या चिकित्सक परामर्शानुसार • शक्तिवर्धकः ३०मि.ली. दो बार लें . प्रातः खाली पेट एवं सांय भोजन से २ घंटे पहले लें • पोषणः २०मि.ली. दो बार लें . प्रातः खाली पेट एवं सांय भोजन से २ घंटे पहले लें • रक्ताल्पता में: २०मि. ली. दो बार भोजनोपरांत ले • अपचनः १०मि.ली. भोजन से पहले लें • चेहरे/त्वचा पर झुर्रियाँः २०मि.ली. भोजनोपरांत • थकान/आलसः २०मि.ली. भोजनोपरांत • जोड़ो दर्द या खिंचावः ३०मि.ली. दिन में दो बार • कब्जियतः २०मि.ली. दिन में दो बार

मार्गदर्शन

• **शक्तिवर्धनः** नाईटमैक्स टैबलेट और वीटग्रास टैबलेट के साथ लें • **पोषणः** ऐलोवेरा जूस और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ लें • **रक्ताल्पताः** लिवकेयर टैबलेट एवं वीटग्रास टैबलेट के साथ लें • **अपचनः** ऐलोवेरा जूस और एंटासिड टैबलेट के साथ लें • **चेहरे/त्वचा पर झुर्रियाँः** मॉईश्चराईजिंग लोशन और ऐलोवेरा जूस के साथ लें • **थकान/आलसः** लिवकेयर और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ लें • **जोड़ो में दर्द या खिंचावः** जोड़ाराम टैबलेट एवं जोड़ाराम तैल के साथ लें • **कब्जियतः** एंटासिड टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ लें।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Amala
Emblica officinalis

- संपूर्ण परिवार को स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्टेम सेल एक्टिवेटर युक्त फाइब्रस जूस
- शक्तिवर्धक, एंटीऑक्सिडेंट, शारीरिक पोषण एवं प्रतिरक्षा को बढ़ाए रखने में सहायक
- एनीमिया एवं पाचन विकार में सहायक
- जोड़ों के दर्द, जकड़न एवं ऐंठन में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव आमला जूस

बढ़ती उम्र से होने वाले क्षरण का नियमन कर रोगप्रतिरोधक क्षमता तथा स्फूर्ति बढ़ाये

स्रेम सेल एक्टिवेटर तत्त्व सम्पन्न, जड़ी–बूटियाँ अमृता एवं भूमि–आँवला के साथ कॉन्सेन्ट्रेटेड आँवला जूस का अनुभूत योग शरीर के रोज़ाना सम्यक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है; इसका प्रतिदिन सेवन आपको वायरल बीमारी से दूर रखकर, शरीर में ताज़े विटामिन–सी और आयरन की पूर्ति करता है

एक्टिव नोनी जूस

नोनी, लेह–बेरी (सी–बकथॉर्न) आदि दिव्य फलों के ताजे रस एवं हर्बल स्टेम सेल एक्टिवेटर कॉम्पलेक्स से परिपूर्ण

आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती व्यस्तता के कारण अधिकांश लोग मनोरंजन एवं विश्रांती के लिए समय नहीं निकाल पातें। अत्याधिक व्यस्तता एवं रोजमर्रा के काम के तनाव का हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विपरित परिणाम होता है। साथ ही व्यस्तता के फलस्वरुप हम अपने दैनिक आहार पर ध्यान नहीं देते; फलस्वरुप शरीर में शक्ति का दमन होकर उर्जाहिनता व कमजोरी महसूस होने लगती है; तथा रोगप्रतिरोधक शक्ति का क्षय होकर, हम वक्त से पहले बूढे लगने लगते है। आधुनिक जीवनशैली के उपरोक्त प्रभावो के साथ अत्याधिक प्रतिस्पर्धा के कारण, बाल्यावस्था में भी तनाव उत्पन्न होकर अनेक प्रकार के कुपोषणजन्य व्याधीयां उत्पन्न हो जाती है। अतः एक ऐसे विकल्प की आवश्यकता है जो आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न अपूरक पोषण की समस्या को हल कर, शरीर में शक्ति का संचार कर, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन करे।

उपाय

डेल्टास एक्टिव नोनी जूस शरीर की मांसपेशियों की उर्जा को बढ़ाने एवं शरीर की कोशिकाओं की दैनिक क्षतिपूर्ती के लिए बनाया गया आयुर्वेदिक योग है। इसके घटक वनस्पतिजन्य सूक्ष्म पोषक तत्व एवं फायटोएक्टिव,शरीरगत कमजोरी एवं आलस का नाश करते है। एक्टिव नोनी जूस के घटक द्रव्य प्राकृतिक स्टेम सेल एक्टिवेटर काम्प्लेक्स से परिपूर्ण होने के कारण, शरीर की उर्जा को बढ़ाकर, रोगप्रतिरोधकशक्ति का संवर्धन कर शरीर की कोशिकाओं के क्षय की प्रक्रिया को धीमा करते है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास एक्टिव नोनी जूस, औषधीय गुण युक्त फल नोनी, अंगुरफल, लेह बेरी के ताजे रसो, गुडुची बुटी और अश्वगंधा जड़ी से बना आयुर्वेदिक योग है। यह सारे घटक शरीर को उर्जा प्रदान कर, शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाकर, शरीर संवर्धन करने में सक्षम है। गुडुची एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा कोशिकाओं का स्वास्थ्य रक्षण कर, चयापचय प्रक्रिया के दौरान बनने वाले शरीरविष को शरीर से बाहर उत्सर्जन करने में सहायक है।

खेल तथा व्यायाम के लिए आवश्यक उर्जा, पोषण तथा योग्य पूरण डेल्टास नोनी जूस में उपलब्ध फायटोएक्टिव तथा सूक्ष्म पोषक तत्वो द्वारा व्यापक रुप से होता है।

बढ़ती उम्र के साथ शरीर के स्टेम सेल्स की कार्यक्षमता क्षीण होने लगती है एवं आधुनिक जीवनशैली के कारण यह प्रक्रिया गतिशील होकर, असमय बुढापा उत्पन्न हो जाता है। अतः डेल्टास के एक्टिव नोनी जूस में उपलब्ध स्टेम सेल एक्टिवेटर शरीर की कोशिकाओं का नविनीकरण करते हुए व्यापक स्वास्थ्य प्रदान करते है; तथा स्टेम सेल के लिए सम्यक पोषण प्रदान करता है। यह आयुर्वेदिक योग रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शरीर को शक्ति, उर्जा तथा स्वास्थ्य प्रदान करता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.ली. एक्टिव नोनी जूस में निम्न घटक द्रव्य है: नोनी (रस) ३०%, मृद्वीका (रस) ३०%, कोकम (रस) २०%, अमृता (रस) ५%, धात्री (रस) ५%, अश्वगंधा (रस) ५%, बद्रीफल (लेह.बेरी रस) ४%, अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• शरीर पोषणार्थः २०–३०मि.ली. सुबह और शाम ले, सुबह खाली पेट लें और शाम को भोजन से २ घंटे पहले ले • शारीरिक ऊर्जा के लिए: ३०मि.ली. सुबह और शाम ले, सुबह खाली पेट ले और शाम को भोजन से २ घंटे पहले ले • थकान/आलसः २०मि.ली. दिन में दो बार भोजनोपरांत ले • जोड़ो में दर्द या खिंचावः ३०मि.ली. दिन में दो बार भोजनोपरांत ले • तनाव या घबराहटः २०मि.ली. दिन में दो बार भोजनोपरांत ले • निस्तेज त्वचाः १०मि.ली. दिन में दो बार भोजनोपरांत ले • यादाश्त की कमीः २०मि.ली. दिन में दो बार भोजनोपरांत ले।

मार्गदर्शन

• **शरीर पोषणार्थः** ऐलोवेरा जूस और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **शारीरिक ऊर्जा के लिए:** नाईटमैक्स और वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **थकान/आलसः** लिवकेयर और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **जोड़ो में दर्द या खिंचावः** जोड़ाराम टैबलेट और जोड़ाराम तैल के साथ ले • **तनाव या घबराहटः** लिवकेयर और वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **निस्तेज त्वचाः** ऐलोवेरा जूस, मॉइस्चराइजिंग लोशन और फेसनिखार क्रीम के साथ ले • **यादाश्त की कमीः** लिवकेयर और वीटग्रास टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Achyuta
Morinda citrifolia

- संपूर्ण परिवार को स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्टेम सेल एक्टिवेटर युक्त फाइब्रस जूस
- प्रतिदिन ज़रूरी पोषक तत्वों की पूर्ति में सहायक
- शारीरिक उर्ज़ादायक, उत्तकों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत में सहायक
- जोड़, मांसपेशियों एवं अस्थि पोषण में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव नोनी जूस

नोनी जूस, प्रकृति के ५दिव्य औषधीय फलों एवं अमृता बूटी का गुणकारी योग; रोज़ाना सर्वांगीण स्वास्थ्य के लिए गुणकारी

नोनी, लेह–बेरी (सी–बकथॉर्न), कोकम, आमला व अंगूर के फलों के ताज़े रस एवं अमृता बुटी के रसायन गुणों से संपन्न, स्वादिष्ट जूस; पैरासाइट के प्रतिकार की शक्ति एवं रोगप्रतिरोधकता बढ़ाये, रोजाना के कार्य एवं खेल क्रिया से होने वाली क्षति की भरपाई करने के लिए एक दिव्य एवं स्वादिष्ट पेय आयरन की पूर्ति करता है

एक्टिव लेडी कैप्सूल

स्त्रियों के दैनिक स्वास्थ्य के लिए एंटी–ऑक्सीडेंट्स युक्त औषधि योग

बढ़ती उम्र के साथ–साथ महिलाओं की पोषण की आवश्यकताए विकसित हो जाती है। चूंकि उनकी आयु और उनका शरीर अधिक शारीरिक और हार्मोन परिवर्तन से होकर गुजरता है, उनके आहार में बदलती जरूरतों को पूरा करना आवश्यक है। मासिकधर्म, गर्भाधान, मेनोपोज़ से महिलाओं में खून की कमी होने, हड्डियां कमजोर होने और ऑस्टियोपोरोसिस होने के अधिक जोखिम और अधिक मात्रा में आयरन, कैल्शियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व की आवश्यकता है। परंतु अक्सर महिलाएं अपने व्यस्त जीवन के कारण अपनी खानपान की जरूरतों को अंदेखा कर देती हैं।

लेकिन कई बार पर्याप्त शारीरिक व्यायाम, उचित पोषण और सूर्य के प्रकाश के अभाव में महिलाओं की कई सारी सेहत समस्याओं से घिर जाने की संभावना बढ़ जाती है।

अतः आधुनिक महिलाओं को एक प्राकृतिक पोषण पूरक की आवश्यकता है। जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है।

समाधान

डेल्टास एक्टिव लेडी कैप्सूल विशेषतः महिलाओं के लिए निर्मित योग है जो दिन प्रतिदिन की पोषक तत्वों की जरूरतों को पूरा करता है और स्वस्थ त्वचा और बाल में वृद्धि करता है, उसे सक्रिय रखने के लिए ऊर्जा और उमंग प्रदान करता है और दिन भर स्वस्थ व खुश रखता है। यह विशेष रूप से तैयार सूत्र है जो महिलाओं की खून की कमी, कमजोर हड्डियाँ और ऑस्टियोपोरोसिस से रक्षा करता है।

उत्पाद

डेल्टास एक्टिव लेडी कैप्सूल महिलाओं के लिए दैनिक पोषण पूरक है। यह शरीर में पोषक तत्वों की पूर्तिकर, इष्टतम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रदान करते हुए; दिन प्रतिदिन की गतिविधियों के लिए शारीरिक ऊर्जा और स्फूर्ति प्रदान करती है। इसमें उपस्थित वनस्पति आधारित पोषक तत्व विशेष रुप से सामान्य कमजोरी, थकान, पीठ दर्द से निजात दिलाकर, रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए उपयोगी है। इसकी घटक शतावरी प्राकृतिक रुप से फाइटो–एस्ट्रोजन हार्मोन से परिपूर्ण होने के कारण महिलाओं में स्वस्थ प्रजनन प्रणाली और इष्टतम ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करती है। साथ ही यह हृदय रोग और ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोगो से सुरक्षा भी प्रदान करती है। अकरकरा और यशद भस्म रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते है। शिलाजीत अपने शांतिदायक गुण द्वारा तनाव एवं चिंता से राहत दिलाने में सहायक है। विदारीकंद कामोद्दीपक के रुप में कार्य करता है। साथ ही मासिक चक्र का नियमन कर, समस्त प्रजनन स्वास्थ्य का समर्थन करता है।

डेल्टास एक्टिव लेडी कैप्सूल महिलाओं को स्वस्थ त्वचा एवं बल प्रदान करती है, दिन भर सेहतपूर्ण एवं खुश रहने के लिए उमंग एवं ऊर्जा प्रदान करती है। इस तरह महिलाओं में पोषक तत्वों की पूर्तिकर, इष्टतम ऊर्जा और जीवन शक्ति प्रदान करने वाली पोषण पूरक है।

संघटन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा. एक्टिव लेडी कैप्सूल में शामिल हैं: सोयाबीन का सूखा बीज १००मि.ग्रा., विदारी जड़ ५०मि.ग्रा., शतावरी जड़ ५०मि.ग्रा., अकरकारा जड़ ५०मि.ग्रा., शिलाजीत एक्सयूडेट ५०मि.ग्रा., यशद भस्म २५मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

दिन में २–३ बार एक कैप्सूल अथवा या चिकित्सक के परामर्श से प्रयोग करे।

निम्न स्थितियों में रोज़ाना प्रयोग करें:

- सामान्य कमजोरी
- कम शारीरिक भार
- जल्दी थकान
- खराब प्रतिरोधक क्षमता
- पीठ/ शरीर में दर्द
- सुस्ती।

निर्देश

• **सामान्य कमजोरी के लिए:** एक्टिव लेडी कैप्सूल को स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **कम शारीरिक भार:** एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ व्हीटग्रास टैबलेट का प्रयोग करें • **जल्दी थकावट:** एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ स्पिरुलिना टैबलेट और लिवकेयर टैबलेट का प्रयोग करें • **कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता:** एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ व्हीटग्रास टैबलेट और स्पिरुलिना टैबलेट का प्रयोग करें • **पीठ में दर्द/शरीर में दर्द:** एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ जोड़ाराम तेल की मालिश करें • **सुस्ती:** एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ रॉयल हनी फॉर हर का प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Soyabean
Glycine max

Vidari
Pueraria tuberosa

- सामान्य कमजोरी एवं शरीर संवर्धन में सहायक
- थकान, सुस्ती को कम करने एवं रोगप्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने में सहायक
- स्त्रियों के शारीरिक बल को बनाए रखने में सहायक

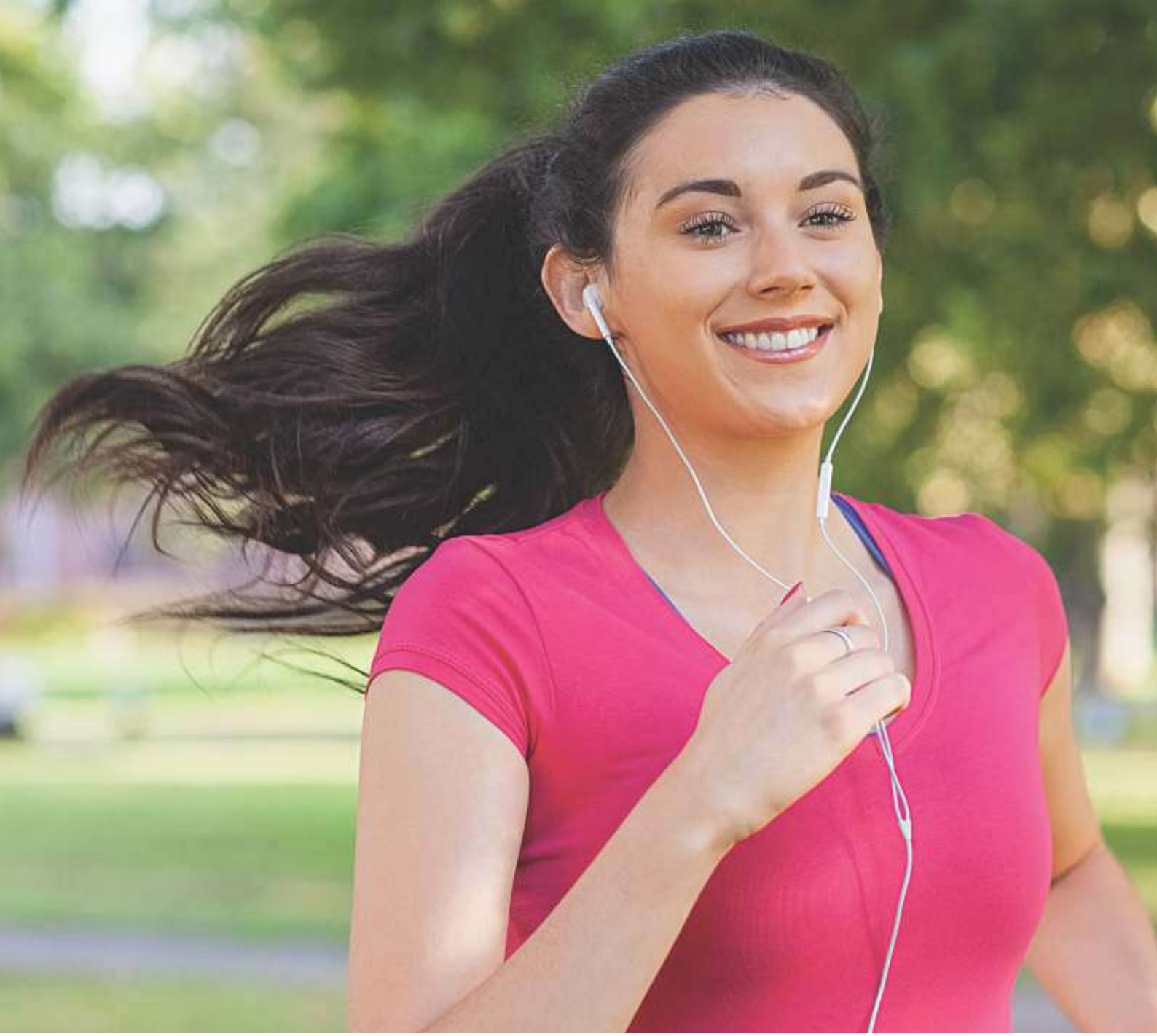

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव लेडी कैप्सूल

सक्रिय एवं युवा जीवनशैली के लिए जड़ी बूटी का अनुभूत योग

एक्टिव लेडी कैप्सूल शारीरिक ऊर्जा एवं जीवन शक्ति का संचार कर, त्वचा एवं केश को योग्य स्वास्थ्य प्रदान करे; तनाव और थकान से राहत दिलाकर, रक्ताल्पता, कमजोर हड्डियाँ और ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में सहायक।

एक्टिव मेन कैप्सूल

पुरुषों के लिए दैनिक पोषक योग

बढ़ती तनावपूर्ण जीवनशैली और मनोरंजन की सुविधाओं के अभाव के कारण व्यक्ति की शारीरिक एवं मानसिक सेहत प्रभावित होती है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के फलस्वरुप आराम के अभाव में शरीर में थकान महसूस होने लगती है। अपूरक पोषण से हमारे मस्तिष्क और शरीर की रोज़मर्रा के तनाव और स्पर्धा से संतुलन बनाए रखने की क्षमता कम होती जाती है। जिससे शरीर में कमजोरी, ऊर्जा की कमी, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और फिर उम्र वृद्धि में तेजी आती है। इसके साथ ही, शराब और धुम्रपान सेवन से भी सेहत पर हानिकारक प्रभाव पड़ता हैं।

ऐसे समय में, पुरुषों को अपनी शारीरिक पोषण की कमी को पूरा करने के लिए एक विशेष पोषक उपाय की जरूरत है। अतः एक प्रभावी विकल्प की आवश्यकता है जो शरीर को पूरक पोषण पहुंचाए, शरीर की कार्यक्षमता को बढ़ाए और ऊर्जा प्रदान करे।

समाधान

डेल्टास एक्टिव मेन कैप्सूल शक्तिशाली जड़ी–बूटीयों का एक मिश्रण है जिसे पुरुषों की सामान्य स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए निर्मित किया गया है। यह योग पोषणपूर्ति के लिए सहायक और सामान्य स्वास्थ्य बढ़ाने वाले पौष्टिक तत्वों से भरपूर है।

उत्पाद

डेल्टास एक्टिव मेन कैप्सूल एक शक्तिशाली योग है जिसमें सफेद मुसली और अश्वगंधा के गुण है जो मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को बढ़ाते हैं और प्रोइनफ्लेमेट्री साइटोकिन्स को बढ़ने से रोकता है। इस प्रकार तनाव को कम कर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में वृद्धि करते है।

अश्वगंधा मांसपेशीय शक्तियों को बढ़ाने के लिए टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाता है और मांसपेशीय कोशिकाओं को शक्ति प्रदान करता है। शिलाजीत कोशिकाओं में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति कर उनका कायाकल्प करने में मदद करती है जिससे ऊर्जा उत्पादन बेहतर होता है और अधिक सक्रिय महसूस करते हैं और यह शरीर को हर समय बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता करता है। अकरकारा प्राकृतिक ऊर्जावर्धक के रूप में कार्य करता है और तनाव सहनशीलता को बढ़ाता है। ये शरीर का पोषण करते है। पुर्ननवा में बेहतरीन एंटी-ऑक्सीडेंट गुण है अतः यह कोशिकाओं की थकान से निजात दिलाने और संपूर्ण रक्त संचार सुधारने में मदद करता है।

इस प्रकार एक्टिव मेन कैप्सूल पुरुषों के लिए एक समुचित पोषण पूरक प्रदान करता है जो पुरुषों की शारीरिक सेहत को बेहतर बनाता है और उनकी संपूर्ण ताकत, क्षमता और सहनशीलता में वृद्धि करता है।

संघटन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा. एक्टिव मेन कैप्सूल में निम्नलिखित घटक द्रव्य है। सफेद मुसली सूखा प्रकंद १००मि.ग्रा., पुनर्नवा जड़ ५०मि. ग्रा., अश्वगंधा जड़ ५०मि.ग्रा., अकरकरा जड़ ५०मि.ग्रा.,शिलाजीत सूखा ५०मि.ग्रा., यशद भस्म २५मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

१ कैप्सूल दिन में २–३ बार या चिकित्सक के परामर्श से प्रयोग करे।

निम्नलिखित स्थितियों में प्रयोग करें

• सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए • खराब पोषण/आहार • रोज़मर्रा के कामों के लिए क्षमता बढ़ाने के लिए • वर्कआउट के बाद • वज़न बढ़ाने के लिए।

निर्देश

• **सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य के लिए:** एक्टिव मेन कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **अपूरक पोषण/आहार:** एक्टिव मेन कैप्सूल को एलोवेरा जूस और स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **दिनभर के कामों के लिए स्टैमिना बढ़ाने के लिए:** एक्टिव मेन कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **यौन क्षमता बढ़ाने के लिए:** एक्टिव मेन कैप्सूल के साथ नाइटमैक्स रस, नाइटमैक्स टैबलेट और रॉयल हनी फॉर हिम का प्रयोग करें • **वर्कआउट के बाद:** एक्टिव मेन कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **वज़न बढ़ाने के लिए:** एक्टिव मेन कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट एवं स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Safed Musli
Asparagus adscendens

Ashwagandha
Withania somnifera

- पोषण बनाए रखने एवं सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य में सहायक
- दैनिक गतिविधियों एवं व्यायाम से होने वाली शारीरिक थकान में सहायक
- पुरुषों की शारीरिक क्षमता को बनाए रखने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव मेन कैप्सूल

सर्वांगीण शक्ति एवं उत्साह से साथ आपके दिन को सक्रिय बनाये

एक्टिव मेन कैप्सूल शारीरिक शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करे, प्रतिदिन तनाव मुक्त जीवनशैली में सहायक; समग्र शारीरिक स्वास्थ्य, आंतरिक बल और उत्साह को बढ़ाए।

SUPPORT FOR INNATE IMMUNITY • USEFUL DAILY SUPPLEMENT •

ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल

पीआरपी युक्त कोलोस्ट्रम एवं हर्बोमिनरल एक्टिव का योग

मुख्यतः भारतीय आहार को शाकाहारी आहार कहा जाता है। आज के आधुनिक युग में जीवन बहुत ही व्यस्त और तनावपूर्ण हो गया है। एवं आज की पीढ़ी के लिए जंकफूड का सेवन बहुत ही आम बात है। कई पेशेवर कर्मचारी ऑफिस की कैंटीन मे जो भी उपलब्ध (अधिकांश कम पोषक वाले आहार) पर निर्भर है। इस कारण, हमारे आहार में अनिवार्य विटामिन और खनिज तत्वों की काफी कमी हो जाती है। फलस्वरुप कमजोर रोग प्रतिरोध क्षमता के कारण सर्दी–जुकाम, अनेक संक्रमणो के साथ–साथ उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में भी तेजी आ जाती है।

निश्चित तौर पर, फलों, सब्जियों और अनाजों से भरपूर एक पूर्ण–संतुलित आहार का लेना आवश्यक है जो विटामिन, खनिज, फाइटोकेमिकल्स और एंटी– ऑक्सीडेंट प्रदान कर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूती प्रदान करे। लेकिन कई लोगों के लिए दैनिक आधार पर एक पूर्ण–संतुलित आहार लेना चुनौतीपूर्ण है। अतः एक ऐसे विकल्प की आवश्यकता है जो दैनिक स्तर पर शरीर में आवश्यक ऊर्जा का पूरण कर, रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाए।

समाधान

ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल फाइटोन्युट्रिएंट्स का एक विशेष मिश्रण है जिसका संपूर्ण परिवार की दैनिक रोग प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए सेवन किया जा सकता है। विषाक्त तत्वों को दूर करने वाली, ऊर्जा प्रदान करने वाली और पाचन तंत्र को बल देने वाली जड़ी–बूटीयों का एक अनूठा मिश्रण है जो शारीरिक ऊर्जा, रोग प्रतिरक्षा और एक स्वस्थ शारीरिक चयापचय प्राप्त करने में सहायता करता है।

उत्पाद

ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल गहन संशोधन द्वारा निर्मित प्रोलीन रिच पेप्टाइड (पीअरपी) युक्त योग है जो शरीर में एंटी–ऑक्सीडेंट्स की परिपूर्ति कर, बेहतर रोग प्रतिरक्षा और इष्टतम स्वास्थ्य का समर्थन करती है। इसका घटक गौपियुष (कोलोस्ट्रम) प्रोलीन रिच पेप्टाइड (पीआरपी) नामक तत्व से परिपूर्ण है जो सूक्ष्म पोषक तत्व, फैटी एसिड, एमिनो एसिड, एंटीबॉडी और इम्युनोग्लोब्युलिन से समृद्ध है; साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है। गुडुची में उपस्थित अराबीनोगेलेक्टन तत्व को परिपूर्ण रुप से सम्मिलित किया गया है। यह तत्व शरीर की कोशिकाओं के लिए रसायन के रुप में कार्य करता है। आमला एक इष्टतम रसायन है और विटामिन सी का सबसे समृद्ध स्त्रोत है। यह रोग प्रतिरक्षा को बढ़ाकर दीर्घ आयु का समर्थन करता है। अश्वगंधा एंटी–ऑक्सार्डेंट और उत्तम इम्म्यूनो मॉडयूलेटर है, जो कि टी–सेल्स और लिम्फोसाइट की कार्यकारिता का समर्थन करती है। यशद भस्म आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व जिंक का एक समृद्ध स्त्रोत है और रोग प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाती है। गाजर, हरी चाय और पालक में कैरोटीनॉयड, आयरन, कैल्शियम और एस्कॉर्बिक एसिड की प्रचुर मात्रा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, शैवाल में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह एंटी– ऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी, आयरन और अमीनो एसिड का प्राकृतिक स्त्रोत है।

ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल का सेवन पुरानी बीमारी, ऑटोइम्यून विकार और दुर्बलता में अनुपान के रुप में किया जा सकता है, साथ ही पूरे परिवार के लिए दैनिक हर्बल पूरक के रुप में ऑप्टीहेल्थ कैप्सूल का सेवन किया जा सकता है।

संघटन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा. ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल में शामिल हैं: गुडुची सूखा तना २०मि.ग्रा., यशद भस्म २०मि.ग्रा., अश्वगंधा सूखी जड़ २५मि.ग्रा., आमला सूखा फल २५मि.ग्रा., ग्रीन टी सूखी पत्ती २५मि.ग्रा., गाजर जड़ का सत्व २५मि.ग्रा., शैवाल जड़ी–बूटी २५मि.ग्रा., पालक सूखी पत्तियां ३५मि.ग्रा., गौ पियूष दुग्ध उत्पाद २५०मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

एक कैप्सूल दूध या पानी के साथ या चिकित्सक के परामर्श से प्रयोग करे।

निर्देश

• **सामान्य कमजोरी के लिए:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **थकान/सुस्ती:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल को व्हीटग्रास टैबलेट और एक्टिव मेन/एक्टिव लेडी कैप्सूल के साथ प्रयोग करें • **रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल को स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **अपूरक पोषण:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल को एलोवेरा जूस और लिवकेयर टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **वज़न नियंत्रण:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल के साथ स्पिरुलिना टैबलेट और रॉयल हनी फॉर हिम/हर का प्रयोग करें • **एलर्जी:** ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल को स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Ashwagandha
Withania somnifera

- संपूर्ण शरीर को रोग रहित बनाए रखने हेतु A2 गाय के गौ.पीयूष (कोलोस्ट्रम) से निर्मित एवं विशिष्ठ औषधि द्रव्य व खनिज युक्त आयुर्वेदिक योग
- रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए सामान्य कमज़ोरी को कम करने में सहायक
- पाचन क्रिया को सामान्य करते हुए बल वर्धन में सहायक
- त्वचा संबंधित एलर्जी एवं आँखों के विकार के लिए जैविक औषधियों युक्त आयुर्वेदिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

ऑप्टिहेल्थ कैप्सूल

एलर्जी के विरुद्ध रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं सहज व्याधि प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाये

उच्चतम पोषक कोलोस्ट्रम योग्य शारीरिक ऊर्जा प्रदान कर, एलर्जी, अस्थमा, गठिया, सोराइसिस, मधुमेह, आईबीएस और विभिन्न आटोइम्यून रोगो में सहायक; पाचन तंत्र का नियमन एवं ऊर्जा प्रदान करने वाली क्षारीय जड़ी बूटियों से परिपूर्ण।

ENRICHED WITH BLUE PIGMENT • STRENGTHENS IMMUNITY •

स्पिरिलुना टैबलेट

फाइकोसायनिन एवं अन्य फाइटोसॉम्स का संपूर्ण एवं अतुल्य स्त्रोत

अपूरक आहार के कारण शरीर में कमजोरी, उर्जाहीनता और रोगप्रतिकार शक्ति का क्षय हो जाता है। भारतीय जनसंख्या का बड़ा भाग आधुनिक जीवन शैली व व्यस्तता के कारण पूरक पोषक आहार से वंचित है। रोजमर्रा के आहार में पोषक तत्वो की कमी के कारण रतौंधी जैसे रोग से ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है। शरीर में विटामीन ए की अपर्याप्तता के फलस्वरुप रेटिना (नेत्र) के विकार उत्पन्न होते है। साथ ही शरीर में विटामीन ए की कमी से आंखो एवं नेत्र पटल में अत्याधिक शुष्कता के कारण रतौंधी रोग उप्पन्न होता है। आश्चर्यपूर्वक कई लोग पूरक आहार लेने के बावजूद भी शरीरगत विटामीन ए की कमी से ग्रस्त होते है। क्योंकि उनके शरीर में विटामीन ए की कार्यकारिता को सुचारु कर उसका चयापचय करने वाले जिंक नामक खनिज तत्व की कमी होती है। साथ ही शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए शरीरगत लवण व खनिज तत्वो का इलेक्ट्रोलायटिक बैलेंस भी जरुरी है। अतःपोषक तत्वो की कमी से उत्पन्न होने वाले रोगो की रोकथाम एवं शरीर में विटामीन्स एवं अन्य पोषक खनिज तत्वो की पूर्ति के लिए सम्यक् पोषण की आवश्यकता है।

उपाय

डेल्टास स्पिरुलिना टैबलेट, पोषक स्पिरुलिना के साथ गुडूची और घृतकुमारी जैसे औषधीय घटक द्रव्यों से बना रसायन योग है। इस के घटक द्रव्य शरीर को पोषण प्रदान कर, सूक्ष्म तत्वो की शरीर में आपूर्ति करते है। डेल्टास स्पिरुलिना टैबलेट प्राकृतिक सी–फायकोसायनिन नामक रंजक घटक द्रव्य से परिपूर्ण है। यह नीला रंग का घटक एंटी–एजिंग, एंटी–आक्सीडेंट एवं सूजन को कम करने वाले गुणों से युक्त है। साथ ही यह कैंन्सर रोग की भी रोकथाम करने में सक्षम है। यह छोटे बच्चो में रोगप्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है, एवं दीर्घकालिक रोगो की चिकित्सा में स्पिरुलिना टैबलेट अनुपान के रुप में लाभदायक है।

प्रोडक्ट परिचय

स्पिरुलिना शरीर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक प्राकृतिक नीला रंजक घटक 'एंथोसायनिन' से परिपूर्ण है। जो कि हमारे नेत्रो को हानिकारक यू–वी किरणो से सुरक्षा प्रदान करता है। यह बढ़ती उम्र के साथ नेत्र में होने वाली विकृतियों की रोकथाम में भी सहायक औषधी योग है।

शरीर संवर्धनः स्पिरिलुना टैबलेट में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इस में कैलोरी अल्प प्रमाण में होने के कारण आसानी से पाचन होकर, शरीर का विकास होता है।

उर्जा का स्त्रोतः आसानी से पचने वाली स्पिरुलिना प्राकृतिक आहार पूरक है। इस में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन के साथ–साथ आसानी से पचने वाले पॉलीसेकराईड, ग्लायकोजन और रेमनॉज जैसे कार्बोहाईड्रेट घटक है।

रोग प्रतिकार शक्ति वर्धनः स्पिरुलिना के नियमित सेवन से रोग प्रतिकार शक्ति का संवर्धन होता है।

कोलेस्ट्रॉल रहितः कई क्लीनिकल अध्ययनो से ज्ञात हुआ है कि स्पिरुलिना शरीरगत हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को घटाने में सहायक है। अतः स्पिरुलिना का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

पचन संस्थानः स्पिरुलिना टैबलेट आँतों में मौजूद लेक्टोबेसिलस एवं बाईफाइडस जैसे लाभकारी जीवाणुओं का संरक्षण कर, पाचन संस्थान को सुचारु करने में सहायक है।

एंटी–ऑक्सीडेंट सुरक्षाः यह प्राकृतिक एंटी–ऑक्सीडेंट, विटामीन, मिनरल व रंजक द्रव्य जैसे कैरोटीन, क्लोरोफिल, फायकोसायनीन से परिपूर्ण होने के कारण बेहतर एंटी–ऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करती है।

स्लीमिंग और भारक्षयः स्पिरुलिना में मौजूद पोषक घटक प्राकृतिक रुप से भूख को कम कर स्थूलता के उपचार में लाभदायक है।

संयोजन

हर १०००मि.ग्रा स्पिरुलिना टैबलेट में निम्न घटक हैः स्पिरुलिना ५००मि.ग्रा; गुडुची १००मि.ग्रा; घृतकुमारी पत्र १००मि.ग्रा; आमलकी रसायन योग १००मि.ग्रा; अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• नेत्र सुरक्षाः १ टैबलेट दिन में २ बार • शरीर संवर्धनः १ टैबलेट दिन में २ बार भोजनोपरांत • ऊर्जा वृध्दिः १ टैबलेट प्रातः नाश्ते के साथ • पचन नियमनः १ टैबलेट भोजन से पहले • स्थूलता कम करने के लिएः १ टैबलेट दिन में २ बार भोजन से पहले।

मार्गदर्शन

• **स्वास्थ्यवर्धनः** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले
• **नेत्ररोगः** नयनसुख आय ड्रॉप्स के साथ ले
• **शरीर संवर्धनः** पंचतुलसी ड्रॉप्स के साथ ले
• **स्थूलता कम करने के लिएः** ऐलोवेरा जूस केसाथ ले • **पचनशक्ति बढ़ानाः** वीटग्रास टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ ले।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Spirulina
Atherospira plantensis

- स्वास्थ्य और शारीरिक विकास के रखरखाव में सहायक
- पाचन क्रिया को सामान्य करते हुए बल वर्धन में सहायक
- आँखों की देखभाल में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

स्पिरिलुना टैबलेट

अपनाइये शुद्धतम स्पिरिलुना टैबलेट; अत्यंत दुर्लभ एवं पोषक कैरोटिन्स से परिपूर्ण

डेल्टास स्पिरिलुना टैबलेट, सर्वोत्तम एवं शक्तिवर्धक औषधि है, इसमें उपस्थित फाइकोसायनिन (नीले रंजक तत्त्व), कोशिकाओं के क्षय को धीमा कर शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति का विकास करते है; नेत्र, त्वचा, केश व अन्य अंगो के लिए अत्यावश्यक विटामिन्स का पूरण करतें हैं।

वीटग्रास टैबलेट

हर्बल शक्तिवर्धक आहार; वनस्पतिजन्य खनिज एवं पोषक तत्त्वों से संपन्न

सभी को ज्ञात है की सेहत और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए फलों और सब्जियों का प्रतिदिन सेवन आवश्यक है। हालांकि कई लोगो के लिए यह उतना आसान नहीं है। भारतीय आहार मुख्यतः शाकाहारी होने के बावजूद, वास्तविकता में हमारे दैनिक भोजन में सब्जियों का प्रमाण सामान्य तौर पर अल्प होता है। उत्तर भारत में गेहूँ प्रधान आहार तथा दक्षिण भारत में चावल प्रधान आहार होता है; प्रोटिन के रुप में दाल का सेवन सभी स्थानों में सामान्य रुप से होता है। यद्यपि संतुलित आहार लेने के लिए आवश्यक हरी सब्जियाँ विरलेही प्रयोग की जाती है। तरकारी के नाम पर लोग अधिकतर शर्करा बाहुल्य आलू का प्रयोग करते है और यदि गल्ती से हरी सब्जी का इस्तेमाल किया जाए तो पाकविधी अनुचित होने के कारण, ज्यादातर पोषक तत्वो का नाश हो जाता है। फलस्वरुप आहार में आवश्यक पोषक घटक द्रव्यो की अल्पता हो जाती है और सम्यक आहार मिलना कठिन हो जाता है। अतः हमे एक ऐसे उपाय की आवश्यकता है जिससे हरी सब्जियों की कमी पूरी होकर शरीर की कमजोरी और थकान कम हो तथा उर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास हो।

उपाय

डेल्टास वीटग्रास टैबलेट प्राकृतिक रुप से क्लोरोफिल तथा दुर्लभ वीटामिन एवं खनिज लवण से परिपूर्ण होने के कारण हरी साग सब्जियों का प्राकृतिक विकल्प हो सकता है; हालांकि यह पूर्णरुप से हरी सब्जियों और फलो का सर्वांगिण पूरक नहीं होता है। उपयोग में सरलता होने के कारण सब्जियों और फलो की आंशिक कमी को पूरा करने के लिए डेल्टास वीटग्रास टैबलेट का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रोडक्ट परिचय

आमलकी रसायन के अनोखे मिश्रण के साथ डेल्टास वीटग्रास टैबलेट का निर्माण किया गया है; इसमें उपयुक्त आमलकी आयुर्वेदोक्त रसायन है, जो कि रोग प्रतिकार शक्ति को बढ़ाकर, शरीर को पोषण प्रदान करती है। आमलकी और वीटग्रास में उपलब्ध जड़ी बूटीयो के विशेष पोषक तत्व शरीर के व्याधिक्षमत्व को बढ़ाकर, शरीर का संवर्धन करते है। जड़ी बूटीयो के विशेष पोषक तत्व उष्मा की मात्रा बढ़ने पर नष्ट हो जाते है, परंतु डेल्टास की आधुनिक फार्मास्यूटिकल टेक्नोलॉजी द्वारा इन औषधीय तत्वो का चिरकालीन संरक्षण कर टैबलेट का यथावत निर्माण किया गया है। इन्ही कारणो से डेल्टास वीटग्रास टैबलेट प्रकृति के दुर्लभ पोषक तत्वो को संतुलित रुप में शरीर को प्रदान करती है। इन्ही दुर्लभ तत्वो में से आहार में दुर्लभ क्लोरोफिल का पूरण वीटग्रास टैबलेट द्वारा होता है। क्लोरोफिल हरे रंग का रंजक द्रव्य होता है जो यकृत का शोधन कर, रक्त को साफ रखने में सहायक होता है।

डेल्टास वीटग्रास टैबलेट में निम्नलिखित घटक पोषक द्रव्यो का समावेश है:

• क्लोरोफिल • फ्लेवोंनॉइड और फिनोलिक एसिड जैसे एंटी–ऑक्सीडेंट • लोहतत्व • मॅग्नेशियम और कैल्शियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट • अमिनो एसिड • विटामिन–ए, विटामिन–सी, विटामिन–इ और सेलेनियम वीटग्रास पर किए गए संशोधन में निम्नलिखित निरीक्षण पाए गए है: • शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन की पूर्ती • चयापचय का नियमन • शरीर में क्षारीयता बनाए • रक्तवर्धन, पौरुष को बढ़ाकर, शरीरगत हार्मोन का नियमन • कोशिकाओं की क्षति को कम करना • शरीर से हानिकारक भारी धातुओ का निर्सरण • यकृत की शुध्दि • रक्तशर्करा का नियमन।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा. वीटग्रास टैबलेट में निम्न घटक हैं: वीटग्रास ५००मि.ग्रा., गुडुचिघन १००मि.ग्रा., घृतकुमारी पत्र १००मि.ग्रा., आमलकी रसायन योग १००मि.ग्रा., अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• स्वास्थवर्धन: १ टैबलेट दिन में २ बार • संक्रमण में: १ टैबलेट दिन में २ बार एंटीबायोटिक के साथ ले • यकृत संवर्धन: १ टैबलेट दिन में २ बार • रक्तशर्करा नियमन: २ टैबलेट भोजन से पहले २ बार • गले की खर्राश व दर्द: १–२ टैबलेट दिन में २ बार ले • पचनशक्ति बढ़ाने के लिए: १ टैबलेट २ बार ले • शरीर में शोथ/सूजन हो तो: १ टैबलेट ३ बार ले • दृष्टीवर्धन के लिए: १ टैबलेट २ बार ले • नींद नियमित करने के लिए: २ टैबलेट सोने से पहले ले • शरीर की रोगप्रतिकार शक्ति बढ़ाने: १ टैबलेट २ बार ले।

मार्गदर्शन

• **स्वास्थ्यवर्धन:** पंचतुलसी लोज़ेन्जेस के साथ ले • **यकृत संवर्धन:** लिवकेयर टैबलेट के साथ ले • **रक्तशर्करा नियमन:** डायकेयर टैबलेट के साथ ले • **पचनशक्ति वर्धन:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **नेत्रज्योती बढ़ाने के लिए:** नयनसुख आय ड्रॉप्स के साथ ले।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Wheat Grass
Triticum sativum

- रक्त शर्करा स्तर और रक्त प्रवाह को नियमित करने में सहायक
- अपचन, गले में खराश एवं नेत्र विकार के लिए कार्यकारी आयुर्वेदिक योग
- रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए लीवर एवं शरीर की सफाई में सहायक

वीटग्रास टैबलेट

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

वनस्पतिजन्य क्लोरोफिल एवं अतिसूक्ष्म पोषक तत्त्वों के परिपूरण हेतु टॉनिक; थकान में तुरंत ताजगी दिलाये

वीटग्रास टैबलेट में उपलब्ध भरपूर क्लोरोफिल तत्त्व शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति के लिए सहायक हैं; त्वचा, केश एवं नखों के लिए रसायन है; पुराने रोग से होने वाली थकान में तथा खेल के लिए आवश्यक ऊर्जावर्धक पोषण, केश व अन्य अंगो के लिए अत्यावश्यक विटामिन्स का पूरण करतें हैं।

PLANT BASED AMINO ACIDS • PROVIDE TRANQUILLITY •

डी–स्ट्रेस कैप्सूल

तनाव विरोधी एवं न्यूरो–प्रोटेक्टिव गुणयुक्त शुद्ध ऑर्गेनिक जड़ी बूटियों का योग

जीवन में तनाव का होना स्वाभाविक है। अक्सर हम अपने आसपास या फिर स्वयं के जीवन में अत्याधिक तनाव महसूस करते है। हालांकि तनाव विषयात्मक होता है और भिन्न-भिन्न लोग इसे भिन्न-भिन्न तरह से महसूस करते हैं।

तनाव की प्रकृति शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है एवं हमारे जीवन में अधिकांश तनाव दैनिक कार्य के बोझ के साथ–साथ व्यस्त जीवनशैली को बनाए रखने के कारण निर्माण होता है। ऐसी स्थिति में हमारा शरीर हाइपोथैलमिक पिट्यूटरी एड्रेनल (एच.पी.ए.) अक्ष के द्वारा श्वसन, हृदय की धड़कन, चय-अपचय, रक्त दाब और हमारी मांसपेशियों में रक्त प्रवाह को बढ़ाकर तनाव को दूर करता है। परंतु एच.पी.ए. अक्ष के बार–बार और लंबे समय तक सक्रिय होने के कारण मोटापा, हृदय रोग और अवसाद आदि से घिरने का खतरा बढ़ जाता है एवं मानसिक तनाव के साथ–साथ शरीर की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया भी तेज हो जाती है।

इस तरह लंबे समय तक, शारीरिक एवं मानसिक तनाव का स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव होता है। इसलिए, एक ऐसे उपाय का होना ज़रूरी है जो हमारे शरीर को दिन–प्रतिदिन के तनाव एवं हानिकारक प्रभावों से सुरक्षा प्रदान करे। अतः शक्तिशाली एण्टी–ऑक्सीडेंट गुणों से युक्त दैनिक तनाव की क्षतिपूर्ति करने वाले एक प्राकृतिक संतुलित उपाय की आवश्यकता है।

समाधान

शुद्ध ऑर्गेनिक जड़ी बूटियों से बना डी–स्ट्रेस कैप्सूल एक पूर्णतः प्राकृतिक योग है। डी–स्ट्रेस कैप्सूल अपने उत्कृष्ट डी–स्ट्रेसिंग गुण द्वारा दैनिक मानसिक तनाव एवं चिंता से निजात दिलाकर, प्राकृतिक निद्रा उत्पन्न कर इष्टतम स्वास्थ्य एवं जीवनशैली सुनिश्चित करती है। साथ ही अपने एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा न्यूरोनल एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करने मे सहायक है।

उत्पाद

डी–स्ट्रेस कैप्सूल शुद्ध जैविक जड़ी–बूटियों से निर्मित योग हैं। तगर, ब्राह्मी और शंखपुष्पी से प्राप्त फ्लेवोनोइड बेचैनी तथा तनाव को कम करने वाले गुणो से युक्त है। ये तनावपूर्ण स्थितियों में मस्तिष्क की प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने में सहायक है। साथ ही तनाव से उत्पन्न फ्री रेडिकल्स से हुई शारीरिक क्षति की क्षतिपूर्ति करते है। अश्वगंधा एच.पी.ए. अक्ष के संतुलन को पुर्नस्थापित करता है जिससे अनिद्रा एवं संपूर्ण शारीरिक तंत्र पर संतुलनकारी प्रभाव उत्पन्न होता है। जटामांसी और ज्योतिष्मति स्नायु रक्षक और तनाव नाशक गुणों के साथ मानसिक थकान को दूर करने में सहायता करते है। वनस्पतिक फ्लैवेनॉयड्स से निर्मित डी–स्ट्रेस कैप्सूल पूर्ण रूप से प्राकृतिक योग है और रोज़ाना सेवन करने के बाद भी व्यसनकारी प्रभाव उत्पन्न नहीं करती।

संघटन

प्रत्येक ५५०मि.ग्रा. डी–स्ट्रेस कैप्सूल में निम्नलिखित तत्व होते हैं: अश्वगंधा जड़ ८०मि.ग्रा., तगर जड़ ७०मि.ग्रा., ब्राह्मी (बकोपा मोनेरी) पौधा ७०मि.ग्रा., जटामांसी प्रकंद ७०मि.ग्रा., ज्योतिष्मति बीज ७०मि.ग्रा., शंखपुष्पी पौधा ७०मि.ग्रा., खस ३५मि.ग्रा., पिप्पली मूल जड़ ३५मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

सोते समय १ कैप्सूल निम्न स्थितियों में नियमित उपयोग करें • चिंता • अनिद्रा • मानसिक थकान • तनाव • टाइप A व्यक्तित्व/क्रोध नियंत्रण • स्पर्धाओं/ परीक्षा के दौरान।

निर्देश

• **चिंता/तनाव:** डी–स्ट्रेस कैप्सूल को एक्टिव मेन/लेडी कैप्सूल के साथ लें
• **अनिद्रा:** डी–स्ट्रेस कैप्सूल को नोनी जूस के साथ लें • **मानसिक थकान:** डी–स्ट्रेस कैप्सूल को आमला जूस के साथ लें
• **टाइप A व्यक्तित्व/क्रोध नियंत्रण:** डी–स्ट्रेस कैप्सूल को लिवकेयर टैबलेट एवं एक्टिव मेन/लेडी कैप्सूल के साथ लें
• **परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं के दौरान:** डी–स्ट्रेस कैप्सूल को नोनी जूस के साथ लें।

Presentation: 1X30 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Tagar
Valeriana wallichi

Ashwagandha
Withania somnifera

- निद्रा की अनियमितता को दूर करने के लिए जैविक जड़ी बूटियों युक्त आयुर्वेदिक योग
- परीक्षा और प्रतिस्पर्धाओं के दौरान क्रोध, मानसिक तनाव एवं घबराहट दूर करने में सहायक
- सामान्य जनों में बढ़ते मानसिक तनाव को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

डी–स्ट्रेस कैप्सूल

शांत और तनावरहित जीवनशैली हेतु आयुर्वेदिक योग।

डी–स्ट्रेस कैप्सूल दुर्लभ वनस्पति आधारित अमीनो एसिड और फ्लेवोनोइड का अनूठा मिश्रण है। फ्री रेडिकल्स से क्षतिपूर्ति कर, न्यूरॉनल मस्तिष्क की कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी करे एवं मस्तिष्क कार्य प्रणाली को सुचारु करने में सहायक। रोज़ाना होने वाले अतिरिक्त तनाव से शरीर को सुरक्षा प्रदान करे।

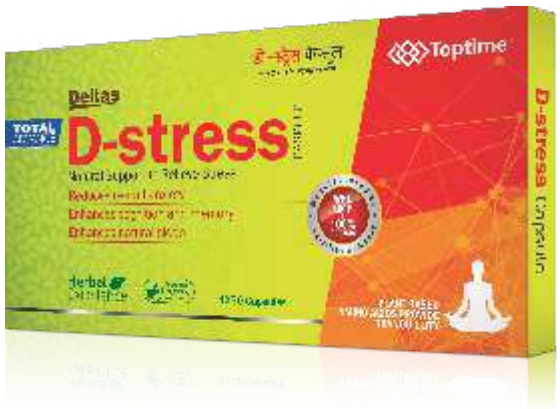

एन्टासिड टैबलेट

पुरानी एसिडिटी एवं सीने की जलन से राहत के लिए गुणकारी योग

सामान्यतः अम्ल पित्त की समस्या में सीने में जलन के साथ साथ अन्य लक्षण पाये जाते है। अधिकांश लोग यही मानते है कि सीने की जलन का कारण ज्यादा समय तक खाली पेट रहना या अम्ल पदार्थ सेवन करना होता है। साथ ही अधिकतर लोग सीने की जलन के निवारण के लिए टी वी पर बताए जाने वाले विज्ञापन से भ्रमित हो जाते है कि मात्र ६ सेकंड में कुछ प्रोडक्ट्स के उपयोग से सीने की जलन से राहत पाई जा सकती है।

अम्लपित्त के लक्षणों को अनदेखा करने पर लाखो लोगो में यह गंभीर बिमारी का रुप ले लेता है। अम्लीय पदार्थ के सेवन या ज्यादा समय तक भूखा रहने के अलावा, अम्लपित्त में होने वाली जलन के अन्य कारण निम्नलिखित है • धूम्रपान अथवा अत्याधिक चाय/कॉफी का सेवन • अम्लता निर्माण करने वाली विशिष्ट दवाइयो का सेवन • मोटापा • मद्यपान • अधिक भोजन/भोजन पश्चात लेटना • मसालेदार भोजन सेवन • पेट में अत्याधिक अम्ल स्त्राव • कुछ खाद्य पदार्थ की ॲलर्जी।

अम्लपित्त में सीने में होने वाली जलन को यदि नजरअंदाज किया गया तो आगे चलकर यह GERD नामक बिमारी का रुप धारण कर सकती है। टेलीविजन पर विज्ञापनो में दिखाए जाने वाले प्रॉडक्ट्स को नियमित इस्तेमाल करने का आदी हो जाता है। ऐसे में एक उपाय की आवश्यकता है जो अम्लपित्त में तुरंत लाभ देते हुए, अम्लपित्त से होने वाले उपद्रवो से भी निजात दिलाए।

उपाय

डेल्टास एन्टासिड टैबलेट अम्लपित्त में होने वाली जलन के लिए शामक और प्राकृतिक औषधि है जिससे सीने में जलन, खट्टी डकार, जी मचलना और पेट की अनियमित वायु इत्यादि लक्षणो का निराकरण हो जाता है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास एन्टासिड टैबलेट प्राकृतिक जड़ी बूटीयों का ऐसा मिश्रण है जो कि पेट के आंतरिक स्नायुओं का समन्वय बनाता है और पेट के अंदर की अम्लता के कारण उत्पन्न होने वाले व्रण को भी भरता है। इसमें उपलब्ध मुलैठी विशेष रुप से व्रण रोपक है और अपने विशेष प्रभाव से सूजन को कम करती है। मुलेठी प्राकृतिक रुप से डीग्लायसिरायजिनेटेड लीकोराइस से परिपूर्ण होने से व्रणरोपण कर, सूजन को तुरंत कम करती है; इसमे उपलब्ध औषधीय गुणधर्म से सूक्ष्म रोगाणु का नाश होने से पेट की मरोड़ कम होती है। अपने प्राकृतिक गुणो से आमला पेप्सीन घटक को कम कर, ग्रहणी और जठर की अम्लता को नियमित करता है। अनेक अनुसंधानो में यह निरिक्षण किया गया है कि आमला जठर के क्लेद बनाने वाली कोशिकाओं का संरक्षण करते हुए, म्यूसीन घटक को बढ़ा कर क्लेद का नियमन करती है और इसी कारण पेट में होने वाले अल्सर को कम करने में सहायक होती है। आमला फ्री रेडिकल्स को नियमित कर, जठर की क्लेद बनाने वाली कोशिकाओं की क्षति की रोकथाम करता है। शंख भस्म, कपर्दिक भस्म और श्वेत पर्पटी अम्लीयता को कम कर पाचन क्रिया को नियमित करते है। साथ ही अम्लपित्त, दाह, पेट की सूजन तथा ग्रहणी की चिकित्सा में सहायक है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा एन्टासिड टैबलेट में निम्न घटक हैं: निशोथ (जड) १८०मि.ग्रा, मुलेठी (कंद) १५०मि.ग्रा, आमलकी (फल) १००मि.ग्रा, सज्जीक्षार (खार) १५०मि.ग्रा, मुक्ताशुक्ति पिष्टी १००मि.ग्रा, लौंग (फल) २०मि.ग्रा, दालचिनी (छाल) २०मि.ग्रा, ईलायची (बीज) ५मि.ग्रा, अन्य परिरक्षण द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• सीने की जलनः १ टैबलेट भोजनापरांत दिन में २ बार • छर्दी/उल्टी होनाः २ टैबलेट भोजन से पहले दिन में १ बार ले • पेट फूलनाः १ टैबलेट दिन में २ बार ले • खट्टी डकारेः १–२ टैबलेट दिन में १ बार ले • पचनशक्ति बढ़ाने के लिएः १ टैबलेट भोजन से पहले दिन में १ बार ले।

मार्गदर्शन

• **छर्दी/उल्टीयाँः** लिवकेयर सिरप के साथ लें • **पेट फूलनाः** लिवकेयर टैबलेट के साथ लें • **पचनशक्ति वृध्दीः** एलोवेरा जूस के साथ लें • **भूख मरना/अपचनः** लिवकेयर टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ लें।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Mulethi
Glycyrrhiza glabra

Nishoth
Operculina turpethum

- आँतों की सूजन, पेट की गड़बड़ी, खट्टी डकारें एवं पाचन शक्ति सुधारने में सहायक
- बढ़ी हुई अम्लियता के कारण होने वाली सीने की जलन एवं सिरदर्द से राहत में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एन्टासिड टैबलेट

हाइपर एसिडिटी में होने वाली जलन एवं जख्म से शीघ्र राहत का अनुभव प्राप्त करें

डेल्टास एन्टासिड टैबलेट अम्लता (एसिडिटी) को बेअसर कर, एसिडिटी से होने वाले सिरदर्द को घटाए, कोशिकाओं की क्षति की भरपाई करे; पाचन क्रिया बढ़ाकर सीने में होने वाली जलन को कम करे।

NON ALCOHOLIC & NON SEDATIVE • FAST ACTING •

कफकेयर सिरप

सर्दी एवं खाँसी के लिए आयुर्वेदिक अनुभूत योग

खांसी (कास) बहुत ही आम स्वास्थ्य समस्या है। हल्के बुखार व सर्दी से लेकर तीव्र बिमारीयां जैसे ब्रोंकाइटिस व न्यूमोनिया इत्यादि खांसी को उत्पन्न करते है। सामान्यतः खांसी कुछ दिनो अथवा सप्ताह के कार्यकाल के भीतर ठीक हो जाती है। परंतु पुरानी/जीर्ण खांसी ८ सप्ताह से अधिक अथवा कभी कभी कई महिनो और कई वर्षो तक भी बनी रहती है। ऐसी अवस्था में यह व्याधि जीवनशैली की गुणवत्ता को निम्न स्तर पर ले जाती है। खांसी के कारण शारीरिक थकान, नींद में बाधा एवं एकाग्रता की कमी होकर, दैनिक कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। साथ ही कई अन्य लक्षण कमजोरी, चक्कर आना इत्यादि उत्पन्न होते है। ऐसी स्थिति में खांसी के संक्रमण के भय स्वरुप पारस्परिक सामाजिक मेल जोल पर भी प्रभाव पड़ता है। खांसी को अनदेखा करने पर सामान्य वैद्यकीय चिकित्सा प्रभावहीन हो जाती है एवं फेफड़ो के स्वास्थ्य पर दुष्परिणाम होने से गंभीर व्याधियाँ उत्पन्न हो सकती है। फलस्वरुप खांसी को अनदेखा करने पर खांसी की चिकित्सा काफी महंगी हो जाती है। अतः एक ऐसे उपाय की आवश्यकता है जो प्रत्येक आयु वर्ग के व्यक्तियो में खांसी के शरीरगत लक्षणो को कम कर, प्राकृतिक रुप से खांसी से निजात दिलाए।

उपाय

डेल्टास कफकेयर सिरप श्वसन प्रणाली की प्रतिरक्षा के लिए उपयुक्त जड़ी बूटियो से बना आयुर्वेदिक योग है। यह पुरानी खांसी के लक्षणो के साथ–साथ, संक्रमण पर कार्य कर खांसी से सुरक्षा प्रदान करने में सहायक है।

प्रोडक्ट परिचय

कफकेयर सिरप श्वसन प्रणाली की रोगप्रतिरक्षा करने वाली जड़ी बूटियो से बना प्राकृतिक योग है। इसके घटक काकड़शिंगी तथा सुंठी शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने के साथ–साथ शोथ शमन (सूजन को कम) करने में भी सहायक है। मुलैठी, बहेड़ा तथा अडुलसा खांसी का शमन कर गले के दर्द एवं जलन को कम करने में सहायक है। मुलैठी में उपस्थित ग्लायसीरिजिन नामक तत्व प्रचुर मात्रा में होने के कारण, फुफ्फुस का संरक्षण करते हुए श्वसन प्रणाली के स्त्राव का नियंत्रण करती है। बहेड़ा और अजवाइन में प्राकृतिक फ्लेवोनॉइड की प्रचुर मात्रा होने के कारण प्राकृतिक रुप से रोगाणु प्रतिबंधन शक्ति बढ़ाकर, श्वसन प्रणाली को सुरक्षा प्रदान करते है। उपरोक्त फ्लेवोनॉइड रक्तसंचरण का नियमन कर, श्वसन प्रणाली की कार्यकारिता को सुचारु करते है।

इस तरह कफकेयर सिरप अपने म्यूकोलाइटिक व एक्सपेक्टोरेंट गुण द्वारा श्वसन मार्ग के क्लेद (स्त्राव/म्यूकस) को शरीर से बाहर निष्कासित कर, श्वसन की क्रिया को सुलभ बनाता है। साथ ही अधिकतर घटक द्रव्य रोगाणु विरोधी, एलर्जी विरोधी तथा रोग प्रतिरोधक गुण युक्त होने के कारण खांसी में शामक प्रभाव देते है। कफकेयर सिरप मद्य (Alcohol) से रहित पूर्णतः प्राकृतिक योग होने के कारण इससे निद्रा उत्पन्न होने का दुष्परिणाम नहीं होता। अतः कफकेयर सिरप लेकर ड्रायविंग या अन्य कार्य किये जा सकते हैं। धूम्रपान से उत्पन्न सूखी खांसी में कफकेयर विशेष रुप से लाभदायी है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. कफकेयर सिरप में निम्नलिखित घटक हैः काकडशिंगी (श्रृंग) ५५मि.ग्रा; सोंठ ३०मि.ग्रा; नागरमोथा (कंद) ५०मि.ग्रा; मुलैठी (मूल) ६०मि.ग्रा; बहेड़ा (फल) १००मि.ग्रा; अडुलसा (पत्र) ६०मि.ग्रा; तालिस (पत्र) ३०मि.ग्रा; कायफल (छाल) १५मि.ग्रा; पिप्पली (फल) १०मि.ग्रा; अजवाईन १०मि.ग्रा; कर्पूर २मि.ग्रा; अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• साधारण खांसीः १०–२०मि.लि. २ बार दैनिक • धुम्रपानजन्य खांसीः ३०मि.लि. ३ बार दैनिक • गले की खराशः १०मि.लि. २ बार दैनिक • धूँए/प्रदुषण से होनेवाली खांसीः १०मि.लि. २ बार दैनिक • गले में दर्द/आवाज बैठनाः १०मि.लि. २ बार दैनिक • श्वसनसंस्था के स्वास्थ्य के लिएः १०मि.लि. २ बार दैनिक

मार्गदर्शन

• **साधारण खांसीः** पंचतुलसी लोज़ेन्जेस के साथ ले • **धुम्रपानजन्य खांसीः** पंचतुलसी लोज़ेन्जेस और वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **गले की खराश व दर्द के लिएः** पंचतुलसी लोज़ेन्जेस के साथ ले • **बार बार ॲलर्जी/गले में तकलीफः** पंचतुलसी ड्रॉप्स और नयनसुख आय ड्रॉप्स के साथ ले।

Presentation: 100ml

KEY INGREDIENT(S)

Baheda
Terminalia bellerica

Sonth
Zingiber officinale

- गले में खराश, सूखी खांसी एवं धूम्रपान से होने वाली खांसी से राहत दिलाने में सहायक
- श्वसन क्रिया के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक
- संगीत कलाकार के स्वर यंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

कफकेयर सिरप

खाँसी में होने वाले कफ निस्सरण के लिए, जीवाणुप्रतिरोधी आयुर्वेदिक योग, वायरल खाँसी में गुणकारी औषधि

परिवार के सभी सदस्यों के लिए खाँसी की रोकथाम के लिए गुणकारी जड़ी–बूटीयों का अनुभूत योग; गले की खराश और सूजन से राहत देकर, कठिन कफ को बाहर निकलने में सहायक।

SOOTHING FROM EYE IRRITATION • REDUCES EYE REDNESS •

नयनसुख आय ड्रॉप्स

नेत्रों की दैनिक सुरक्षा के लिए निर्मित पॉली हर्बल आय ड्रॉप्स।

नेत्र शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अवयव है। सांसारिक कार्यो को संपूर्णतः सम्पन्न करने के लिए नेत्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण इंद्रिय है। अतः नेत्रो का योग्य पोषण और रक्षण अत्यंत आवश्यक प्रक्रिया है। हम सभी को ज्ञात है कि बढ़ती उम्र के साथ आंखो की रोशनी भी कमजोर होने लगती है। यद्यपि आज के आधुनिक युग में रोजमर्रा के जीवन में टी.वी. कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन इत्यादि इलेक्ट्रोनिक उपकरणो से निकलने वाली हानिकारक ब्लूलाईट तथा प्रदूषित वायु के सम्पर्क में आने के फलस्वरुप कम उम्र में ही हमारी आंखे क्षतिग्रस्त हो जाती है।

ब्लूलाईट और नेत्र स्वास्थ्यः

आज अधिकाधिक लोग आधुनिक जीवनशैली के कारण नेत्र से संबंधित विकृतियो से ग्रस्त है। आज हमारी जीवनशैली में टेक्नोलजी एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरण जैसे कम्प्यूटर, मोबाइल, टॅब इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन यह टेक्नोलजी हमारी दैनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ साथ हमारी आंखो के स्वास्थ्य को क्षति भी पहुचा रही है। इन आधुनिक इलेक्ट्रोनिक उपकरणो से निकलने वाली हानिकारक ब्लूलाईट हमारे शरीर की प्राकृतिक सर्केडीयन लय को बाधित करती है। साथ ही इन डीजीटल उपकरणो को उपयोग के दौरान आंखो के अत्याधिक निकट रखने के फलस्वरुप आंखो में थकान, नेत्रदाह तथा आंखो की रोशनी को क्षति पहुचाती है। आंखो में सुखापन, सरदर्द तथा लालिमा इत्यादि लक्षण डीजीटल उपकरणो का उपयोग करने वाले करीब–करीब ७०% लोगों में पाया जाता है।

दूषित वायु व नेत्र स्वास्थ्यः

वायुप्रदूषण के मानव शरीर पर होने वाले दुष्प्रभाव तो सभी को भलीभांती ज्ञात है। यह दूषित वायु आंखो की रोशनी को क्षति पहुचाती है।

पेरिस में २००३ में किए गए एक अध्ययन में शहरी वायु प्रदूषण एवं आंखो की विपदाओं के बीच घनिष्ठ संबंध पाया गया है। विश्व के अधिकाधिक प्रदुषित क्षेत्र जैसे बीजिंग, चीन व भारत में रहने वाले लोगो के नेत्र का स्वास्थ्य प्रदुषित वायु के कारण सतत खतरे में रहता है।

उपाय

आज के आधुनिक युग में इलेक्ट्रोनिक उपकरण जैसे कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन इत्यादि से उत्सर्जित होने वाले निली विकिरणो (ब्लूलाईट) से व्यवहारिक रुप से बच पाना चुनौतीपूर्ण है। साथ ही बढ़ते शहरीकरण के साथ वायुप्रदूषण में भी अत्याधिक वृध्दि हुई है। ऐसे में आंखो की सुरक्षा के लिए ऐसे प्राकृतिक योग की आवश्यकता है जो घर के भीतर (ब्लूलाईट) तथा घर के बाहर (वायुप्रदूषण) आंखो को होने वाले क्षति से सुरक्षा प्रदान करे। ऐसा ही एक प्राकृतिक उपाय आपके लिए नयन सुख आय ड्रॉप के रुप में उपलब्ध है।

प्रोडक्ट परिचय

नयनसुख आय ड्रॉप प्राकृतिक जड़ी बूटीयो से बना आयुर्वेदिक योग है। जो ब्लूलाईट के हानिकारक विकिरण तथा वायु प्रदूषण से आंखो को सुरक्षा प्रदान करता है। इसमें उपस्थित गुलाब पत्र का अर्क अपने शीतल गुण द्वारा आंखो को दैनिक तनाव तथा जलन से राहत प्रदान करता है। पुनर्नवा, तुलसी, भृंगराज एवं चक्षुष्य जैसे घटक अपने एंटी–आक्सीडेंट गुण द्वारा आंखो की सूजन को कम कर नेत्र कला तथा कोशिकाओ के स्वास्थ्य का वर्धन करते है। टंकण दर्दनाशक एवं जीवाणुविरोधी प्रभावयुक्त है। साथ ही कर्पूर और पोटेशियम एल्यूमिनियम सल्फेट आंखो को आर्द्रता तथा शीतलता प्रदान करते है। नयन सुख आय ड्रॉप का इस्तेमाल करने से तुरंत नेत्रदाह कम होकर, नेत्रो का तनाव क्षणों में कम हो जाता है तथा नेत्र स्राव बढ़ जाने से नेत्रों में उपस्थित दूषित द्रव्यों का परिमार्जन हो जाता है। नयनसुख ड्रॉप का नियमित प्रयोग नेत्रों को शीतल, तनावरहित एवं स्वच्छ बनाए रखता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. नयनसुख आय ड्रॉप में: गुलाब (पत्र) रस ४००मि.ग्रा., ऐलोवेरा (पत्र) रस ५०मि.ग्रा., दारुहल्दी (जड़) १५०मि.ग्रा., भृंगराज (पंचांग) २००मि.ग्रा., तुलसी (पत्र) २००मि.ग्रा., पुनर्नवा (मूल) २००मि.ग्रा., नीम (पत्र) १००मि.ग्रा., चक्षुष्य (बीज) २००मि.ग्रा., टंकण (पाउडर) ३०मि.ग्रा., कर्पूर १५मि.ग्रा. फिटकरी १५मि.ग्रा., अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• स्वस्थ आँखों के लिए: १–२ बुँदें आँखों में दिन में दो बार डाले • शुष्कता और जलन: १–२ बुँदें आँखों में दिन में ३–४ बार डाले • कंप्युटर के या मोबाइल उपयोग के बाद: १ बुँद आँखों में डाले।

मार्गदर्शन

• **स्वस्थ आँखों के लिए:** नयनसुख आय ड्रॉप्स का उपयोग करे • **आँखों में जलन/कफ व सर्दी में:** नयनसुख औंर पंचतुलसी लोज़ेन्जेस का उपयोग करे।

Presentation: 10ml

KEY INGREDIENT(S)

Gulab
Rosa centifolia

- आँखों की जलन, थकान में आराम दिलाने एवं आँखों का स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक
- आँखों को बाहरी संक्रमण से बचाए रखने के लिए प्राकृतिक आयुर्वेदिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

नयनसुख आय ड्रॉप्स

नेत्र दाह तथा तनावग्रस्त नेत्रों को तुरन्त राहत दे

नयनसुख आय ड्रॉप्स नियमित प्रयोग करने से हानिकारक नीली किरणों (जो एल. ई. डी., स्मार्ट फोन आदि आधुनिक गैजेट से निकलती है) के आघात से बचाव पाएं; कॉरनियल कन्जेशन तथा शुष्क नेत्र में प्राकृतिक आराम पाएं।

NATURAL AID FOR VISION PIGMENTS • REDUCES EYE STRAIN •

विज़नएड कैप्सूल

नेत्र स्वास्थ्य के संरक्षण हेतु दुर्लभ पोषण

नेत्र हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अवयव है। आज के आधुनिक युग में टी.वी., कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन इत्यादि उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट से सम्पर्क में आने के कारण कम उम्र में हमारी आंखे क्षतिग्रस्त हो जाती है। यह ब्लू लाइट हमारी शरीर की प्राकृतिक सर्केडियन लय को बाधित करती है। साथ ही इन डीजीटल उपकरणो को उपयोग के दौरान आखों के अत्याधिक निकट रखने के कारण आंखो में थकान, नेत्रदाह एवं आंखो की रोशनी कम होने लगती है। यद्यपि ऐसा माना जाता है कि नेत्र की रोशनी आयु बढ़ने के साथ कमजोर होती जाती है।

हालांकि, हानिकारक ब्लू लाइट के कारण हुई क्षति की भरपाई करने के लिए, व्यक्ति को 'रंग–बिरंगी' सब्जियों का सेवन करना चाहिए। इन वर्णकों को विविध प्रकार के कैरोटोनोयड्स कहा जाता है। परंतु कई लोग दैनिक रंग–बिरंगी सब्जियों का सेवन नहीं कर पाते। इसलिए प्राकृतिक कैरोटोनोयड्स और फाइटोन्युट्रिएंट्स प्रदान करने वाले एक दैनिक पूरक का होना अत्यंत आवश्यक है।

समाधान

डेल्टास विज़नएड कैप्सूल एक वैज्ञानिक सूत्र है जिसमें दुर्लभ पौधों से प्राप्त कैरोटोनोयड्स के गुण हैं। यह आधुनिक युग में उपयोग किए जाने वाले डिजिटल उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट के कारण आंखों को हुए क्षति की क्षतिपूर्ति हेतु आवश्यक है। ये दृष्टि को तनाव मुक्त बनाने और आंखों के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए बेहद अनिवार्य पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

उत्पाद

डेल्टास विज़नएड कैप्सूल शक्तिशाली एंटी–ऑक्सीडेंट जड़ी–बूटियों का एक अनोखा मिश्रण है जो वनस्पति आधारित विटामिन ए अथवा आँखों के लिए ज़रुरी विटामिन प्रदान करते है जो कि बेहतर दृष्टि और सर्वोत्तम नेत्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। पौधों से प्राप्त फ्लेवोनोयडस् आंख को नमी प्रदान करने में सहायता करते हैं और मोतियाबिंद और ग्लूकोमा जैसी नेत्र समस्याओं से आंखों की रक्षा करते हैं। संतरे, गाजर और पालक से प्राप्त कैरोटीनॉयडस् जैसे झियाझॅन्थिन और ल्युटिन, नेत्र मांसपेशियों के नष्ट होने के खतरे को कम करते है। ये मानव रेटिना के पीले भाग में पाये जाने वाले मुख्य पिगमेंट का निर्माण करते है जो ब्लू लाइट के कारण मैक्युला को किसी प्रकार का नुकसान पहुँचने से रक्षा करता है और हानिकारक मुक्त कणों को कम करता है। यशद भस्म को इम्यूनोमॉड्यूलेटर कहा जाता है जो कि आंखों की ऑटोइम्यून रोगों से रक्षा करता है। आमला का प्राचीन काल से आयु बढ़ाने के रसायन के रूप में प्रयोग होता रहा है और यह आंखों के रसायन के रूप में कार्य करता है।

यह योग आंखों की ब्लू लाइट से रक्षा करता है, सूजन व लालिमा कम करती है, मृत कोशिकाओं को दूर कर सर्वोत्तम नेत्र स्वास्थ्य सुनिश्चित करती है।

संघटन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा. विज़नएड कैप्सूल में निम्न सामग्री शामिल हैः आमला फल १००मि.ग्रा., ज्योतिष्मती बीज ५०मि.ग्रा., संतरा सूखा फल ५०मि.ग्रा., गाजर जड़ ५०मि.ग्रा., पालक पत्तियाँ ५०मि.ग्रा., मटरे बीज ५०मि.ग्रा., यशद भस्म २०मि.ग्रा., (अन्य घटकः यथावश्यक)

उपयोग

२ कैप्सूल प्रतिदिन पहले दो महीने तक इसके बाद १ कैप्सूल प्रतिदिन भोजन के बाद या चिकित्सक के परामर्श से प्रयोग करें।

निर्देश

• **सामान्य नेत्र स्वास्थ्य के लिएः** डेल्टास विज़नएड कैप्सूल को नयनसुख आय ड्रॉप और व्हीटग्रास टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **नया चश्मा लगने वाले व्यक्तियों के लिएः** डेल्टास विज़नएड कैप्सूल को नयनसुख आय ड्रॉप और स्पिरुलिना टैबलेट के साथ प्रयोग करें • **सूखी आंखों और पलकों में अक्सर खुजली के लिएः** डेल्टास विज़नएड कैप्सूल को नयनसुख आय ड्रॉप के साथ प्रयोग करें • **कंप्यूटर पर घंटों तक काम करने और देर तक पढ़ने के बादः** डेल्टास विज़नएड कैप्सूल को नयनसुख आय ड्रॉप के साथ प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Aamla
Emblica officinalis

Orange
Citrus reticulata

- दृष्टि विकार वालों के तनाव को कम करने एवं आँखों का स्वास्थ्य में सहायक
- सूखी आँखों में नमी बनाए रखने और पलकों में होने वाली लगातार जलन को कम करने में सहायक
- लगातार कंप्यूटर पर काम करने एवं ज़्यादा लंबे सत्र तक पढ़ने के कारण आँखों में होने वाली थकान को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

विज़नएड कैप्सूल

हानिकारक नीली किरणों से नेत्रों की दैनिक सुरक्षा के लिए दुर्लभ फायटोन्यूट्रिएंट्स का योग

विज़नएड कैप्सूल, दुर्लभ वनस्पति आधारीत रंजक द्रव्य जैसे झियाझॅन्थिन, ल्यूटिन, फ़ायकोसायनिन से परिपूर्ण; प्रकाश के उपकरणों से निकलने वाली नीली किरणों से क्षतिपूर्ति करे, तनाव मुक्त दृष्टि और योग्य नेत्र स्वास्थ्य प्रदान करे।

HERBS WITH LITHOTRIPTIC ACTION • PREVENTS RECURRENCE •

स्टोनकेयर–एसएफ सस्पेंशन

अश्मरी के लक्षणों से राहत दिलाने वाला शर्करारहित आयुर्वेदिक योग

किडनी के कैलकुलस को पथरी के नाम से भी जाना जाता है, और आज इससे विश्व की लगभग १०% जनसंख्या प्रभावित है। यह ३० से ४० वर्ष आयु के पुरुषों में बहुत सामान्य है। कमर में दर्द, बार–बार पेशाब लगना, बेचैनी, उल्टी और अधिक पसीना इत्यादि पथरी के लक्षण है।

कई बार पथरी के कारण मूत्राशय में मूत्र का अवरोध होकर, जीवाणुओं का संक्रमण हो जाता है। जिससे बाद में पेशाब करते समय जलन और दर्द होता है। यह पेशाब के पीएच को प्रभावित कर असहनीय दर्द और असुविधा उत्पन्न करता है।

मधुमेह के मरीजों में पथरी बहुत सामान्य रोग है, अधिकांश समय मधुमेही रोगीयों में उच्च शर्करा के कारण सिरप के रुप में औषधी नहीं दी जाती। अतः एक एसे शर्करा रहित योग की आवश्यकता है जो पथरी पर आवश्यक उपचार प्रदान करने के साथ–साथ मधुमेह से पीड़ित रोगीयों के लिए सुरक्षित समाधान सिद्ध हो।

समाधान

स्टोनकेयर–एसएफ सिरप एक शर्करा रहित संघटन है जो मूत्र निस्सरण के समय होने वाली जलन के साथ–साथ यू.टी.आइ. (मूत्रमार्ग के संक्रमण) के लक्षणो से भी राहत दिलाता है। यह योग शरीर में पथरी के क्रिस्टल बनने की प्रक्रिया की रोकथाम करता है। साथ ही कई बार मूत्र की मात्रा बढ़ाकर, पथरी के क्रिस्टल को शरीर से बाहर निकालने में सहायक है।

उत्पाद

स्टोनकेयर–एसएफ में शामिल जड़ी–बूटियाँ अपने एंटी– लिथैटिक (पथरी का बनना रोकते) और लिथोट्रिप्टिक (पथरी को घुलाकर खत्म कर देने वाले) गुणों से भरपूर है। पाषाण भेद और वरुण जैसी जड़ी–बूटियों को मूत्र में पथरी के क्रिस्टल निर्माण करने वाले रसायनों जैसे ऑक्ज़ेलिक एसिड और कैल्शियम हाइड्रोक्सीप्रोलीन के एकत्र होने से रोकने के लिए जाना जाता है। अतः यह किडनी में क्रिस्टल बनने से रोकती है।

मुलिकक्षार, कुलथी जैसी जड़ी–बूटियाँ लिथोट्रिप्टिक गुणो के कारण, क्रिस्टलों को आपस में जोड़ने वाले म्युसिन को घुला देती है। इसके अलावा, गोक्षुर और पाषाण भेद छोटे क्रिस्टल का मूल से निस्सारण करने का कार्य करते है। इसके साथ ही यह संयोजन मूत्र पी.एच.स्तर को सामान्य करता है और पेशाब के दौरान होने वाली जलन से राहत देता है। इसके एंटीमाइक्रोबियल गुण रोगाणुओं से लड़ने में मदद करते है। अपनी शर्करा रहित प्रकृति के कारण यह मधुमेह रोगियों के लिए उपयोग की जा सकती है।

संघटन

प्रत्येक १०मिलीलीटर स्टोनकेयर–एसएफ सस्पेंशन में शामिल हैं: कुलथी बीज ५०मि.ग्रा., वरुण छाल ५०मि.ग्रा., अगस्त्य पत्ती ५०मि.ग्रा., मुलिक्षार क्षार ५०मि.ग्रा., गोक्षुर फल ५०मि.ग्रा., पाषाण भेद जड़ ५०मि.ग्रा., शिग्रु पत्तियाँ ५०मि.ग्रा., टिनिशा/बनाबा पत्तियाँ ५०मि.ग्रा., असमबहेड़ा बीज ५०मि.ग्रा., अपामार्ग सूखा पौधा ५०मि.ग्रा., गोरखमुंडी की सूखा पौधा ५०मि.ग्रा., सुध शिलाजीत सूखा पीब ३०मि.ग्रा., पुनर्नवा सूखी जड़ ३० मि.ग्रा., छारिला पंचांग ३०मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• पेशाब में जलन के लिए: दिन में ३ बार १०–२०मि.ली. लें • कम पेशाब होने के स्थिति में: दिन में २ बार ३०मि.ली. लें • कैलकुलस से राहत के लिए: दिन में ३ बार ३०मि.ली. लें • पेशाब कम होने पर: दिन में २ बार २०मि.ली. लें • पथरी की पुनर्वृत्ति रोकने के लिए: दिन में ३ बार 10मि.ली. लें • मूत्र मार्ग में संक्रमण के लिए: एंटीबायोटिक्स के साथ दिन में २ बार २०मि.ली. लें।

निर्देश

• **पेशाब में जलन के लिए:** स्टोनकेयर–एसएफ के साथ एलोवेरा/आमला जूस का प्रयोग करें • **पेशाब कम होने पर:** स्टोनकेयर–एसएफ के साथ डायकेयर रस का प्रयोग करें • **कम पानी पिने वाले लोगों के लिए:** स्टोनकेयर–एसएफ के साथ एलोवेरा जूस लें • **महिलाओं में यूटीआई:** स्टोनकेयर–एसएफ के साथ वी–हायजीन वॉश का प्रयोग करें।

Presentation: 200ml

KEY INGREDIENT(S)

Varun
Crataeva nurvala

Kulathi
Dolichos biflorus

- गुर्दे में अवांछित कणों को कम करते हुए, स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए दुर्लभ जड़ी बूटियों का आयुर्वेदिक योग
- पेशाब में जलन, तरल पदार्थ का सेवन कम करने के कारण, कम पेशाब आने की समस्या को दूर करने में सहायक
- मूत्राशय में होने वाले संक्रमणों की पुनरावृत्ति की समस्या के लिए प्राकृतिक आयुर्वेदिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

स्टोनकेयर–एसएफ सस्पेंशन

मूत्रोत्पत्ति को बढ़ाकर क्रिस्टल के निष्कासन में सहायक, क्रिस्टल के गठन की रोकथाम करे

स्टोनकेयर–एसएफ, मूत्रोत्पत्ति बढ़ाकर, अश्मरी के निष्कासन में सहायक। क्षारीयता का नियमन कर, मूत्रनिस्सरण के दौरान होने वाली जलन को कम करे, साथ ही अश्मरी के गठन की रोकथाम करे। मधुमेह के रोगी में होने वाले अश्मरी के लिए अनुपान के रुप में उपयोगी।

एक्टिव थर्मोजेनिक जूस

बढ़ी हुई रक्त शर्करा एवं मधुमेह के पूर्वावस्था में सहायक आयुर्वेदिक योग

हमारे शरीर में स्थूलता के कारण मधुमेह, हृदय रोग, संधिवात, बांझपन तथा कई अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न हो सकते है। मोटापे का नियमन करने के लिए आहार, व्यायाम के साथ साथ मेद पाचन की प्रक्रिया बढ़ाने वाले द्रव्यो का उपयोग अत्यावश्यक होता है। दुर्भाग्यवश अधिकांश थर्मोजेनेटिक विकल्प असात्मय होने के कारण शरीर के लिए सुरक्षित नहीं है। इसलिए एक ऐसे सात्मय मेद पाचक उपाय की आवश्यकता है जो शरीर के लिए शक्तिशाली होने के साथ साथ योग्य उर्जा निर्माण करे और भार का नियमन करने में भी सहायक हो।

उपाय

थर्मोजेनिसिस की प्रक्रिया में शरीर के मेद का योग्य पाचन कर आवश्यक उर्जा निर्मिती की जाती है। डेल्टास एक्टिव थर्मोजेनिक जूस, थर्मोजेनिसिस की प्रक्रिया करने वाली प्राकृतिक जड़ी बूटीयों से बना प्रोडक्ट है, जो मेद का पाचन कर शरीर भार नियमन में सहायक होती है।

इसके घटक द्रव्यो में उपस्थित स्टेम सेल एक्टिवेटर काम्प्लेक्स मेद के पाचन को सुधारकर, चय–अपचय की क्रिया को सामान्य करते है और योग्य उर्जा निर्मिती कर थकान को कम करते है। साथ ही यह प्राकृतिक एंटी–ऑक्सीडेंट के रुप में उपयोगी है।

उत्पादन परिचय

गहन अनुसंधान करते हुए प्राकृतिक जड़ी बूटीयों के योग से चयापचय को सामान्य करने के लिए डेल्टास एक्टिव थर्मोजेनिक जूस का निर्माण किया गया है। इसका नियमित रुप से उपयोग करने पर शरीर की थकान कम होकर रोजमर्रा की गतिविधियों में स्फूर्ती आ जाती है।

इसमें पाए जाने वाला घटक द्रव्य गिलोय एंटी–ऑक्सीडेंट गुण से कोशिकाओं का स्वास्थ्य रक्षण करता है और चयापचय की प्रक्रिया के दौरान बनने वाले विष (मॅटोबोलिक टॉक्सीन) को शरीर से बाहर निकालता है। कोकम और गुग्गुल चयापचय प्रक्रिया का नियंत्रण कर शरीरगत मेद को कम करने में सहायक है। गुड़मार रक्तशर्करा का नियंत्रण कर, कोशिकाओं को अत्याधिक रक्तशर्करा के कारण होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान करती है। त्रिफला पाचन को बढ़ाकर मोटापा कम करने में मदद करती है।

इन सभी जड़ी बूटीयों की मदद से थर्मोजेनिक जूस (BMI) का नियमन करते हुए शरीरगत मेद का पाचन कर, मोटापे पर नियंत्रण करने में मदद करता है। साथ ही शरीरगत थकान को कम कर, एंटी–आक्सीडेंट होने के कारण शरीर की कोशिकाओं को क्षति से बचाता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.ली. एक्टिव थर्मोजेनिक जूस में निम्न घटक द्रव्य हैं: त्रिफला २०%:, घृतकुमारी (पत्र सार) १०%, कोकम (फल रस) ४०%, अमृता (बूटी) १०%, गुड़मार (पत्र सार) १०%, गुग्गुल ८%, अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

प्रत्येक ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त या फिर चिकित्सक के परामर्शानुसार लें।

निम्नलिखित स्थितीयों में नियमित ले:

• अत्याधिक स्थूलता: ३०मि.ली. दिन में २ बार भोजन से पहले ले • मधुमेह: नियमित रुप से ३०मि.ली. दिन में २ बार भोजन से पहले ले • रक्तचरबी की अधिकता: नियमित रुप से ३०मि.ली. दिन में २ बार भोजन से पहले ले • किशोरावस्था में: ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त ले • अपूर्ण भोजन लेने वाले: ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त ले • मॉडलिंग करने वाले: ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त ले • व्यायाम करने वाले: ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त ले • अल्प क्रिया वाली जीवनशैली: ३०मि.ली. रात्रि भोजनोपरान्त ले।

मार्गदर्शन

• **अत्याधिक स्थूलता:** थर्मोजेनिक हर्बल टी और ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **मधुमेह:** थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल और डायकेयर टैबलेट के साथ ले • **रक्तगत मेद की अधिकता:** थर्मोजेनिक हर्बल टी और थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल के साथ ले • **किशोरावस्था में:** थर्मोजेनिक हर्बल टी और डायकेयर सिरप के साथ ले • **मॉडलिंग करने वाले:** थर्मोजेनिक हर्बल टी और ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **व्यायाम करने वाले:** थर्मोजेनिक हर्बल टी और नाइटमैक्स रस के साथ ले • **संधिवात (आर्थराइटिस):** थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल और जोड़ाराम टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Kokum
Garcinia cambojia

Triphala
Emblica officinalis, Terminalia chebula, Terminalia bellerica

- शरीर में बढ़ी हुई वसा को कम करने, पेशेवर कसरत करने वालों के लिए गठीला शरीर बनाए रखने में सहायक
- रक्त शर्करा एवं कोलेस्ट्रोल स्तर के संतुलन में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव थर्मोजेनिक जूस

बच्चों एवं बड़ो के वज़न के संतुलन के लिए जड़ी–बूटीयों का अनुभूत योग

डेल्टास थर्मोजेनिक जूस, जड़ी–बूटीयों के सार से सम्पन्न, फैट का पाचन कर उत्साह का संचार करे; शरीर से आलस्य और थकान को दूर कर, पाचनक्रिया को नियमित कर, एंटी–ऑक्सीडेंट की परिपूर्ति करे।

एक्टिव थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल

वज़न संतुलन बनाये रखने के लिए, जड़ी–बूटीयों के उचित सार का अनुभूत योग

मोटापे पर नियंत्रण करने के लिए योग्य आहार तथा सम्यक व्यायाम अत्यावश्यक होते है। परंतु नियमित पथ्य आहार तथा योग्य स्वरुप का व्यायाम सभी लोगो के लिए सम्भव नहीं होता है। उसमें भी व्यायाम विशेष रुप से ज्यादातर लोगों के लिए कष्टकारी होता है क्योकि शुरुआती दौर में व्यायाम से मांसपेशिओं को क्षति होने से सतत दर्द एवं थकान महसूस होती है। अतः मांसपेशियों की क्षति को कम कर, शरीर में मेद पाचन की प्रक्रिया को उत्तेजित कर उर्जा निर्माण करने वाले (थर्मोजेनेसिस) प्राकृतिक योग की आवश्यकता है।

उपाय

थर्मोजेनेसिस की प्रक्रिया में शरीर के मेद का योग्य पाचन कर आवश्यक उर्जा निर्मिती होती है। डेल्टास थर्मोजेनिक स्लिम कॅप्सूल में मौजूद वनस्पति आधारित अमीनो एसिड और फ्लेवोनॉयडस्, फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति को कम कर, शरीर कोशिकाओं की क्षरण प्रक्रिया को धीमा करते है। साथ ही शरीरगत मेद का पाचन कर, यह प्राकृतिक जड़ी–बूटीयो से बना योग पूर्ण रुप से शर्करारहित है, एवं मधुमेह के पूर्व लक्षणो तथा मधुमेह के रुग्णो में मोटापा कम करने में सहायक है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल उचित व्यायाम और आहार के साथ शरीरगत मेद का चयापचय बढ़ाकर, मोटापे का नियंत्रण करने में सहायक है। गहन अनुसंधान करते हुए प्राकृतिक जड़ी.बूटीयो के योग से इसका निर्माण किया गया है। इसका नियमित रुप से उपयोग करने पर शरीर की थकान कम होकर रोजमर्रा की गतिविधि के लिए स्फूर्ति आ जाती है। इसमें पाए जाने वाले घटक द्रव्य कोकम और गुग्गुल रक्तगत मेद को कम करने में सहायक है।

नारंगी अपने एंटी–ऑक्सीडेंट गुण के द्वारा कोशिकाओं के स्वास्थ्य का रक्षण कर, चयापचय के दौरान बनने वाले विष को शरीर से बाहर निकालता है। कॉफी और सुंठी रक्तशर्करा का नियंत्रण कर, कोशिकाओं को अत्याधिक रक्तशर्करा के कारण होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान करती है। सुंठी चयापचय तथा मेद पाचक गुण के लिए जानी जाती है। यह पचन को सुधारकर, मोटापे पर नियंत्रण करने में सहायक है। घटक द्रव्य कोकम (HCA) से परिपूर्ण है साथ ही यह हमारी भूख को प्राकृतिक रुप से कम कर, स्थूलता को कम करने में सहायक है; तथा शरीरगत मेद का पाचन और चयापचय बढ़ाता है। पिप्पली, मरिच और अदरक थर्मोजेनेसिस को बढ़ाकर, मेद विघटन करते है। उपरोक्त घटक द्रव्यो के गुणो से मेद पाचन कर, शरीर उर्जा का विकास कर, थर्मोजेनिक कैप्सूल शरीरगत थकान और स्थूलता को कम कर, रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए स्फूर्ति प्रदान करती है।

संयोजन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा., एक्टिव थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल में निम्न घटक द्रव्य हैं:
कोकम १००मि ग्रा, नारंगी ५०मि.ग्रा., पिप्पली १५मि.ग्रा., मिरी १५मि.ग्रा., शुंठी १५मि.ग्रा., कॉफी ३० मि.ग्रा., गुग्गुल २५मि.ग्रा., अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

उपयोग पद्धतिः उत्कृष्ट प्रभाव के लिए नियंत्रित आहार व सम्यक व्यायाम के साथ ले। शुरुआत में २ कैप्सूल दिन में २ बार, ४ सप्ताह तक ले। इसके पश्चात १ कैप्सूल दिन में २ बार भोजन से पहले लें या चिकित्सक के परामर्शानुसार ले • अत्याधिक स्थूलताः ५–६ माह तक नियमित रुप से ले • मधुमेहः नित्य नियमित रुप से ले • रक्तचरबी की अधिकताः ३–४ माह तक नियमित रुप से ले • किशोरावस्था मेंः दिन में एक बार ले • ठीक भोजन ना कर पाने वाले/अपूरक भोजन करने वालेः दिन में एक बार ले • मॉडलिंग करने वालेः दिन में एक बार ले • व्यायाम करने वालेः दिन में दो बार ले • अल्प क्रिया वाली जीवनशैलीः दिन में एक बार ले। थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल सामान्य रुप से भोजन के पहले लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **अत्याधिक स्थूलताः** थर्मोजेनिक हर्बल टी और ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **मधुमेहः** थर्मोजेनिक जूस और डायकेयर टैबलेट के साथ ले • **रक्तचरबी की अधिकताः** थर्मोजेनिक हर्बल टी और थर्मोजेनिक जूस के साथ ले • **किशोरावस्था मेंः** थर्मोजेनिक हर्बल टी और डायकेयर सीरप के साथ ले • **मॉडलिंग करने वालेः** थर्मोजेनिक हर्बल टी और ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **व्यायाम करने वालेः** थर्मोजेनिक हर्बल टी और नाइटमैक्स रस के साथ ले • **आर्थराइटिसः** थर्मोजेनिक जूस और जोड़ाराम टेबलेट के साथ ले।

Presentation: 2X30 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Narangi
Citrus aurantium

- शरीर में बढ़ी हुई वसा को कम करने, पेशेवर कसरत करने वालों के लिए गठीला शरीर निर्माण में सहायक
- रक्त शर्करा एवं कोलेस्ट्रोल स्तर के संतुलन में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

एक्टिव थर्मोजेनिक स्लिम कैप्सूल

उत्साहभरी जीवनशैली, फैट के चयापचय,योग्य पाचन और स्थूलता से होने वाले रोगप्रतिरोधकता के लिए गुणकारी योग

डेल्टास थर्मोजेनिक कैप्सूल स्थूलता (मोटापा) से होने वाले रोगों से बचाव करने के लिए विशेष योग है; भूख को नियमित कर, फैट का पाचन करते हुए वज़न का संतुलन बनाये रखने के लिए गुणकारी औषधि योग।

SUPPORT IN HYPERGLYCEMIA • PREVENTS B-CELL STRESS •

डायकेयर रस

बढ़ी हुई रक्त शर्करा एवं मधुमेह के पूर्वावस्था में सहायक आयुर्वेदिक योग

पिछले दो दशको में भारत ने बहुत तेजी से प्रगति की है। इस प्रगति के साथ हमारे देश और हमारे रहन सहन व खान पान में कई बदलाव आए हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ते तनाव के कारण आज जीवन चिंता, उद्वेग व तनावपूर्ण हो गया है। जिसके फलस्वरुप मधुमेह जैसी बिमारीयों में भी वृध्दी हुई है।

भारतीय वैद्यकीय अनुसंधान संस्थान द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया हैं कि मात्र ५ प्रतिशत भारतीय ही दैनिक व्यायाम करते है। साथ ही युवा पिढ़ी में प्रति ६ युवाओ में से एक युवक में मोटापा/स्थूलता पाई जाती है। उपरोक्त विषम आहार–विहार तथा जीवनशैली के कारण अधिकांश लोग या तो मधुमेह से ग्रस्त है या फिर वे मधुमेह के द्वार पर खड़े है।

उपाय

मधुमेह की पूर्वावस्था में सामान्य तौर पर थकान के लक्षण दिखते है। साथ ही कमजोरी, चक्कर आना, विषम व अत्याधिक भूख के लक्षण उत्पन्न होते है। तथा शरीर के भार में विषमता आ जाती है; इन्ही लक्षणो के मिलने पर मधुमेह की प्रारंभिक अवस्था का निदान होता है। यही समय सर्वोचित होता है जिसमें जड़ी बूटीयों की चिकित्सा सर्वाधिक लाभकारी है। मधुमेह की पूर्वावस्था में डायकेयर रस का नियमित सेवन करने से थकान, कमजोरी और विषम अग्नि में लाभ प्राप्त होता है।

डेल्टास डायकेयर रस रक्तशर्करा के चयापचय में प्राकृतिक रुप से लाभकारी है। साथ ही यह प्राकृतिक घटको से बना योग है, जिससे अचानक रक्तशर्करा के कम होने का भी खतरा नहीं रहता।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास डायकेयर रस स्टेम सेल एक्टिवेटर काम्प्लेक्स से युक्त प्राकृतिक जड़ी बूटीयों से बना योग है, जो कि AGE (मधुमेह की कोशिकाओं में बनने वाला विष/आम) की रोकथाम करने में सक्षम है। स्वस्थ स्टेम सेल वार्धक्य की गति को कम करने में सक्षम होते है। शरीर के स्टेम सेल का विकास एवं पुर्नजन्म होने से, शरीरगत रोगो से निजात पाने में सहायता मिलती है। डेल्टास का डायकेयर रस अप्रतिम औषधी योग है जो कि शरीर के स्टेम सेल के संरक्षण और कार्यकारिता में सहायक है। यह योग प्राकृतिक संरक्षक (प्रीझरवेटीव) कार्नोसिक एसिड (तुलसी पत्र सार) से निर्मित किया गया है जो शरीर के लिए पूर्ण रुप से सुरक्षित और डायकेयर की कार्यकारिता को बढ़ाता है।

करेला और जामुन के विशिष्ट प्राकृतिक तत्व रक्तशर्करा का नियमन करते है। हल्दी इंसूलिन की कार्यक्षमता को बढ़ाकर, रक्तशर्करा का नियमन; अग्न्याशय की रक्षा करती है।

मधुमेह की पूर्वावस्था में आवश्यक रक्तशर्करा का नियमन, शरीर की उर्जा का नियंत्रण तथा अग्न्याशय और यकृत का संरक्षण करते हुए डेल्टास का डायकेयर रस मधुमेह में अत्यंत सहायक औषधी योग है।

संयोजन

डायकेयर रस के प्रत्येक १०मि.लि. में निम्न घटक हैं: शतावरी (कन्द) ४०%, कदली (कन्द/तना) ३०%, करेला (फल) २०%, जामुन (फल) ५%, वनहरिद्रा (कन्द) ५%, अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• मधुमेह की पूर्वावस्थाः २०मि.लि. रस भोजन से १५–२०मिनट पहले दिन में २ बार • मधुमेहः ३०मि.लि. रस भोजन से पहले दिन में ३ बार • शारीरिक शक्ति में कमी/कमजोरीः ३०मि.लि. रस दिन में २ बार • इन्सूलिन लेनेवालों रुग्णो मेंः २०–३० मि. लि. रस दिन में २–३ बार • रक्त में चर्बी/कोलेस्टेरोल की अधिकताः १०–२०मि.लि. दिन में २ बार रस का सेवन सभी आयु में श्रेयस्कर हैं। गर्भावस्था में डॉक्टरी सलाह पश्चात ही उपयोग करें।

मार्गदर्शन

• **मधुमेह रोगी जिन्हें कमजोरी होः** डेल्टास एक्टीव मेन/वुमन कैप्सूल और ऐलोवेरा जूस के साथ लें • **मधुमेह पूर्वावस्थाः** थर्मोजेनिक कैप्सूल के साथ लें • **थायरॉईड विकार मेंः** डायकेयर टैबलेट, थर्मोजेनिक जूस और वीटग्रास टैबलेट के साथ लें • **मधुमेहः** डायकेयर टैबलेट और आमला जूस के साथ लें • **रक्तचर्बी/कोलेस्टेरोल की अधिकताः** थर्मोजेनिक कैप्सूल और लिवकेयर टैबलेट के साथ लें • **अत्याधिक मूत्रताः** डायकेयर टैबलेट एवं वीटग्रास टैबलेट के साथ लें • **हाथ/पैरों में जलनः** एक्टीव मॅन/वूमॅन और वीटग्रास के साथ लें • **आँखों की बीमारीः** "विजन ऐड" और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ लें।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Karela
Momordica charantia

Jamun
Syzygium cumini

- थकान कम करने में सहायक
- रक्त शर्करा संतुलन में सहायक
- हथेली और त्वचा की जलन एवं आंखों से संबंधित विकारों को कम करने में सहायक

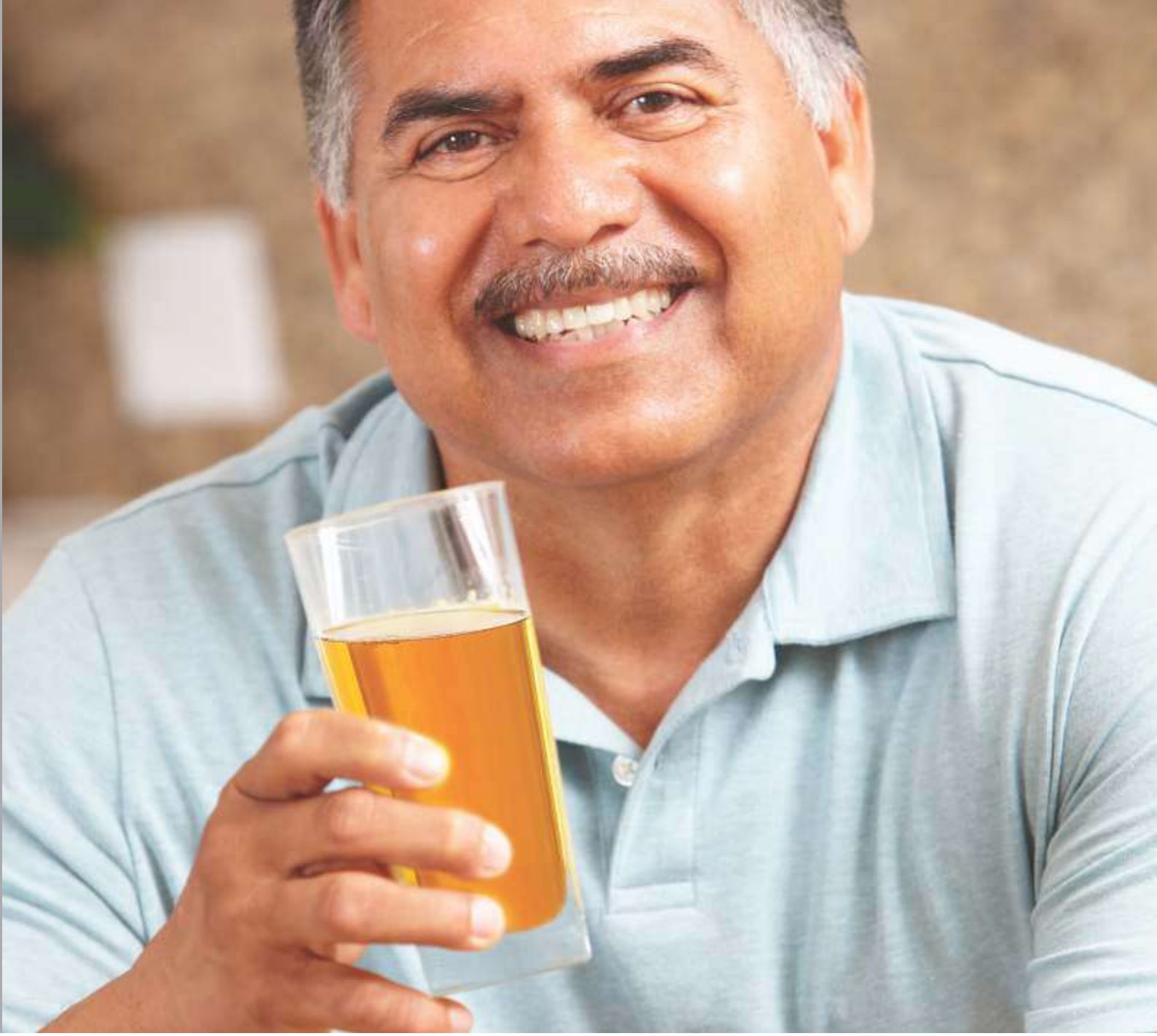

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

डायकेयर रस

अग्न्याशय (पैंक्रियास) की कोशिकाओं की रोजाना देखभाल और स्फूर्तियुक्त जीवनशैली के लिए

मधुमेह की पूर्वावस्था में ग्लूकोस के योग्य विभाजन के लिए स्टेमसेल एक्टिवेटर जड़ी–बुटीयों से लैश डायकेयर रस पैंक्रियास की कोशिकाओं के लिए एंटी–ऑक्सीडेंट योग है।

डायकेयर टैबलेट

आहार की शर्करा को नियंत्रित कर पैंक्रियास एवं लीवर के नियमन में सहायक

मधुमेह की समस्या से संपूर्ण विश्व झूझ रहा है, इसमें कोई भी आश्चर्य नहीं है कि किसी अन्य राष्ट्र के मुकाबले भारत में सबसे अधिक टाईप.२ डायबीटीस के रोगी पाए जाते है। योग्य समय पर किया गया निदान, पथ्य–अपथ्य और उपयुक्त चिकित्सा के माध्यम से मधुमेह का नियमन कर स्वस्थ जीवन व्यतीत किया जा सकता है। यद्यपि मधुमेह का संपूर्ण निवारण दुर्लभ होता है, परंतु योग्य चिकित्सा द्वारा हम मधुमेह से होने वाले दुष्परिणाम से मुक्ति पा सकते है। रक्तशर्करा का अनियमित होना ही मधुमेह दुष्परिणामो का मूल कारण होता है। यदि रक्तशर्करा नियमन पर ध्यान न रखा जाए तो किडनी, मस्तिष्क, हृदय, नेत्र और धमनियों पर अनेक प्रकार के दुष्परिणाम हो सकते है। अतः एक ऐसे उपाय की आवश्यकता है जो पथ्य–अपथ्य और व्यायाम के साथ पालन करने पर रक्त शर्करा का नियमन कर, मधुमेह में होने वाले दुष्परिणाम की रोकथाम करे।

उपाय

डेल्टास डायकेयर टैबलेट मधुमेह रोगी में रक्तशर्करा का प्राकृतिक रुप से नियमन करने का कार्य करती है। यह पूर्णतः प्राकृतिक योग होने के कारण; इसके सेवन से अचानक रक्तशर्करा के कम होने का खतरा भी नहीं रहता और साथ ही यह अन्य निर्देशित एलोपेथिक औषधी के साथ अनुपान के रुप में सुरक्षित है।

प्रोडक्ट परिचय

डायकेयर टैबलेट शत–प्रतिशत वनस्पति आधारित योग है। इसके घटक गुड़मार और दालचिनी अपने एंटी–ऑक्सीडेंट गुण के द्वारा आम का नाश करते है।

करेला और जामुन के विशिष्ट तत्व रक्तशर्करा का नियमन करते है। विजयसार और दालचिनी इंसूलीन की कार्यक्षमता को बढ़ाकर, रक्तशर्करा नियमन कर अग्न्याशय की रक्षा करते है। साथ ही यह मधुमेह में रेटीनोपेथी (नेत्र पटल में होने वाली क्षति) के प्रभाव को भी कम करते है।

डायकेयर टैबलेट के घटक द्रव्य रक्तगत इंसूलीन और सी पेप्टाईड को बढ़ाने में सहायक है। साथ ही यह डायबीटीस में उत्पन्न माइक्रो एलब्यूमिन्यूरिया (मूत्र द्वारा प्रोटीन निस्सरण) की अवस्था में भी लाभदायक है। यह टैबलेट शरीरगत उर्जा को बढ़ाकर, स्वास्थ्य वर्धन करती है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा. डायकेयर टैबलेट में निम्न घटक हैं: गुड़मार (पत्रघन) १५०मि.ग्रा., जामुन (बीज) १५०मि.ग्रा., करेला (फल) १००मि.ग्रा., दालचीनी (छाल) १००मि.ग्रा., विजयसार (छाल) १००मि.ग्रा., अन्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• मधुमेहः २ टैबलेट भोजन से पहले दिन में २ बार • कमजोरी मेंः १ टैबलेट दिन में २ बार • इन्सुलिन लेने वाले मधुमेह रोगीयो मेंः २ टैबलेट दिन में २ बार • रक्त में मेद (Cholesterol) की अधिकताः १ टैबलेट दिन में २ बार • अधिक प्यास लगती हो तोः १ टैबलेट दिन में २ बार • विषम अग्निः १ टैबलेट दिन में २ बार • वारंवार मूत्रत्याग करनाः १ टैबलेट दिन में २ बार, सभी आयुवर्ग के लोग इसका सेवन कर सकते हैं परंतु गर्भावस्था एवं जिन्हें रक्तशर्करा की कमी की शिकायत हैं वे चिकित्सक से परामर्श के पश्चात ही सेवन करे।

मार्गदर्शन

• **नव नैदानिक मधुमेह में (१ वर्ष से कम):** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **रक्तचर्बी अधिकता:** लिवकेयर टैबलेट और थरमोजेनिक कैप्सूल के साथ ले • **मधुमेह की जटिलावस्था (Complication):** डायकेयर रस और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **वजन कम करने हेतु:** थरमोजेनिक कैप्सूल के साथ ले • **हाथों/पैरों में जलन:** डायकेयर रस और वीटग्रास के साथ ले • **थायरॉयड की समस्या:** थरमोजेनिक कैप्सूल और लिवकेयर रस साथ ले।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Karela
Momordica charantia

Jamun
Syzygium cumini

Gudmaar
Gymnema sylvestre

- रक्त शर्करा एवं कोलेस्ट्रोल स्तर के संतुलन में सहायक
- थायरॉयड एवं शरीर के वजन नियंत्रण में सहायक

डायकेयर टैबलेट

नियमित उपयोग से अग्न्याशय (पैंक्रियास) को सुरक्षित रखते हुए स्फूर्तियुक्त जीवनशैली का अनुभव करें

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

डायकेयर टैबलेट के नियमित सेवन से लीवर की कोशिकाएं सुचारु होकर, विभिन्न प्रकार के ग्लूकोस के योग्य विभाजन करने में समर्थ हो जातीं हैं; ग्लायसेमिक इंडेक्स के संतुलन में सहायता मिलने से पैंक्रियास को बल प्राप्त होता है। डायबिटिज में होनेवाले कॉम्प्लीकेशन्स कम हो जातें है।

पाईल्सकेयर क्रीम

बाहरी बवासीर के लिए सुखदायक देखभाल।

अर्श मलद्वार में होने वाली एक सामान्य बिमारी है, जिसमें मलद्वार के आस पास की नसो में सूजन आ जाती है। अर्श रोगी में मलत्याग के समय रक्तस्त्राव, मलद्वार पर अत्याधिक खुजली व जलन, मलत्याग के समय दर्द एवं गुदा के आस पास दर्दयुक्त मस्से आदि लक्षण पाए जाते है। अर्श की उत्पत्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण कारक मलबध्दता (Constipation) है। फिशर और फिस्टुला जैसे मलद्वार के अन्य रोगो में भी अर्श के भांती ही लक्षण पाए जाते है।

अधिकतर रोगियों में शर्म या घबराहट के कारण अर्श के निदान व उपचार में विलम्ब हो जाता है। फलस्वरुप बहुधा रोगियो द्वारा अर्श की लाक्षणिक चिकित्सा के लिए बाजार में उपलब्ध औषधी विकल्प का उपयोग किया जाता है परंतु इनमें से ज्यादातर अर्श की चिकित्सा के लिए प्रभावी नहीं होते।

अर्श का उद्गम विशेष रुप से यकृत की विषमता से होता है। यकृत से मलद्वार के तरफ जाने वाली धमनियों में विषम पाचन से उत्पन्न विष के कारण मलद्वार की त्वचा में विकृति उत्पन्न होकर मस्सो का निर्माण होता है। अतः मलद्वार की त्वचा को क्षतिरहित कर यकृत को सामान्य करना ही चिकित्सा का महत्त्वपूर्ण लक्ष्य होता है। इसीलिए अर्श के उपचार के लिए एक ऐसे प्रभावी आयुर्वेदिक योग की आवश्यकता है जो न केवल दर्द, जलन, खुजली, रक्तस्त्राव व्रण से राहत दिलाए बल्कि यकृत को भी प्रबल करे।

उपाय

डेल्टास पाईल्सकेयर क्रीम गहन अनुसंधान से निर्मित प्राकृतिक जड़ी–बूटीयो का योग है। इसमें उपलब्ध जड़ी–बूटीयां मलद्वार की श्लेष्म कला की क्षति को कम कर, पाईल्स के विविध स्थानिक लक्षणो से राहत प्रदान करती है। अर्श इस औषधि को हर उम्र के रोगी की परिधी में उत्पन्न मस्से की सूजन को कम कर, यह आयुर्वेदिक योग अर्श की प्रभावी दीर्घकालिक चिकित्सा में लाभदायक है।

प्रोडक्ट परिचय

पाईल्सकेयर क्रीम हल्दी, नीम जैसी गुणकारी जड़ी–बूटीयो के साथ विशुध्द आयुर्वेदोक्त जात्यादि तैल, कासिसादी तैल और यशद भस्म का अनुभूत योग है। यह सभी घटक द्रव्य मलद्वार की परिधी में उत्पन्न मस्सो की सूजन को कम करते है, रक्तस्त्राव को घटाकर गुदा के श्लेष्म कला की क्षति को कम करते है।

यह क्रीम अर्श के स्थानिक लक्षण रक्तस्त्राव, दर्द, जलन, खुजली व मलबध्दता को दूर कर, अर्श की चिकित्सा में सहायक योग है। इसके घटक द्रव्य अपने पीड़ानाशक गुण के द्वारा स्थानिक दर्द को कम कर, दर्द व जलन रहित मलत्याग में सहायक है। यह क्रीम अपने घटक द्रव्यो के रोगनाशक गुण द्वारा अन्य संक्रमण की भी रोकथाम करती है।

संपूर्ण रुप से प्राकृतिक योग होने के कारण यह औषधी हर उम्र के रुग्ण इस्तेमाल कर सकते है।

संयोजन

प्रत्येक १०ग्राम पाईल्सकेयर क्रीम में जात्यादि तैल (शास्त्रीय योग) ०.६%; कासीसादी तैल (शास्त्रीय योग) ०.४%; नीम बीज तैल ०.२%; यशद भस्म (शास्त्रीय योग) ०.५%; अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

नाखुनो को छोटे रखकर साफ उंगली से क्रीम का स्थानिक उपयोग करे • मलद्वार में खुजलीः दिन में २ बार उपयोग करे • अर्शः दिन में ३ बार हल्के हाथों से लगाएँ • रक्तस्त्रावयुक्त अर्शः दिन में ३–४ बार हल्के हाथों से लगाएँ • मस्सो के लिएः मस्सों पर २–३ बार लगाएँ, ऐसा करने से मस्सें बढ़ेगें नहीं • जलनः मलद्वार में दिन में २ बार लगाएँ।

मार्गदर्शन

• **मलद्वार में खुजलीः** पाईल्सकेयर क्रीम का उपयोग करे • **अर्शः** पाईल्सकेयर टैबलेट एवं लिवकेयर सिरप के साथ लें • **रक्तस्रावयुक्त अर्शः** पाईल्सकेयर टैबलेट एवं लिवकेयर टैबलेट के साथ लें • **मलबध्दताः** ऐलोवेरा जूस के साथ लें।

नोटः यकृत विषमता को कम करने के लिए पाईल्सकेयर टैबलेट का सेवन अर्श की चिकित्सा के लिए आवश्यक होता है।

Presentation: 30g

KEY INGREDIENT(S)

Jati
Jasminum grandiflorum

Nimba
Azadirachta indica

- मल की कठोरता को कम करने में सहायक
- सामान्य मल त्याग में सहायक
- गुदा में खुजली एवं दर्द को कम करने का आयुर्वेदिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

पाइल्सकेयर क्रीम

घाव को भरने तथा सूजन को कम करने में सहायक

पाइल्सकेयर क्रीम बवासीर के कारण होने वाली तकलीफों जैसे दर्द, खुजली व असुविधा में तुरन्त आराम दिलाती है तथा बाहरी बवासीर के मस्सों का उपचार करती है।

पाईल्सकेयर टैबलेट

मलाशय और मलद्वार की क्षतिपूर्ती एवं बवासीर के यकृतजन्य हेतु के उपचार के लिए अनुभूत योग

अर्श मलद्वार का एक सामान्य रोग है। अर्श रोग की उत्पत्ति का महत्त्वपूर्ण कारक मलबध्दता (Constipation) है। अर्श से पीड़ित करीब करीब हर रोगी में मलबध्दता व यकृत विकार पाए जाते है। साथ ही कई बार अर्श का आपरेशन कराने के पश्चात् भी अधिकांश रोगियों में सतत मलबध्दता के कारण अर्श की पुनःउत्पत्ति हो जाती है। मलबध्दता की रोकथाम के लिए स्वस्थ और संतुलित पथ्य आहार का पालन करना आवश्यक है। परंतु आज की भाग दौड़ वाली रोजमर्रा के जीवन में पथ्य आहार का पालन कर पाना कई लोगो के लिए चुनौतीपूर्ण है।

इसीलिए अर्श की प्रभावी चिकित्सा के लिए ऐसे आयुर्वेदिक योग की आवश्यकता है जो दर्द, खुजली, जलन, रक्तस्त्राव के साथ–साथ अर्श के मूल कारक मलबध्दता से राहत देकर, यकृत के स्वास्थ्य को बनाए रखे।

उपाय

डेल्टास पाईल्सकेयर टैबलेट गहन संशोधन द्वारा निर्मित जड़ी–बूटीयों का प्राकृतिक योग है जो न केवल अर्श के लक्षण जैसे रक्तस्त्राव आदि से राहत दिलाता है बल्कि भूख को बढ़ाकर, पाचन को सुधारता है और साथ ही मलत्याग की प्रक्रिया को सुगम बनाकर, गुदामार्ग की धमनियों पर मलत्याग के दौरान आने वाले दबाव को कम करता है। जिससे अर्श के विकसित होने की संभावना कम हो जाती है। यह योग मलद्वार की परिधी में आए मस्सो को कम करता है और इसके कार्यकारी घटक द्रव्य वनस्पतिज म्यूसिलेज मलद्वार की श्लेष्म कला एवं यकृत की धमनियो की क्षतिपूर्ती करते है।

प्रोडक्ट परिचय

पाईल्सकेयर टैबलेट के घटक हरितकी, बेल, घृतकुमारी एवं सनाय मलबध्दता का नाश कर, मलत्याग की प्रक्रिया को सुगम बनाते है। साथ ही अदरक, चित्रक और टंकण अपने शोथनाशक गुण द्वारा मलद्वार की धमनियों की सूजन और स्थानिक दर्द कम करते है। इसमें उपस्थित अर्शकुठार रस आयुर्वेद के ग्रंथो में बतायी हुई विशिष्ट औषधी है, जो अर्श के प्रभाव को तुरंत कम कर, रक्तस्त्राव से राहत पाने के लिए सहायक है।

संक्षेप में इस योग के सभी घटक द्रव्य मलद्वार की परिधी के मस्सों और रक्तस्त्राव को कम कर, गुदा की श्लेष्मकला की क्षतिपूर्ती करते है। साथ ही अन्य लक्षण जैसे दर्द, जलन, खुजली, सूजन से भी राहत दिलाते है। अपने दर्दनाशक गुण द्वारा पीड़ारहित मलत्याग में लाभदायक है। पाचन तंत्र को सुधारकर यह कब्जियत के कारण होने वाली अर्श की पुनरावृत्ती की संभावना को यह योग कम करता है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा. पाईल्सकेयर टैबलेट में निम्न घटक हैं: अर्शकुठार रस (शास्त्रीय योग) १६०मि.ग्रा.; बोल पर्पटी (शास्त्रीय योग) २०मि.ग्रा.; घृतकुमारी पत्रमज्जा ५०मि.ग्रा.; शुध्द सुराणा १००मि.ग्रा.; नागकेशर पुष्प ५० मि.ग्रा.; निशोथमूल छाल ५० मि.ग्रा.; सनायपत्र ५०मि.ग्रा.; शुध्द टंकण २५मि.ग्रा.; अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

• अर्श/बवासीरः २–३ टैबलेट दिन में २ बार • रक्तस्राववाला अर्शः २–३ टैबलेट दिन में ३ बार • मस्सों के बढ़ने परः २–३ टैबलेट दिन में २ बार • मलबध्दताः २–३ टैबलेट रात्री में कोष्ण जल के साथ • अपचन/पेट फूलनाः १–२ टैबलेट दिन में २ बार • अर्श के शल्यक्रिया पश्चातः १–२ टैबलेट दिन में २ बार। पाईल्सकेयर टैबलेट सामान्य रुप से भोजन के पहले लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **अर्श/बवासीरः** पाईल्सकेयर क्रीम लगाएँ और लिवकेयर सिरप के साथ लें
• **रक्तस्राववाला अर्शः** पाईल्सकेयर क्रीम लगाएँ और लिवकेयर टैबलेट के साथ लें
• **मलबध्दता/कब्जः** ऐलोवेरा जूस के साथ लें। • **मस्सों के बढ़ने परः** पाईल्सकेयर क्रीम लगाएँ और लिवकेयर टैबलेट के साथ लें
• **अपचन/पेट फूलनाः** एण्टासिड टैबलेट के साथ लें • **अर्श शल्यक्रिया पश्चातः** ऐलोवेरा जूस और वीटग्रास टैबलेट के साथ लें।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Surana
Amorphophallus campanulatus

Sunthi
Zingiber officinale

- मल की कठोरता, मल त्याग के दौरान रक्त स्त्राव एवं गुदा में सूजन कम करने में सहायक
- सर्जरी के बाद अपचन, सूजन को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

पाईल्सकेयर टैबलेट

मलद्वार की कोशिकाओं के घाव भरने में सहायता कर बवासीर के रक्तस्त्राव में राहत दे।

डेल्टास पाइल्सकेयर टैबलेट, लीवर की क्रिया का समायोजन कर बवासीर की तीव्रता को कम करे; मल को ढीला कर मलविसर्जन प्रक्रिया में होने वाले दर्द से राहत दे, आँतों की सहायता कर मलविसर्जन प्रक्रिया आसान बनाये।

REPAIRS & REJUVENATES SKIN FROM ROOT • IMMUNO-MODULATOR •

सोरिनो क्रीम

सोरायसिस में उत्पन्न त्वचा विकार के उपचार में आयुर्वेदिक जड़ी–बूटीयों का अनोखा योग

सोरायसिस एक गंभीर त्वचा रोग है। यह त्वचा के पाँच पटलो में से सबसे बाहरी पटल एपिडरमिस में आश्रित होता है। इस रोग में त्वचा कोशिकाओं के निर्माण की गति असामान्य होती है। सामान्य तौर पर त्वचा की कोशिकाओं का निर्माण २७ दिनो में होता है, परंतु सोरायसिस से प्रभावित होकर ५–६ दिन में ही त्वचा कोशिकाओं की निर्मिती होने लगती है। इस गतिशील कोशिकाओं की उत्पत्ति से श्वेत पपड़ी, लाल चकत्ते, दर्द, खुजली, जलन व स्त्राव की उत्पत्ति होती है। सोरायसिस रोग के पांच प्रकार में से प्लाक सोरायसिस अधिकांश लोगो में पाया जाता है। विश्व की ३–५ प्रतिशत जनसंख्या इस रोग से पिड़ित है। सोरायसिस लक्षणो (दर्द, खुजली, लाल चकत्ते इत्यादि) के फलस्वरुप रुग्ण सामान्य तौर पर लोगो से मिलने–जुलने में बाधा महसूस करते है। सोरायसिस के लक्षणो की चिकित्सा के लिए प्राकृतिक जड़ी–बूटीयों से बनी स्थानिक औषधीयां अधिक प्रभावशाली होती है। अतः एक ऐसे प्राकृतिक योग की आवश्यकता है जो रोग के स्थान पर कार्य कर खुजली, जलन, लाल चकत्ते, श्वेत पर्पटी आदि लक्षणो से राहत दिलाकर रोगी के आत्मविश्वास और जीवनशैली की गुणवत्ता को बढ़ाए।

उपाय

डेल्टास सोरिनो क्रीम सोरायसिस की चिकित्सा के लिए जड़ी–बूटीयों से बना प्राकृतिक लेप है। इसके घटक, जड़ी–बूटीयों पर किए गए संसोधन से ज्ञात हुआ है की त्वचा की श्वेत पर्पटी, लालिमा तथा सूजन को बढ़ाने वाले कारक (TNF- α) का शमन करते है। फलस्वरुप सोरिनो क्रीम सोरायसिस के लक्षणो को कम करने के लिए सहायक औषधी है। साथ ही त्वचा की अन्य विकृतियों में सोरिनो क्रीम स्थानिय व्रण रोपण कर त्वचा को निरोगी रखने में सहायक है। सोरिनो क्रीम के नियमित उपयोग से सोरायसिस की पुनरावृत्ति व अन्य उपद्रवों की रोकथाम की जा सकती है।

प्रोडक्ट परिचय

सोरिनो क्रीम के प्राकृतिक औषधी गुणो से परिपूर्ण घटक द्रव्य अश्वगंधा व कृष्णबीज त्वचा के कोशिकाओं के निर्माण की गति सामान्य कर, प्लाक का शमन करते है। हरिद्रा, नीम और गोधूम शोथनाशक व एलर्जीविरोधी गुणयुक्त है; यह त्वचा के संक्रमण को कम कर, घाव भरने का कार्य करते है। गोधूम और ओलिव तैल त्वचा को स्निग्धता प्रदान कर, त्वचा की शुष्कता कम कर खुजली कम करते है। बाकुची त्वचा की लालिमा एवं खुजली का नाश कर, त्वचा के वर्ण को सामान्य करने में सहायक है। रासायनिक स्टेरॉयड रहित सोरिनो क्रीम पूर्णतः प्राकृतिक योग है। यह त्वचा की कोशिकाओं के निर्माण की गति सामान्य कर, एपिडरमिस में रक्त के संचरण को बढ़ा कर, त्वचा की लालिमा श्वेत पर्पटी, दर्द, खुजली आदि लक्षणो को कम करती है।

संयोजन

प्रत्येक १०ग्राम. सोरिनो क्रीम में निम्नलिखित घटक हैं: अश्वगंधा (मूल) ७५मि.ग्रा.; कृष्णबीज (फल) ७५मि.ग्रा.; अपामार्ग (मूल) ७५मि.ग्रा.; सनाय (पत्र) ५०मि.ग्रा.; वीरा मूल (मूल) ५०मि.ग्रा.; हरिद्रा (मूल) ५०मि.ग्रा.; नीमबीज (तैल) १००मि.ग्रा.; गोधूम (तैल) १००मि.ग्रा.; जैतुन (तैल) १००मि.ग्रा.; बाकुची बीज (तैल) ३००मि.ग्रा.; क्रीम बेस (यथावश्यक)।

उपयोग

• खुजली: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में मालिश करे • प्लाक् सोरायसिस (चकत्तो पर): क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में ३–४ बार मालिश करे • त्वचा की लालिमा/दाह: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २ बार मालिश करे • दाग/धब्बे या निशान: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २–३ बार मालिश करे • त्वचा की सूजन में: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २ बार मालिश करे • एक्जीमा/तीव्र कण्डु: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २–३ बार मालिश करे • सीबोरीक डरमाटाईटिस: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २–३ बार मालिश करे • साधारण कटना/छिलना: क्रीम को हल्के हाथों से ग्रसित भाग में दिन में २–३ बार मालिश करे।

मार्गदर्शन

• **खुजली:** लिवकेयर सिरप और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **प्लाक् सोरायसिस (चकत्तो पर):** लिवकेयर सिरप, लिवकेयर टैबलेट और डेल्टास नूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **दागधब्बों पर:** डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **मुहांसो पर:** ऐलोवेरा जूस और फेसनिखार क्रीम के साथ ले • **एक्जीमा:** ऐलोवेरा जूस, लिवकेयर सिरप एवं डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **सीबोरीक डरमाटाईटिस:** लिवकेयर टैबलेट और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले।

Presentation: 100g

KEY INGREDIENT(S)

Bakuchi
Psoralea corylifolia

- सोरायसिस से होने वाली खुजली और विकृत त्वचा के लिए दुर्लभ जड़ी–बूटियों युक्त आयुर्वेदिक योग
- खुजली से त्वचा पर बनने वाली पपड़ी एवं उसमें होने वाली जलन को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

सोरिनो क्रीम

सोरिनो क्रीम; त्वचा की जलन, खुजली, पपड़ी और सूखापन से शीघ्र राहत दे

त्वचा व्याधिरोधक क्षमता का विकास करने वाले जड़ी–बूटीयों के योग से त्वचा के सूखेपन में राहत दे; सूजन, लालिमा, खुजली कम करें, त्वचा की इम्युनिटी बढ़ाए, पपड़ी बनने की गति न्यूनतम कर सोरायसिस में राहत पाएं।

REPAIRS & REJUVENATES SKIN FROM ROOT • IMMUNO-MODULATOR •

सोरिनो टैबलेट

त्वचा की सूजन से होने वाले विकारों के लिए प्राकृतिक आयुर्वेदिक योग

त्वचा हमारे शरीर का सबसे बड़ा अवयव है। सोरायसिस एक गंभीर त्वचा रोग है जिसमें त्वचा कोशिकाओं के निर्माण की गति असामान्य होकर, त्वचा पर श्वेत पपड़ी के साथ लाल रंग के चकत्तों की उत्पत्ति होती है। इस रोग में त्वचा पर लालिमा के साथ साथ खुजली, जलन, दर्द व स्त्राव भी उत्पन्न होता है। सोरायसिस रोग के पांच प्रकारो में से प्लाक सोरायसिस अधिकांश लोगों में पाया जाता है। सोरायसिस से पीडित रुग्ण न केवल शारीरिक लक्षणों का सामना करते है, बल्कि दर्द व खुजली के कारण सामाजिक तौर पर लोगो से मिलन–जुलने में बाधा महसूस करते है। सोरायसिस के प्राथमिक लक्षण जैसे खुजली, जलन व दर्द की चिकित्सा के लिए प्राकृतिक जड़ी–बूटीयो से निर्मित योग; सुरक्षित व प्रभावी सिध्द होते है। अतः एक ऐसे प्राकृतिक योग की आवश्यकता है जो सोरायसिस के मूल कारण पर चिकित्सा कर खुजली, जलन, लाल चकत्तों, श्वेत पपड़ी, दर्द इत्यादि लक्षणों से राहत दिलाकर, रुग्ण के आत्मविश्वास व जीवनशैली की गुणवत्ता को बढ़ाये।

उपाय

डेल्टास सोरिनो टैबलेट रोग प्रतिरक्षा का नियमन करने वाली जड़ी–बूटीयों का प्राकृतिक योग है। इसकी घटक जड़ी–बूटीयो पर किए गए संशोधक अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि ये सोरायसिस के लक्षणो को बढ़ाने वाले (TNF- α) (सूजन, श्वेत पपड़ी व लालिमा को बढ़ाने वाला शारीरिक तत्व) का शमन करते है। इस तरह सोरिनो टैबलेट सोरायसिस के लक्षणो का शमन करने वाली प्राकृतिक उपाय है। साथ ही अन्य कई त्वचा की विकृतियों में भी सोरिनो टैबलेट व्रण रोपण कर त्वचा को निरोगी रखने में सहायक है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास सोरिनो टैबलेट के प्राकृतिक औषधीय गुणो से परिपूर्ण घटक द्रव्य जैसे नीम, सहिंजन, खदिर और मंजिष्ठा त्वचा के ऊपरी सतह की कोशिकाओं के निर्माण प्रक्रिया की गति को सामान्य कर, श्वेत पपड़ी, लाल चकत्तो (प्लाक) का शमन करते है। साथ ही मंजिष्ठा अपने केराटोलायटिक (Keratolytic) गुण द्वारा त्वचा की मृत त्वचा कोशिकाओं का परिमार्जन कर, त्वचा को मुलायम व नरम बनाती है। इस योग के सभी घटक द्रव्य त्वचा की कोशिकाओं के निर्माण की गति को सामान्य कर, प्लाक तथा सूजन का शमन करते है। साथ ही रोगाणु विरोधी गुण द्वारा सभी प्रकार के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान कर, रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाते है। किसी भी प्रकार के रसायनिक तत्व एवं स्टेरॉयड से रहित सोरिनो टैबलेट पूर्णतः प्राकृतिक योग है। सोरिनो टैबलेट का उपयोग सभी आयुवर्ग के व्यक्ति कर सकते है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.ग्रा., सोरिनो टैबलेट में निम्न घटक द्रव्य हैं: नीम १००मि.ग्रा., सहिंजन १००मि.ग्रा., खदिर ८०मि.ग्रा., मंजिष्ठा ६०मि.ग्रा., गिलोय ६०मि.ग्रा., दारुहल्दी ५०मि.ग्रा., त्रिफला ४०मि.ग्रा., बाकुची १५मि.ग्रा., शिरीष ४५०मि.ग्रा., स्वर्णगैरिक १५मि.ग्रा., शुद्ध गंधक (शास्त्रोक्त) १०मि.ग्रा., अन्य घटक द्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• सोरायसिस रोग में: २ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • विभिन्न त्वचा रोगों में: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचा की एलर्जी में: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचा पर चकत्ते: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचागत संक्रमण: १–२ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचा पर फोड़ा/फुंसी: २ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचा के कटने/छीलने पर: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • त्वचा की खुजली: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले • मुहांसे: १ टैबलेट रोजाना दिन में २ बार भोजनोपरांत ले।

मार्गदर्शन

• **सोरायसिस रोग:** सोरिनो क्रीम और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **विभिन्न त्वचा रोगों में:** सोरिनो क्रीम और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल, लिवकेयर टैबलेट और आमला जूस के साथ ले • **त्वचा की एलर्जी:** सोरिनो क्रीम और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **त्वचा पर चकत्ते:** सोरिनो क्रीम और डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल के साथ ले • **त्वचागत संक्रमण:** सोरिनो क्रीम और वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **त्वचा पर फोड़ा/फुंसी:** सोरिनो क्रीम और लिवकेयर टैबलेट और पंचतुलसी ड्रॉप्स के साथ ले • **त्वचा के कटने/छीलने पर:** सोरिनो क्रीम और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले • **त्वचा की खुजली:** सोरिनो क्रीम, डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल और लिवकेयर टैबलेट के साथ ले • **मुहांसे:** सोरिनो क्रीम और फेस निखार क्रीम का उपयोग करे।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Sirish
Albizzia lebbeck

- सोरायसिस, एग्ज़िमा, त्वचा की एलर्जी, चकत्ते, फंगल/बैक्टिरियल त्वचा संक्रमण को कम करने में सहायक
- खुजली से त्वचा पर होने वाली सूजन व पपड़ी एवं पित्ती को कम करने में सहायक
- मुहासों को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

सोरिनो टैबलेट

त्वचा विकार के आंतरिक कारणों की रोकथाम कर जलन, सूजन, पपड़ी और लालिमा से आराम पाए

त्वचा व्याधिरोधक क्षमता का विकास करने वाली जड़ी–बूटीयों के योग से त्वचा के सूखेपन में राहत दे; सूजन, लालिमा, खुजली कम करें, त्वचा की इम्युनिटी बढ़ाएं, पपड़ी बनने की गति न्यूनतम होकर सोरायसिस में राहत पाएं।

टॉप ओमेगा कैप्सूल

टॉप ओमेगा प्राकृतिक दुर्लभ जड़ी बूटियों से संगृहीत फैटी एसिड युक्त शारीरिक व मानसिक थकान दूर करने के लिए एक आयुर्वेदिक समाधान

आज की दौड़.भाग की ज़िंदगी में सभी आयु वर्गों के लिये शारीरिक व मानसिक थकान एक सामान्य स्थिति बन चुकी है। फैटी एसिड और आवश्यक फैटी एसिड (EFA) खाद्य तेलों में प्राकृतिक संपूर्ण आहार के रूप में पाए जाते हैं। अनावश्यक फैटी एसिड पाचन क्रिया द्वारा निर्मित होते हैं परंतु आवश्यक फैटी एसिड शरीर द्वारा नहीं बनाए जा सकते इसलिए आवश्यक फैटी एसिड की पूर्ति केवल प्राकृतिक तैलीय आहारों के माध्यम से ही संभव है।

अनियमित दिनचर्या और आधुनिक जीवन शैली के प्रभाव स्वरूप प्रतिदिन लिए जाने वाले आहार में आवश्यक तेलों जैसे तेल, घी और फ़ैट के कम उपयोग के कारण (जिनमें अतिआवश्यक फैटी एसिड शामिल हैं), शरीर में इनकी कमी हो जाती है। जिससे माँसपेशियों, नसों व मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अतिआवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति नही हो पाती जिसके कारण शरीर में हमेशा जकड़न, सुस्ती व थकान महसूस होती है। दूसरी तरफ तेल, घी और वसा के ज़्यादा उपयोग से मोटापा, हाई बी.पी., शुगर आदि जैसे पाचन क्रिया संबंधी रोग हो जाने का डर सताता हैं। ऐसी भ्रमित विचारधारा के फलस्वरूप टॉप ओमेगा कैप्सूल का प्राथमिक उद्देश्य, अनावश्यक फैटी एसिड की मात्रा को ना बदाते हुए, फैटी एसिड और अतिआवश्यक फैटी एसिड का संतुलित सेवन प्रदान करते हुए शरीर को रोगमुक्त बनाए रखना है।

समाधान

टॉप ओमेगा कैप्सूल बनाते वक्त टॉपटाइम द्वारा प्रयोग की जाने वाली कम रोशनी एवं तापमान वाली आधुनिक तकनीक यह सुनिश्चित करती है कि ओमेगा ३,६,७ और ६ फैटी एसिड की माइक्रो संरचना शुद्ध एवं पूर्ण हो ताकि यह शरीर में अतिआवश्यक व अनावश्यक फैटी एसिडस का संतुलन बनाए रख सकें।

उत्पाद

टॉप ओमेगा कैप्सूल ६ प्रकार के विशेष प्राकृतिक शुद्ध बीजों के तेल जैसे अखरोट के तेल, भांग के बीज के तेल, सरसो के तेल, सोयाबीन के तेल, जैतुन के तेल और अलसी बीज के संशोधित तेल से बनाया जाता है। यह संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पेड़ पौधों से संगृहीत, अतिआवश्यक और दुर्लभ फैटी एसिड प्रदान करता है।

अखरोट का तेल ओमेगा ३ फैटी एसिड एवं भांग के बीज का तेल स्वस्थ फ़ैट, आवश्यक फैटी एसिड व उच्च प्रोटीन का अच्छा स्रोत है और इसमें उच्च मात्रा में विटामिन ई, फॉस्फोरस, पोटेशियम, सोडियम, मैग्नीशियम, सल्फर, कैल्शियम, आयरन और ज़िंक पाए जाते हैं। सरसो का तेल मोनो. अनसैचुरेटेड फैटी एसिड से भरपूर होता है। लेह बेरी तेल से संग्रहित ओमेगा ७, स्वस्थ त्वचा बनाए रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार है।

इस प्रकार टॉप ओमेगा कैप्सूल में संपूर्ण पौष्टिक क्षमता होती है जो नसों व माँसपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है।

संघटन

प्रत्येक ५०० मिलीग्राम टॉप ओमेगा कैप्सूल में निम्नलिखित तत्व होते हैं। अलसी बीज का तेल १०० मिलीग्राम, सरसों के बीज का तेल ८० मिलीग्राम, अखरोट का तेल ५० मिलीग्राम, भांग के बीज का तेल ५० मिलीग्राम, सोयाबीन के बीज का तेल ४० मिलीग्राम, जैतुन के बीज का तेल २५ मिलीग्राम, बद्रीफल का तेल १० मिलीग्राम व पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

प्रयोग

• मस्तिष्क के पोषण में सहायक, नसों को ताक़त प्रदान कर रक्त संचलन को व्यवस्थित करता है। • जोड़ विकार - माँसपेशियों को होने वाली हर प्रकार की क्षति से राहत प्रदान करता है। ऊतक स्वास्थ्य, शारीरिक आभा का तेज़, मायलजिया एवं जोड़ों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है।• हृदय की स्थिति - हाई बी.पी. और हृदय स्वास्थ्य में सहायक। • शारीरिक, मानसिक थकान और दृष्टि के रखरखाव में उपयोगी।

उपयोग

१ कैप्सूल दिन में दो बार या चिकित्सक द्वारा रखरखाव खुराक के रूप में निर्देशित किया जाता है। आर.डी.ए. के अनुसार, न्यूनतम ४ ग्राम खुराक यानी प्रति दिन ८ कैप्सूल का सेवन किया जा सकता है। पुरानी बीमारियों से राहत के लिए, कठोर गतिविधियों, खेल में शामिल लोगों के लिए ४ ग्राम खुराक बताई जाती है।

निर्देश

• **हाइपरलिपीडीमिया के लिए:** टॉप ओमेगा कैप्सूल के साथ व्हीटग्रास कैप्सूल का उपयोग करें।
• **जोड़ों में विकारों के लिए:** टॉप ओमेगा कैप्सूल के साथ जोड़ाराम टैबलेट और तेल का उपयोग करें।
• **त्वचा के पोषण के लिए:** टॉप ओमेगा कैप्सूल के साथ न्यूस्किन कैप्सूल का उपयोग करें।
• **रोगप्रतिरोधक क्षमता:** टॉप ओमेगा कैप्सूल के साथ पंच तुलसी ड्रॉप्स का उपयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Flax Seed
Linum usitatissimum

- विभिन्न ड्राई फ्रूट्स के तैल को पाउडर बनाने वाली पेटेंट पद्धति से निर्मित योग
- यह ओमेगा 3, ओमेगा 6, ओमेगा 7 और ओमेगा 9 का संयुक्त दुर्लभ प्राकृतिक योग है
- न्यूरोंस का पोषण एवं नसों की कमज़ोरी दूर करने के लिए प्रभावशाली आयुर्वेदिक योग
- बढ़ती उम्र के साथ आँखों, हृदय एवं जोड़ों में होने वाले कुपोषण को दूर करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

टॉप ओमेगा कैप्सूल

मानव स्वास्थ्य के लिए बेहतर रूप से तैयार किए गए, जड़ी–बूटियों से संगृहीत, आवश्यक और दुर्लभ फैटी एसिड

नसों व मस्तिष्क के ऊतकों को पोषण प्रदान करता है और मांसपेशियों में होने वाली कैसी भी क्षति में तेजी से राहत प्रदान करने में सहायक

टॉप मोरिंगा कैप्सूल

मोरिंगा तेल से समृद्ध - सूजन को कम करने में सहायक

मानव स्वास्थ्य के लिए बेहतर रूप से तैयार किए गए जड़ी–बूटियों से संगृहीत आवश्यक और दुर्लभ फैटी एसिड आज हम सब ख़ान. पान की बुरी आदतों को अपना चुके है जिसका हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव देखा जा सकता है। विकासशील देशों में जंक फूड, डिब्बा बंद तैयार भोजन, उच्च वसा एवं कैलोरी युक्त खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती खपत से होने वाले रोगों जैसे मोटापा, हैज़ा, पानी की कमी होना, हृदय संबंधी समस्याओं, शुगर और गठिया में असामान्य रूप से तेज़ी देखी गयी है।

वैश्विक स्तर पर ऐसे पोषण रहित आहार का लगातार सेवन करने से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों ने फलों, सब्जियों और साबुत अनाज सहित एक पोषण युक्त आहार खाने की ज़रूरत को उजागर किया है जो शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर ख़तरनाक बीमारियों से बचाने में मदद करता हैं। लेकिन आज के इस आधुनिक युग में प्रतिदिन संतुलित आहार का सेवन बहुत चुनौतीपूर्ण है। इसलिए एक ऐसे विकल्प की आवश्यकता है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों एवं विटामिन की पूर्ति कर सके।

समाधान

टॉप मोरिंगा कैप्सूल को मोरिंगा बीजों के कोल्ड प्रेस्ड तकनीक द्वारा संगृहीत तेल से तैयार किया जाता है जो फाइटोस्टेरॉल, विटामिन ए और विटामिन ई का समृद्ध स्रोत है। टॉप मोरिंगा कैप्सूल का नियमित सेवन नसों, माँसपेशियों और जोड़ों की सूजन को कम करता है और प्रोस्टेट (गदूद) बढ़ने की अवस्था में उपयोगी होता है। यह कई प्रकार के पोषक तत्वों से समृद्ध योग है जो वात और कफ दोषों को संतुलित करते हुए रोगों को कम करने में मदद करता है।

उत्पाद

टॉप मोरिंगा कैप्सूल, जैविक तरीके से उगाए गये मोरिंगा ओलियफेरा (सहजन) की पत्ती के पाउडर और बीज के तेल से बना है। डेल्टास फार्मा द्वारा अविष्कार कर इस्तेमाल की जाने वाली विशेष पेटेंट तकनीक द्वारा मोरिंगा तेल को पाउडर स्वरूप में परिवर्तित कर कैप्सूल रूप में बनाया गया है जो तेल में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के शीघ्र अवशोषण में सहायक है। टॉप मोरिंगा कैप्सूल में प्रयोग किया जाने वाला तेल, विशिष्ट रूप से शुद्ध और दुर्लभ अमीनो एसिड युक्त, उच्च स्तरीय संवेदनशील निष्कर्षण विधि से निकाला जाता है।

टॉप मोरिंगा कैप्सूल का उपयोग सूजन को कम करने, उत्तेजना एवं आनंद के लम्हों को बढ़ाने, रोगप्रतिरोधक क्षमता और स्तनपान के दौरान दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन और खनिज भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। एंटीऑक्सिडेंट के रूप में, यह कोशिकाओं के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। मोरिंगा की पत्तियों, फूलों और बीजों में फ्लेवोनोइड्स, पॉलीफेनोल और एस्कॉर्बिक एसिड नामक एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर में विभिन्न अंगों की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स के संक्रमण से होने वाले आंतरिक नुकसान एवं क्षय से बचाकर स्वस्थ रखते हैं। पिपली का अर्क शीघ्र अवशोषण बढ़ाने के लिए डाला जाता है। इस योग सूत्र में प्रयोग की गई सभी जड़ी–बूटियाँ एक दूसरे के औषधीय प्रभाव को बढ़ाती हैं।

टॉप मोरिंगा कैप्सूल मेटाबोलीज़्म स्वास्थ्य को बढ़ाते हुए शुगर के लक्षणों को कम करने में मदद करता ह। पाचन क्रिया एवं हृदय कार्य प्रणाली को संतुलित करता है। मस्तिष्क स्वास्थ्य को बनाए रखता है और घाव भरने की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए आज की अव्यवस्थित जीवन शैली के दौर में, उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए टॉप मोरिंगा कैप्सूल का दैनिक आधार पर नियमित सेवन करना चाहिये।

संघटन

प्रत्येक ५००मिलीग्राम टॉप मोरिंगा कैप्सूल में निम्नलिखित तत्व शामिल हैं: सहजन का तेल ४५०मिलीग्राम, पिप्पली २५मिलीग्राम व पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

उपयोग

१ कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद या चिकित्सक द्वारा निर्देशित।

निर्देश

• **जोड़ों में विकारों के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ जोड़ाराम टैबलेट और तेल का उपयोग करें। • **पुराने साइनस के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ पंच तुलसी ड्रॉप्स का उपयोग करें। • **त्वचा के विकारों के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ न्यूस्किन कैप्सूल एवं एक्टिव आँवला जूस का उपयोग करें। • **मधुमेह के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ डायकेयर रस एंड टेबलेट का उपयोग करें। • **कीड़े के संक्रमण के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ पंच तुलसी ड्रॉप्स का उपयोग करें। • **आँखों के स्वास्थ्य के लिए:** टॉप मोरिंगा कैप्सूल के साथ विजन एड कैप्सूल एंड नयनसुख आई ड्रॉप्स का उपयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Bakuchi
Psoralea corylifolia

- सहजन तैल को पाउडर बनाने वाली पेटेंट पद्धति से निर्मित योग
- शरीर में आयरन और फाइबर की पूर्ति बनाए रखने के लिए एक प्राकृतिक समृद्ध स्रोत
- मॉरिंगा (सहजन) में प्राकृतिक प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा की चमक, ओज़ एवं कोमलता को बनाए रखता है
- जोड़ों में होने वाली जकड़न, सूजन एवं अन्य विकारों को कम करने में सहायक
- इसमे पाए जाने वाले भरपूर एंटी ऑक्सिडेंट एवं विटामिन ई, ए और के, आँखों का स्वास्थ्य बनाए रखने में अत्यंत लाभदायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

टॉप मोरिंगा कैप्सूल

सूजन निवारक गुणों से भरपूर प्राकृतिक मोरिंगा तेल युक्त योग

जोड़ों में सूजन एवं दर्द जैसे विकारों को कम करने और आंखों की रोशनी बनाए रखने में सहायक

ENRICHED WITH APHRODISIAC HERBS • ROYAL JELLY & NATURAL HONEY •

रॉयल हनी फॉर हिम

पुरुषों के लिए कामोद्दीपक जड़ी बूटी योग

आज के आधुनिक युग में पुरुष रोजमर्रा की व्यस्त जीवनशैली के फलस्वरुप कामेच्छा की कमी अथवा यौन जीवन में निराशा महसूस करते है। जिसका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होता है। कामेच्छा की कमी के मानसिक कारकों में चिंता, अवसाद, तनाव, भय आदि शामिल है। साथ ही अत्याधिक धूम्रपान, अल्कोहल का सेवन इत्यादि का यौन शक्ति पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

कई स्त्री–पुरुषों के वैवाहिक जीवन में यौन शक्ति की कमी की समस्या नहीं होती लेकिन फिर भी वे अपने संबंधो में असंतुष्टी का अनुभव करते है। इस समस्या का प्रमुख कारण पुरुषों में शारीरिक ऊर्जा, शक्ति एवं उत्तेजना की कमी है। अतः एक ऐसे पौष्टिक उपाय की आवश्यकता है जो शरीर को उच्चतम पोषण प्रदान कर काम उत्तेजना एवं यौन शक्ति को बढ़ाकर, यौन संबंधो के अनुभव को सुखदायी बनाए।

समाधान

डेल्टास रॉयल हनी फॉर हिम एक शहद आधारित योग है। यह शक्तिशाली कामोत्तेजक जड़ी–बूटियों का एक विशेष मिश्रण है जो जीभ के नीचे तुरंत अवशोषित होकर रक्त संचार, शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाता है। डेल्टास रॉयल हनी फॉर हिम पुरुषों के यौन शक्ति को बढ़ाकर, शरीर में कामोत्तेजक एंटी–ऑक्सीडेंट क्रिया के उच्चतम स्तर को बनाए रखता है।

उत्पाद

डेल्टास रॉयल हनी फॉर हिम एक शक्तिशाली शहद आधारित सूत्रीकरण है जिसमें शुद्ध शहद, गोक्षुर, चन्द्रशूर और अजमोद जैसी जड़ी–बूटियाँ शामिल है। यह कामोद्दीपक जड़ी–बूटियों का एक अनूठा मिश्रण है जो तुरंत जीभ के नीचे अवशोषित होकर शरीरगत शक्ति, ऊर्जा, आंतरिक बल और कामेच्छा में वृद्धि करता है। शहद शरीर में अमीनो एसिड, विटामिन, एंटी–ऑक्सीडेंट और चयापचय संबंधी एंजाइम की आपूर्ति का एक त्वरित स्रोत है। ये सभी पोषक तत्व शरीर का पोषण कर; एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा प्राकृतिक रुप से शरीर की कोशिकाओं की क्षतिपूर्ति करते है। इसमें उपस्थित चयापचय संबंधी एंजाइम पोषक तत्वों के शीघ्र अवशोषण में योगदान करते है, जिसके फलस्वरुप योग का प्रभाव तुरंत शुरु हो जाता है। गोक्षुर शरीरगत टेस्टोस्टेरोन नमक हार्मोन का वर्धन करने में सहायक है और साथ ही ओज और पौरुष शक्ति में वृद्धि करते है। चन्द्रशूर शारीरिक ऊर्जा एवं मांसपेशियों की दृढ़ता बढ़ाने में सहायक है। अजमोद दीर्घ काल तक उत्तेजना और कामेच्छा को बनाये रखता है।

इस प्रकार रॉयल हनी फॉर हिम पुरुषो में शारीरिक ऊर्जा, शक्ति एवं कामेच्छा का वर्धन कर दीर्घकालीन थकान रहित सुख प्राप्ति के लिए सहायक योग है।

संघटन

शुद्ध शहद ६४.६८%; गोक्षुर (फल) २%; सत्व, चंद्रशुर (बीज) २%; सत्व, कावा कावा (मूल) १%; सत्व, अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

रोजाना एक बार १ पाउच (२०ग्राम) या डॉक्टर की सलाह के अनुसार।

निम्नलिखित स्थितियों में प्रयोग करें:

• यौन क्षमता की कमी • यौन क्रिया के दौरान प्रदर्शन बढ़ाने में • सहवास के पश्चात आने वाली थकान के लिए।

निर्देश

• **यौन क्षमता की कमी:** रॉयल हनी फॉर हिम के साथ नाइटमैक्स रस, व्हीटग्रास टैबलेट और स्पिरुलिना टैबलेट का प्रयोग करें • **यौन क्रिया के दौरान क्षमता बढ़ाने के लिए:** रॉयल हनी फॉर हिम के साथ नाइटमैक्स कैप्सूल का प्रयोग करें • **वर्कआउट के बाद:** रॉयल हनी फॉर हिम के साथ व्हीटग्रास टैबलेट का प्रयोग करें • **सहवास के बाद थकान:** रॉयल हनी फॉर हिम के साथ व्हीटग्रास टैबलेट का प्रयोग करें।

Presentation: 12 Sachets

KEY INGREDIENT(S)

Gokshur
Tribulus terrestris

Chadrashur
Lipidum Sativum

- शारीरिक शक्ति एवं संतुलन बनाए रखने में सहायक
- मिलन के लम्हों को आनंदित करने व बढ़ाने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

रॉयल हनी फॉर हिम

परिपूर्ण जीवनशक्ति हेतु मधुयुक्त आयुर्वेदिक योग

रॉयल हनी फॉर हिम, कामोद्दीपक जड़ी बूटियों का अनूठा मिश्रण, जिव्हा पर अवशोषित होकर; रक्त परिसंचरण, शरीरगत ऊर्जा और कामेच्छा में वृद्धि करे।

SUPPORT LIBIDO FOR HIM & HER • ENRICH NATURAL STAMINA •

नाइटमैक्स रस

कामोद्दीपक गुणों से परिपूर्ण जड़ी–बूटी तथा इनके कार्यकारिता को बढ़ाने वाले फाइटोसोम्स का अनुभूत योग

आज के आधुनिक युग में युवा स्त्री व पुरुष रोजमर्रा की व्यस्त जीवनशैली के फलस्वरुप कामेच्छा की कमी अथवा यौन जीवन में निराशा महसूस करते है। जिस के कारण हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विपरित परिणाम होता है। पुरुष एवं महिलाओं में दोनो में ही कामेच्छा की कमी के मानसिक कारको में चिंता, अवसाद, तनाव, भय, मस्तिष्क संबंधी विकार व आघात, न्यूरोलोजिकल विकार जैसे पार्किनसन्स रोग, अल्जायमर एवं निद्रा संबंधी विकार शामिल है। शारीरिक कारको में किडनी एवं यकृत के विकार, मल्टिपल स्क्लेरोसिस एवं दीर्घकालिक श्वसन प्रणाली के रोग शामिल है। अत्याधिक धुम्रपान एवं अल्कोहल का सेवन, यौन शक्ति पर हानिकारक परिणाम करते है। साथ ही बढ़ती उम्र के साथ, शरीरगत हार्मोन के स्तर में आए बदलाव एवं दिर्घकालिक रोग भी यौन क्षमता को घटातें है। ऐसी स्थिती में एक ऐसे प्राकृतिक योग की आवश्यकता है जो शरीर को उच्चतम पोषण प्रदान कर काम उत्तेजना एवं यौन शक्ति को बढ़ाए।

उपाय

डेल्टास नाइटमैक्स रस प्राकृतिक जड़ी–बूटीयों से बना आयुर्वेदिक योग है। यह प्राकृतिक रुप से शरीरगत शक्ति, उर्जा व आंतरिक बल की वृध्दी करते है। नाइटमैक्स रस पौरुष शक्ति को बढ़ाने वाले कामोत्तेजक एंटी–ऑक्सीडेंट से बना योग है।

नाइटमैक्स रस के यौन शक्ति को बढ़ाने वाले घटक द्रव्य प्राकृतिक रुप से स्टेमसेल एक्टीवेटर कॉम्पलेक्स से परिपूर्ण है। शरीर के स्टेमसेल की कार्यक्षमता उम्र के साथ घटने लगती है। परंतु नाइटमैक्स रस स्टेमसेल का नविनीकरण कर, बिमारी एवं शारीरिक क्षय से निजात दिलाकर, स्वास्थ्य रक्षण करने में समर्थ है। डेल्टास नाइटमैक्स रस स्टेमसेल एक्टीवेटर कॉम्पलेक्स से युक्त एक विलक्षण योग है जो शरीरगत कोशिकाओं को क्रियान्वित कर, शरीर में शक्ति का संचार करता है। संक्षेप में नाइटमैक्स रस शारीरिक उर्जा एवं शक्ति को बढ़ाकर यौन संबंधो के अनुभव को सुखदायी बनाने वाला प्राकृतिक योग है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास नाइटमैक्स रस में उपलब्ध औषधी कपिकच्छु, गोक्षुर और शतावरी शरीरगत टेस्टोस्टेरान नामक हार्मोन का वर्धन करने में सहायक है। यह ओज और शारीरिक शक्ति की वृध्दी करते है। तालमखाना, अतिबला तथा नागबला प्राकृतिक रुप से शरीर में शक्ति का संचार कर, मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है।

यह शरीर का पोषण कर; प्राकृतिक रुप से शरीर की कोशिकाओं की क्षतिपूर्ती कर, शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाते है। नाइटमैक्स रस ओजवर्धन का कार्य कर, स्त्री व पुरुषो में शारीरिक शक्ति एवं कामशक्ति की वृध्दि कर, यौन संबंध के अनुभव को सुखदायी बनाता है।

संयोजन

प्रत्येक १०मि.लि. नाइटमैक्स रस में निम्नलिखित घटक हैं: कपिकच्छु (बीज) ३०%, शतावरी (कंद) २०%, गोक्षुर (फल) १५%, तालमखाना (बीज) १५%, अतिबला (जड़) १०%, नागबला (जड़) १०%, अन्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• स्वास्थ्यवर्धन: १०मि.लि. रोजाना २ बार (स्त्री एवं पुरुष) • कामेच्छा की कमी: पुरुष–२०मि.लि.३ बार, स्त्री –२०मि.लि. रोजाना २ बार • कुपोषण/कमजोर शरीर: १०मि.लि. रोजाना २ बार (स्त्री एवं पुरुष) • साधारण शक्तिवर्धन: २०मि.लि. रोजाना २ बार (स्त्री एवं पुरुष) • कामशक्तिवर्धन: पुरुष–३०मि.लि. रोजाना ३ बार स्त्री–२०मि.लि. २ बार • व्यायाम/कसरत पश्चात: २०मि.लि. रोजाना फलरस या प्रोटीन शेक में • वजन बढ़ाने हेतु: १५मि.लि. रोजाना २ बार (स्त्री एवं पुरुष)। नाइटमैक्स रस ओजवर्धन के लिये सामान्य रुप से भोजन के पहले लेना योग्य होता है।

मागदर्शन

• **स्वास्थ्यवर्धन:** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **कामेच्छा की कमी:** वीटग्रास टैबलेट और रॉयल हनी के साथ ले • **कुपोषण:** ऐलोवेरा जूस के साथ ले। • **साधारण शक्तिवर्धन:** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **कामशक्तिवर्धन:** नाइटमैक्स कैप्सूल और रॉयल हनी के साथ ले • **व्यायाम/कसरत पश्चात:** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **भारवृध्दी:** वीटग्रास टैबलेट और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 500ml

KEY INGREDIENT(S)

Kapikacchu
Mucuna pruriens

Gokshur
Tribulus terrestris

- आनंद के लम्हों को चरम स्तर पर बनाए रखने में सहायक
- उत्साह, उमंग एवं बल बढ़ाने वाली जड़ी–बूटियों के सत्व से निर्मित, शारीरिक कोशिकाओं को उत्तेजित करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

नाइटमैक्स रस

स्त्रियों एवं पुरुषों की कामेच्छा और वाजीकर शक्ति के लिए गुणकारी जड़ी–बूटियों का सार

डेल्टास नाइटमैक्स रस, कामोद्दीपन एवं कामशक्ति बढ़ाने वाले जड़ी–बूटियों के सार तथा हर्बल स्टेम सेल एक्टिवेटर के गुणों से सम्पन्न पेय; सर्वांगीण शक्ति एवं उत्साह को बनाये रखे ।

नाइटमैक्स टैबलेट

पुरुषों में स्तंभन और कामशक्ति के लिए अनुभूत योग

यौन संबंधो के दौरान दुर्बलता एक गंभीर वैद्यकीय और व्यापक समस्या है। यह लक्षण करीब–करीब १०–५२ प्रतिशत पुरुष तथा २५–६३ प्रतिशत महिलाओं में पाया जाता है। यौन दुर्बलता को यौन संभोग में निरंतर असंतुष्टी के रुप में परिभाषित किया जा सकता है। आयु बढ़ने के साथ प्राकृतिक रुप से यौन शक्ति में अल्पता आती है परंतु आधुनिक जीवनशैली व तनाव के कारण यौन दुर्बलता के लक्षण मध्यम आयु वर्ग के पुरुषो में भी पाए जाते है। यौन दुर्बलता के कई शारीरिक व मानसिक कारक है। मानसिक कारको में चिंता, अवसाद, तनाव, भय, हीनभावना इत्यादि शामिल है, साथ ही शारीरिक कारको में मधुमेह, धुम्रपान, रक्त में कोलेस्ट्रोल एवं ट्रायग्लीसराईड की अधिकता, न्यूरोलोजॉकिल विकार, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप इत्यादि शामिल है। बढ़ती उम्र के साथ शरीरगत हार्मोन्स के स्तर में आए बदलाव एवं दीर्घकालिक रोग भी यौन क्षमता को कम करते है। साथ ही उच्च रक्तचाप, मनोवैज्ञानिक विकार एवं मधुमेह की एलोपैथिक दवाईयों का अत्याधिक सेवन भी यौन दुर्बलता के कारक है। अतः एक ऐसे प्रभावी विकल्प की आवश्यकता है जो प्राकृतिक रुप से शारीरिक उर्जा, उत्तेजना और यौन शक्ति को बढ़ाने में सहायक है। जिससे स्थिरता में वृध्दी होकर, सुखप्रद यौन संबंध की प्राप्ती हो सके।

उपाय

डेल्टास नाइटमैक्स टैबलेट प्राकृतिक जड़ी–बूटीयो से बना आयुर्वेदिक योग है। यह प्राकृतिक एवं स्वाभाविक रुप से शरीरगत शक्ति, उर्जा एवं आंतरिक बल को बढ़ाकर; यौन दुर्बलता को दूर कर, यौन संबंधो के अनुभव को सुखदायक बनाने में सक्षम है। यह योग अपने घटक द्रव्यो के एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा शारीरिक उर्जा, शक्ति एवं स्थिरता को बढ़ाकर कामेच्छा में वृध्दि करता है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास नाइटमैक्स टैबलेट में उपस्थित अश्वगंधा, तालमखाना, विदारीकंद, क्रौंच, गोक्षुर तथा जायफल टेस्टोस्टेरान नामक पौरुष स्त्राव का शरीर में वर्धन करने में सक्षम है। अपने स्थिरता तथा काम शक्ति की वृध्दि करने वाले गुण द्वारा उपरोक्त घटक यौन इच्छा को बढ़ाकर यौन क्रिया के अनुभव को दीर्घकालिक बनाते है। श्वेत मुसली, अकरकारा, दालचिनी, लवंग, पिप्पली इत्यादि मानसिक तनाव एवं अवसाद को कम कर, कामेच्छा में वृध्दि करते है। इसके घटक जड़ी बूटीयां मस्तिष्क की सुखद अनुभव से जुड़े हार्मोन्स के उत्पादन को उत्तेजित करती है।

साथ ही नाइटमैक्स टैबलेट के सभी घटक द्रव्य अपने एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा कोशिकाओं की क्षतिपूर्ती कर, अवयव में रक्त परिसंचरण को बढ़ाते है। नाइटमैक्स टैबलेट का अनुभूत योग पुरुषो में शारीरिक उर्जा, शक्ति एवं कामेच्छा का वर्धन कर, दीर्घकालीन थकान रहित सुख प्राप्ती के लिए सहायक है।

संयोजन

प्रत्येक १०००मि.लि., नाइटमैक्स टैबलेट में निम्न घटक हैः अश्वगंधा (जड़) १००मि.ग्रा., तालमखाना (बीज) १००मि.ग्रा., विदारीकंद (कंद) १००मि.ग्रा., गोक्षुर (फल) ८०मि.ग्रा., जायफल (बीज) २०मि.ग्रा., क्रौंच (बीज) ८०मि.ग्रा., श्वेतमुसली (जड़) १००मि.ग्रा., अकरकरा (जड़) १००मि.ग्रा., शिलाजीत (स्त्राव) ५०मि.ग्रा., लोंग (फूल) ५०मि.ग्रा., दालचीनी (छाल) ५०मि.ग्रा., पिप्पली (फल) २०मि.ग्रा., अखरोट (बीज) २०मि.ग्रा., छार्रेला (पंचाग) ३५मि.ग्रा., केशर (छत्र) ५मि.ग्रा. अन्य (यथावश्यक)।

उपयोग

• कामेच्छा का अभावः २ सप्ताह तक –१ टैबलेट दिन में २ बार अगले ४ सप्ताह तक १ टैबलेट दिन में १ बार • यौनशक्ति के लिएः ४ सप्ताह तक १ टैबलेट दिन में २ बार तत्पश्चात १ टैबलेट रात्री में गर्म दूध के साथ • शुक्राणुवृध्दी के लिएः १२ सप्ताह तक १ टैबलेट दिन में २ बार तत्पश्चात १ टैबलेट हर रात्री गर्म दूध के साथ • व्यायाम/वर्जिश पश्चातः १ टैबलेट फलरस या प्रोटीन शेक के साथ • भारवर्धन हेतुः १ टैबलेट रोजाना ३–४ सप्ताह तक। नाइटमैक्स टैबलेट यौनशक्ति के लिए सामान्य रुप से भोजन के १ घंटे बाद लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **कामेच्छा का अभावः** वीटग्रास टैबलेट और रॉयल हनी फॉर हिम के साथ ले • **शुक्राणुवृध्दीः** वीटग्रास टैबलेट और डेल्टास एक्टिव मॅन के साथ ले • **कामशक्तिवर्धनः** नाइटमैक्स रस और रॉयल हनी फॉर हिम के साथ ले • **कसरत के बादः** वीटग्रास टैबलेट के साथ ले • **भारवर्धन हेतुः** वीटग्रास टैबलेट और स्पिरुलीना टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 1X30 Tablets

KEY INGREDIENT(S)

Ashwagandha
Withania somnifera

- १६ प्राकृतिक जड़ी–बूटियों के योग द्वारा आनंद के लम्हों को बनाए रखने में सहायक
- आंतरिक शक्ति एवं संतुलन बनाए रखने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

नाइटमैक्स टैबलेट

कामोद्दीपक और वाजीकर जड़ी–बूटी युक्त; दृढ़ता, शक्ति और उत्साहवर्धक योग

डेल्टास नाइटमैक्स टैबलेट में उपस्थित कामोद्दीपक एवं वाजीकर जड़ी–बूटीयां, रक्त संचार बढ़ाकर, दृढ़ता एवं उत्साह बढ़ाये, एंटी–ऑक्सीडेंट औषधियों के गुणों से परिपूर्ण जड़ी, शरीर की कोशिकाओं की क्षति को कम करते हुए शक्तिवर्धन करे।

ब्रह्म रसायन

अष्टांग हृदय में वर्णित एंटी–एजिंग एवं रसायन योग

आज के युग में चिंता और तनाव जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। प्रदूषण, धूम्रपान एवं मदिरापान जैसी खराब आदतों और बढ़ती तनावपूर्ण जीवनशैली के हानिकारक प्रभावों में से एक फ्री रेडिकल्स द्वारा स्वस्थ कोशिकाओं को होने वाला नुकसान है, जिससे स्नायु संबंधी क्षति होती है। आज के स्पर्धात्मक युग में बच्चों में मानसिक तनाव विशेष रूप से चिंताजनक है; क्योंकि इससे स्मृति, ध्यान और स्मरण क्षमता में कमी आने का जोखिम बना रहता है। साथ ही अध्ययन क्षमता एवं दैनिक कार्य कुशलताए प्रभावित होकर, व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पडता है। परंतु आज बाजार में उपलब्ध कई मनोचिकित्सक दवाएं अपनी उच्च रासायनिक और व्यसनकारी प्रभाव के कारण सुरक्षित नहीं हैं। अतः एक ऐसी प्राकृतिक औषधीय योग की आवश्यकता है जो स्नायु संबंधी क्षति की क्षतिपूर्ति कर; स्मृति, एकाग्रता एवं मानसिक क्षमता का वर्धन करें।

समाधान

ब्रह्म रसायन मस्तिष्क कोशिकाओं को बल देने वाली जड़ी–बूटीयों का मिश्रण है। यह योग शरीर में स्नायु संबंधी क्षति को कम करने में विशिष्ट रुप से सहायक है। बाल्यावस्था एवं युवावस्था में मानसिक क्षमता का वर्धन करने के साथ–साथ मस्तिष्क संबंधी रोग एवं समृतिहानी में ब्रह्म रसायन उपयुक्त आयुर्वेदिक योग है।

उत्पाद

प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों के अनुसार ब्रह्म रसायन शरीर की क्षतिपूर्ति कर, शारीरिक तथा मानसिक थकावट को दूर करता है। यह जी.ए.पी. के कड़े मानकों के तहत जड़ी–बूटियों का एक विशेष मिश्रण है। इसमें उपलब्ध मेधा और स्मृति बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध शक्तिशाली मस्तिष्क औषधियाँ स्नायु क्षति संबंधी रोगों के उपचार में लाभदायक है। ब्राह्मी और वचा स्नायुओं की क्षतिपूर्ति कर स्मृति और मानसिक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। आमला न्यूरोट्रांसमिटर्स उत्पादन में सहायता करता है। लवंग, शालपर्णी आदि एण्टी–ऑक्सिडेंट गुण द्वारा मस्तिष्क कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से हुई क्षति की क्षतिपूर्ति करते है। पिप्पली एक समन्वित सूत्र में अवशोषण और जड़ी–बूटियों के असर को बढ़ाता है। इस प्रकार ब्रह्म रसायन प्रत्येक आयु और स्वास्थ्य स्थिति में, स्मृतिहानि, स्नायु संबंधित और मनोरोग विकारों के उपचार में उपयोगी है।

संघटन

हरितकी (फल) ६.६७%, आमलकी (फल) २०%, बिल्व (जड़) ०.४८%, अग्निमन्थ (तना) ०.४८%, स्योनक (जड़/तने की छाल) ०.४८%, गंभारी (जड़/तना) ०.४८%, पाटला (जड़/तना) ०.४८%, शालपर्णी (पौधा) ०.४८%, पृश्निपर्णी (पौधा) ०.४८%, ब्रिहति (पौधा) ०.४८%, कंटकारी (पौधा) ०.४८%, गोक्षुर (फल) ०.४८%, बला (जड़) ०.४८%, पुनर्नवा (जड़) ०.४८%, एरण्ड (जड़) ०.४८%, माषपर्णी (पौधा) ०.४८%, मुद्गपर्णी (पौधा) ०.४८%, शतावरी (जड़) ०.४८%, मेदा कंद (जड़) ०.४८%, जीवंती (पौधा) ०.४८%, जीवक कंद (जड़) ०.४८%, ऋषभक (जड़) ०.४८%, शाली (जड़) ०.४८%, काश (जड़) ०.४८%, शर (जड़) ०.४८%, दर्भ (जड़) ०.४८%, इक्षु (जड़) ०.४८%, त्वक् तना ०.१६२%, एला (बीज) ०.१६२%, मुस्ता (प्रकंद) ०.१६२%, हरिद्रा (प्रकंद) ०.१६२%, पिप्पली (फल) ०.१६२%, अगुरु की लकड़ी ०.१६२%, श्वेत चंदन (लकड़ी) ०.१६२%, मण्डुकपर्णी (पौधा) ०.१६२%, नागकेसर पराग ०.१६२%, शंखपुष्पी (पौधा) ०.१६२%, वचा (प्रकंद) ०.१६२%, प्लावा (प्रकंद) ०.१६२%, यष्टिमधु (जड़) ०.१६२%, विडंग (फल) ०.१६२%, सितोपला ३०%, सर्पि ४%, तिल तैल ३%, शहद १२%, जल।

उपयोग

वयस्कों को १२ग्राम (२ चम्मच) और बच्चों को ६ ग्राम (१ चम्मच) रोजाना दो बार भोजन के १–२ घंटे बाद अथवा चिकित्सक की सलाह के अनुसार दें।

निर्देश

• **ध्यान और स्मृति में कमीः** ब्रह्म रसायन का व्हीटग्रास टैबलेट और डी–स्ट्रेस कैप्सूल के साथ प्रयोग करें • **अनिद्राः** ब्रह्म रसायन का हिमनिद्रा डी–स्ट्रेस तेल के साथ प्रयोग करें • **शारीरिक और मानसिक थकानः** ब्रह्म रसायन का डी–स्ट्रेस कैप्सूल और आंवला जूस के साथ प्रयोग करें • **चिंताः** ब्रह्म रसायन का डी–स्ट्रेस कैप्सूल और एक्टिव मैन/लेडी कैप्सूल के साथ प्रयोग करें • **समय पूर्व बढ़ती उम्रः** ब्रह्म रसायन का व्हीटग्रास टैबलेट और ऐलोवेरा जूस के साथ प्रयोग करें • **परीक्षाओं/प्रतियोगिताओं के दौरानः** ब्रह्म रसायन का डी–स्ट्रेस कैप्सूल एवं नोनी जूस के साथ प्रयोग करें।

Presentation: 700g

KEY INGREDIENT(S)

Amlaki
Emblica officinalis

- संपूर्ण परिवार के स्वस्थ जीवन के लिए ४५ दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी–बूटियों का शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक योग
- बच्चों में एकाग्रता, वयस्कों में चेतना एवं बुजुर्गों में शांत चित को बनाए रखने के लिए एक सर्वोतम योग
- मानसिक एकाग्रता को बनाए रखने एवं नींद की अनियमितता को कम करने में सहायक
- उम्र के प्रभाव को कम करने एवं उम्र के हर पड़ाव पर मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

ब्रह्म रसायन

स्मृति, एकाग्रता और मानसिक क्षमता के वर्धन हेतु ऑर्गेनिक जड़ी–बूटियों का योग

ब्रह्म रसायन, व्याधि प्रतिरोधक एवं एंटी–ऑक्सीडेंट जड़ी बूटियों का योग, मस्तिष्क की कोशिकाओं की क्षतिपूर्ति एवं पोषण कर, मानसिक क्षमता का वर्धन करे। बाल्यावस्था से वृद्धावस्था तक मस्तिष्क सम्बन्धी रोग एवं स्मृतिहानी में उपयुक्त आयुर्वेदिक योग।

IMPROVES CIRCULATION • SUPPORTS CARDIAC HEALTH

टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल

हृदय और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए ओमेगा ३ फैटी एसिड का समृद्ध स्रोत

वर्तमान समय में प्रगतिशील देशों में हृदय संबंधित स्वास्थ्य सुविधाओं को बढाया जा रहा है। आजकल जीवन शैली में बदलाव के कारण लोग ३० और ४० साल की उम्र में मौत के शिकार हो जाते हैं और ज्यादातर ऐसी असामयिक मौतें हृदय संबंधी विकारों के कारण होती हैं। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन और रोज़ाना व्यायाम एक साथ हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमें अगर अपने हृदय के स्वास्थ्य को बनाए रखना है तो हमें नशीले पदार्थों के सेवन का त्याग करते हुए स्वास्थ्यवर्धक ख़ान पान व नियमित व्यायाम जैसी अच्छी आदतों को अपनाना होगा।

विभिन्न अनुसंधानों में ओमेगा ३ फैटी एसिड को हृदय को स्वस्थ रखने के लिए एक उत्तम प्राकृतिक पूरक माना गया है। आमतौर पर, समुद्री मछली (सालमॅन) के तेल को ओमेगा ३ पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक समृद्ध स्त्रोत माना जाता है।

आजकल अव्यवस्थित जीवन शैली अपनाने के कारण युवा वर्ग ऑस्टियोपोरोसिस नामक रोग से प्रभावित हो रहा है जो हड्डियों को खोखला एवं कमजोर कर देता है। ऑस्टियोपोरोसिस का प्रमुख कारण हड्डियों में पाए जाने वाले कैल्शियम, विटामिन डी और खनिज तत्वों की कमी है। आधुनिक जीवनशैली में कैल्शियम का कम सेवन, सूर्य की रोशनी में कम रहना वो कारण हैं जिसके परिणामस्वरूप विटामिन डी की कमी होती है। यह सब जानने के बाद एक ऐसे समृद्ध प्राकृतिक स्रोत की ज़रूरत है जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा कर सके।

समाधान

डेल्टास टॉपटाइम द्वारा निर्मित टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल एक हर्बल प्राकृतिक योग है जो हृदय एवं हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों की पूर्ति करने में सहायक है। अलसी बीज अल्फा लिनोलेनिक एसिड (ALA, ओमेगा ३ फैटी एसिड), लिगनॅन्स और फाइबर का एक समृद्ध स्रोत है। यह ओमेगा ३ एसिड सहित पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक समृद्ध प्राकृतिक स्रोत है। टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल में पाए जाने वाले फ्लेक्सिड ऑयल, फाइबर और फ्लेक्स लिगनॅन्स हृदय, जोड़ों व नेत्र दृष्टि के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है।

उत्पाद

टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल जैविक रूप से प्राप्त फ्लेक्स सीड्स और पिप्पली का एक हर्बल योग है। इसमें फ्लेक्स सीड आयल होता है, जिसे अलसी के तेल के रूप में भी जाना जाता है, जिसे कोल्डप्रेस विधि द्वारा तैयार किया जाता है। इसमे प्रयोग की गयी जड़ी बूटियाँ पूर्णतया जैविक हैं जिसमे किसी प्रकार की कोई रासायनिक अशुद्धता नहीं है। पिप्पली पाचन प्रक्रिया में सुधार करने में मदद करता है और उपयोगी जैव-उपलब्धता को बढ़ाता है। इसमे शरीर की आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्व हैं जो दवा रूप में अनुकूल प्रभाव दिखाने में मदद करते है। अलसी में पाये जाने वाला प्रोटीन हृदय स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार, अलसी के बीजों में मधुरा (त्वचा के पी. एच. का संतुलन बनाए रखना), पिच्छिल (चिकनाई), बल्य (त्वचा की तन्यता या त्वचा की लोच बनाए रखना), ग्राही (त्वचा की नमी धारण क्षमता बनाए रखना), त्वकदोषहृत (त्वचा पर पड़े धब्बों को हटाता है), व्रणाहृत (घाव भरने) और वात दोष में उपयोगी पौष्टिकता जैसे अनमोल गुण पाए जाते हैं।

संघटन

प्रत्येक ५०० मिलीग्राम टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल में निम्नलिखित तत्व होते हैं। अलसी का तेल (लिनम उसीटैटीसिमुम) ४५० मिलीग्राम, पिप्पली (पाइपर लोन्गम) २५ मिलीग्राम एवं पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

उपयोग

१ कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद या चिकित्सक द्वारा निर्देशित।

प्रयोग

टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल का जोड़ों की चिकनाई को बचाए रखने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखने और तंत्रिका संबंधी बीमारियों एवं वजन प्रबंधन में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह उच्च रक्तचाप, ट्राइग्लिसराइड के स्तर और धमनियों में रुकावट को कम करते हुए हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

निर्देश

• **पौष्टिक और हृदय टॉनिक:** व्हीटग्रास टैबलेट के साथ टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल का उपयोग करें • **हृदय स्वास्थ्य बनाए रखने के लिये:** थर्मोजेनिक हर्बल चाय या कैप्सूल के साथ टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल का उपयोग करें • **जोड़ों में विकार के लिये:** जोड़ाराम टैबलेट और जोड़ाराम तेल के साथ टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल का उपयोग करें • **त्वचा और बालों के लिए:** न्यूस्किन और न्यूहेयर कैप्सूल के साथ टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल का उपयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Alsi
Linum usitatissimum

- अलसी तैल को पाउडर बनाने वाली पेटेंट पद्धति से निर्मित योग
- आँखों का स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक योग
- जोड़ों के बीच चिकनाहट एवं मांसपेशियों का स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक
- त्वचा और बालों में नमी बनाए रखने एवं विभिन्न त्वचा विकारों को कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

टॉप फ्लेक्सी कैप्सूल

ओमेगा ३ फैटी एसिड सहित पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का प्राकृतिक समृद्ध स्रोत

आँखों, हृदय एवं जोड़ों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों का एक प्राकृतिक योग

VITALITY BOOSTER • BLEND OF APHRODISIAC HERBS •

टोपका हनी

जीवन शक्ति को तत्काल बढाने वाला प्राकृतिक स्त्रोत

जीवनशैली संबंधी बढ़ते हुए विकारों और कैंसर जैसी भयानक बीमारियों को देखते हुए, जैविक उत्पाद इस युग की एक अहम् जरूरत बन गए हैं। शहद मानव जाति के लिए भगवान द्वारा दिया गया एक प्राकृतिक उपहार है। यह कई तरह के प्राकृतिक गुणों से युक्त एक बहुमुखी औषधीय योग है। यह योग दूसरे आहार के साथ मिलके उनकी पोष्टिक गुणवत्ता बढ़ा देता है इसलिए आयुर्वेद में कई दवाओं को तत्काल एवं अनुकूल परिणामों के लिए शहद के साथ लेने की सलाह दी जाती है। शहद पाचन तंत्र स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए पाचन क्रिया को बेहतर बनाने के लिए एक सर्वोतम एवं स्वादिष्ट आहार है व यह घाव भरने और आंखों के विकारों के उपचार के लिए एक उत्तम औषधि है। यह शरीर के लिए ज़रूरी विभिन्न प्रकार के विटामिन और खनिजों का एक समृद्ध स्रोत है। यह एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक, जीवाणुरोधी एवं सुजनरोधी के रूप में एक प्रभावशाली योग है। टोपका हनी को पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सिडेंट, फ्लेवोनोइड और विकार सुधारक गुणों से शोधित किया जाता है जो नियमित रूप से लेने पर संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखता है। मधुमक्खियाँ शहद निर्माण के लिए रस रूपी अमृत को फूलों के पराग एवं रेजिन से इकट्ठा करती हैं। शहद में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट त्वचा को मॉइस्चराइज करके समय से पहले शरीर पर दिखने वाले उम्र के प्रभाव को कम करते हैं। शहद अपचन एवं आँतों के विकार से उत्पन्न होने वाली गैस की समस्या को कम करने में मदद करता है इसमें प्राकृतिक एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर को फ्री रेडिकल्स और कीटाणुओं के संक्रमण से आंतरिक और बाहय सुरक्षा प्रदान करते हैं। शहद एक प्राकृतिक एनर्जी बूस्टर है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। शहद एक प्राकृतिक गुणवर्धक आहार है जो ट्यूमर एवं कैंसर के कारकों व कारणों को रोकने में मदद करता है। यह विटामिन (ए, बी १, बी २, बी ६, सी, बी, ७) खनिज (कैल्शियम, लोहा, मैग्नीशियम, पोटेशियम, जिंक, सोडियम, तांबा), एंटी-ऑक्सिडेंट (फ्लेवोनोइड, फिनोल) और अमीनो एसिड का एक प्राकृतिक समृद्ध स्त्रोत है। त्वचा पर इसका बाहरी प्रयोग त्वचा कोशिकाओं को फिर से जीवंत करने और चमक प्रदान करने में मदद करता है। एग्ज़िमा, घाव, चकत्ते जैसी त्वचा की समस्याओं को कम करने में सहायक है, पेट की बीमारियों से राहत देता है, रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है, मस्तिष्क की गतिविधियों को संतुलित करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है एवं हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है।

इस प्रकार, शहद का नियमित सेवन शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में उत्तम आहार की भूमिका अदा करता है।

समाधान

टोपका शहद उत्तर भारत के प्रमुख मधुमक्खी पालकों से प्राप्त १००% शुद्ध एवं जैविक उत्पाद है।

उत्पाद

शहद में एक प्राकृतिक मनमोहक हार्मोनिक स्वाद होता है। शहद एक तरल स्वादिष्ट आहार है जो खाने में बहुत हल्का होता है और इसे आवश्यकता से ज़्यादा लेने पर भी अधिक भारीपन महसूस नही होता एवं यह सेवन के पश्चात मुँह में किसी प्रकार का अजीब स्वाद नही छोड़ता। टोपका शहद प्राकृतिक गुणों से शोधित होने के कारण किसी भी अन्य शहद की तुलना में लंबे समय तक अपने रंग एवं तरलता को सामान्य बनाए रखता है। यह ग्लूटिन मुक्त शहद है जो पूरे परिवार के लिये प्राकृतिक पोषण युक्त, शुद्ध, स्वादिष्ट और सुगंधित समृद्ध आहार है।

संघटन

१००% शुद्ध जैविक प्राकृतिक शहद।

उपयोग

शहद मधुमेह में उपयोगी आहार है। यह शरीर की रोग प्रति रोधक क्षमता को बनाए रखते हुए सर्दी, खांसी व दमा को कम करने में सहायक है और शरीर के लिये ज़रूरी पोषक तत्वों की पूर्ति कर ऊर्जा प्रदान करता है। टोपका शहद बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित पोषण, सक्रिय खेलों में शामिल लोगों के लिए शारीरिक उर्ज़ा, आंख की रोशनी बनाए रखने के लिये, पाचन प्रणाली को संतुलित करते हुए शरीर को सुडौल व तंदुरुस्त बनाए रखने हेतु एक संपूर्ण आहार है।

प्राकृतिक मीठे के रूप में शहद वर्तमान समय में चीनी का एक स्वस्थ विकल्प है। यह दैनिक पेय और भोजन के अंत में परोसे जाने वाले मिष्ठान के लिए एक प्राकृतिक पोषण युक्त उपयुक्त आहार है और यह किसी भी भोजन या पेय के मूल स्वाद को नहीं बदलता है।

निर्देश

१०-२० ग्राम दिन में दो बार या चिकित्सक द्वारा निर्देशित।
(इसे चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवा के साथ प्रयोग किया जा सकता है)

Presentation: 250g

- १००% जैविक, बी पोलन एवं प्रोपोलिस से परिपूर्ण प्राकृतिक शक्तियुक्त ओज़वर्धक शहद
- सामान्य रूप से आहार में एवं औषधि के साथ अनुपान में उपयोगी रसायन
- शरीर में ऊर्जा एवं रोगप्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने और अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक
- बढ़ते बच्चों एवं सक्रिय खेलों में शामिल लोगों के लिए महत्वपूर्ण पोषण प्रदान करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

टोपका हनी

प्रमाणित जैविक मधुमक्खी फार्म्स से एकत्रित किया गया शहद

प्राकृतिक प्रोपोलिस और मधुमक्खी पराग युक्त मैन्युअल रूप से निकाला गया शहद जिसमे किसी भी प्रकार के रसायनिक तत्व नहीं होते है

टॉप कैल्शियम सिरप

प्रतिदिन कैल्शियम की ज़रूरत को पूरा करने का उपयुक्त समाधान

मानव शरीर में कैल्शियम का लगभग ९९% हड्डियों और दांतों में पाया जाता है। २०-२५ वर्ष की आयु तक, कैल्शियम एवं खनिजों के ज़्यादा अवशोषण के कारण, कैल्शियम मनुष्यों की हड्डियों को मजबूत बनाए रखता है। उस उम्र के बाद, हड्डियों का घनत्व कम होने लगता है, लेकिन शरीर में संगृहीत कैल्शियम हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और हड्डियों के घनत्व की कमी होने की प्रक्रिया धीमा कर देता है, जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है। जो लोग २०–२५ वर्ष की आयु से पहले पर्याप्त कैल्शियम का सेवन नहीं करते हैं, उन्हें बाद में जीवन में विभिन्न प्रकार के हड्डियों के विकार या ऑस्टियोपोरोसिस के होने का काफी खतरा होता है क्योंकि जब कैल्शियम का सेवन अपर्याप्त होता है, तो शरीर में हड्डियाँ धीरे धीरे कमज़ोर होने लगती हैं व इसका परिणाम ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है। चूंकि महिलाओं को ऑस्टियोपोरोसिस का अधिक खतरा होता है, इसलिए कई डॉक्टर सलाह देते हैं कि खासकर रजोनिवृत्ति तक पहुंचने के बाद महिलाएँ कैल्शियम की अतिरिक्त खुराक लें। इस वजह से, कैल्शियम सप्लीमेंट लेने की ४५ साल से ज़्यादा उम्र की महिलाओं को अधिक ज़रूरत होती है। कैल्शियम तंत्रिका संचालन, इंसुलिन हार्मोन संचालन और मांसपेशियों को स्वस्थ बनाये रखने के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है। कैल्शियम की कमी, उच्च-सोडियम सामग्री के उच्च प्रोटीन वाले शाकाहारी आहार का सेवन करने वाले लोगों में ज़्यादा पाई जाती है, क्योंकि ये आहार शरीर में कैल्शियम के अधिक उत्सर्जन का कारण बनते है। यद्यपि शरीर में अधिकांश कैल्शियम हड्डियों और दांतों में पाया जाता है केवल १% कैल्शियम का उपयोग शरीर द्वारा जीवन-निर्वाह के लिये बाकी कार्य में होता है। दुनिया के अधिकांश लोग, जिनमें औद्योगिक देशों के लोग शामिल हैं, कैल्शियम की आवश्यक मात्रा का उपभोग करने में विफल होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप हड्डियों का स्वास्थ्य खराब हो जाता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसे विकारों का खतरा बढ़ जाता है। जीवन के पहले कई दशकों में स्वस्थ अस्थि द्रव्यमान की पूर्ति के लिए, मध्य वयस्कता के दौरान हड्डियों के संभाल और अंत के कई दशकों के दौरान हड्डी के नुकसान को कम करने में पर्याप्त कैल्शियम का सेवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंत, हड्डी और गुर्दे की प्रणाली में अधिक कैल्शियम को बनाए रखने और सीरम के स्तर को सामान्य बनाए रखने के लिए कैल्शियम का पर्याप्त सेवन ही उत्तम उपाय हैं।

समाधान

कैल्शियम सिरप कैल्शियम, मैग्नीशियम और प्राकृतिक रूप से संगृहीत विटामिन डी का एक संतुलित मिश्रण है जो हड्डी और दातों के पोषण पूरक के रूप में कार्य करता है। इसमें जिंक और विटामिन बी १२ भी होता है जो हड्डियों की सामान्य मजबूती को बनाए रखता है और हाइपर एसिडिटी को कम करता है। यह एक प्राकृतिक योग है जिसमे किसी प्रकार का हानिकारक संरक्षक का प्रयोग नहीं किया गया हैं इसलिए यह योग सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त उत्पाद है।

उत्पाद

कैल्शियम सिरप दैनिक आवश्यकता के अनुसार कैल्शियम प्रदान करने के लिए एक प्राकृतिक समाधान है। टॉप कैल्शियम सिरप में कैल्शियम कार्बोनेट, ज़िंक, मैग्नीशियम और विटामिन बी १२ होते हैं। कैल्शियम कार्बोनेट एक रासायनिक पदार्थ है जिसका उपयोग कैल्शियम स्त्रोत और एंटासिड दोनों के लिए किया जाता है। हमारा शरीर लगातार ज़रूरत के अनुसार कम हो रहे कैल्शियम जैसे खनिजों के लगातार सेवन की आवश्यकता को पूरा करता है। ठीक से काम करने के लिए शरीर की रक्षात्मक (रोग प्रतिरोधक क्षमता) प्रणाली के लिए ज़िंक की आवश्यकता होती है। यह कोशिका विभाजन, कोशिका वृद्धि, घाव भरने और कार्बोहाइड्रेट का विभाजन कर संपूर्ण अवशोषण में भूमिका निभाता है। मैग्नीशियम की ज़रूरत हृदय के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह स्वाभाविक रूप से कैल्शियम की तरह ही एक अतिआवश्यक खनिज है, जो हृदय संकुचन प्रणाली को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। इसलिए,आज के समय में जब दैनिक आहार में कैल्शियम की मात्रा पर्याप्त नहीं है, तो आहार में प्राकृतिक पूरक के रूप में कैल्शियम सिरप का उपयोग किया जाता है। कैल्शियम सिरप हड्डियों, मांसपेशियों, मस्तिष्क और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है। कैल्शियम सिरप शरीर में एसिड निर्माण प्रक्रिया को संतुलित कर पेट के विकारों को कम करने के लिए एक एंटासिड के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

संघटन

कैल्शियम कार्बोनेट तत्व कैल्शियम १६०मि.ग्रा.-४००मि.ग्रा. के बराबर, जिंक ग्लूकोनेट तत्व जिंक २मि.ग्रा.-१४मि.ग्रा. के बराबर, मैग्नीशियम हाइड्रॉक्साइड तत्व मैग्नीशियम ५०मि.ग्रा.-१२०मि.ग्रा. के बराबर, विटामिन बी १२-२.५मि.ग्रा. एवं पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

उपयोग

स्वास्थ्य पोषण पूरक, हड्डियों और दांतों के लिये कैल्शियम पूरक, मैग्नीशियम जिंक और विटामिन बी १२ युक्त यह जोड़ों के लचीलेपन एवं स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये एक प्राकृतिक इष्टतम योग है।

निर्देश

बच्चों को दिन में दो बार १/२–१ चम्मच। व्यस्कों को २–३ चम्मच दिन में दो बार। परामर्श खुराक से अधिक न लें। शीतल एवं सूखी जगह पर रखें। सीधी धूप से बचाएं। बच्चों की पहुंच से दूर रखें। इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह हिलायें।

Presentation: 200ml

- स्त्रियों के शरीर में, उन मुश्किल दिनों के उपरांत, कैल्शियम के होने वाले क्षय को पूरा करने में सहायक
- कैल्शियम की कमी से दाँतों एवं हड्डियों में होने वाले क्षय को कम करने में सहायक
- पेट की बढ़ी हुई अम्लीयता को कम करने में सहायक
- कैल्शियम अवशोषण की प्रक्रिया को बढ़ाने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

टॉप कैल्शियम सिरप

मैग्नीशियम और प्राकृतिक रूप से संगृहीत विटामिन डी का उपयुक्त संतुलित मिश्रण

विशिष्ट तकनीक द्वारा तैयार कैल्शियम जो अवशोषण को बढ़ाने के साथ-साथ हाइपर एसिडिटी को कम करने में सहायक

मल्टीविटामिन सिरप

सभी आयु समूहों के लिए सामान्य पोषण का प्राकृतिक योग

जीवनशैली में बदलाव ने हमें इतना मजबूर कर दिया है कि हमारे पास वास्तव में सोचने के लिए इतना समय भी नही है कि हम क्या खा रहे हैं। वैश्वीकरण ने मनुष्य के खाने की आदतों को गंभीरता से प्रभावित किया है और ज़्यादातर लोगों को इस तरह के बंद डिब्बा पैक और उच्च कैलोरी फास्ट फूड खाने की, जो कि जंक फूड के रूप में जाना जाता है, हानिकारक आदतें पड़ चुकी हैं। आज की खानपान की इन बुरी आदतों के कारण हमने अपने आपको कई भयानक जानलेवा बीमारियों के चक्रव्यूह में फँसा लिया है। सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई प्रकार के जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं पर लोगों को जागरूक करने के लिए शायद अभी और ज़्यादा मेहनत करने की ज़रूरत है। जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, उच्च वसा वाले कैलोरी युक्त खाने की चीज़ों के निरंतर सेवन के कारण होने वाले रोगों जैसे मोटापा, फूड पॉइज़निंग, डिहाइड्रेशन, हृदय संबंधी विकार, शुगर और आर्थराइटिस ने विकासशील देशों में लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है।

इसलिए, एक संतुलित और संपूर्ण आहार की आवश्यकता है जो शरीर में आवश्यक विटामिन और खनिजों की पूर्ति कर सके। विटामिन वो पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए बहुत ज़रूरी है। विटामिन की कमी लंबे समय तक विटामिन युक्त आहार न लेने के कारण होने वाली स्थिति है जिसे प्राथमिक और द्वितीयक कमी के रूप में बताया जाता है। जब पर्याप्त मात्रा में विटामिन का सेवन नहीं किया जाता है तो इसे प्राथमिक कमी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जबकि अगर यह कमी किसी प्रकार के आंतरिक विकार के कारण, जैसे कि कुपोषण (malabsorption), होती है तो इसे द्वितीयक कमी कहा जाता है।

समाधान

मल्टीविटामिन सिरप में ७ प्रकार के (विटामिन ए, डी, ई, बी १, बी २, बी ३, बी ६ और विटामिन सी) आवश्यक विटामिन हैं, जो दिन-प्रतिदिन आहार में होने वाली पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। यह एक जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद है और सभी आयु वर्गों द्वारा इसका सेवन किया जा सकता है।

उत्पाद

मल्टीविटामिन सिरप ७ प्रकार के आवश्यक विटामिनों का योग है। इस आयुर्वेदिक मिश्रण में प्राकृतिक स्रोत से संगृहीत विटामिन हैं। मल्टीविटामिन सिरप फ़ैट सॉल्युबल और वॉटर सॉल्युबल विटामिन (विटामिन ए, डी, ई, बी १, बी २, बी ३, बी ६ और विटामिन सी) के मिश्रण से बनाया जाता है। मल्टीविटामिन सिरप में प्राकृतिक विटामिन हैं और यही कारण है कि वे आसानी से शरीर में पूर्णतया अवशोषित होकर भोजन में होने वाले पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं।

- **विटामिन ए** - विटामिन ए त्वचा, हड्डियों और शरीर की अन्य कोशिकाओं को मजबूत रखने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा विटामिन ए दातों के सरंक्षण, शारीरिक संरचना, नरम ऊतक और म्यूकस मेंब्रेन के रखरखाव में मदद करता है।
- **विटामिन डी** - विटामिन डी का प्रमुख कार्य कैल्शियम और फास्फोरस के सामान्य स्तर को बनाए रखना है व कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाते हुए यह हड्डियों, मसल्स और लिगामेंट्स को मजबूत बनाता है।
- **विटामिन ई** - विटामिन ई मुख्य रूप से एक एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करता है जो कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स (अस्थिर अणुओं) से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है।
- **विटामिन बी १ (थायमिन)** - नर्वस सिस्टम, मस्तिष्क, मांसपेशियों, हृदय, पेट और आंतों में जटिलताओं एवं विकारों को रोकने में मदद करता है।
- **विटामिन बी २ (राइबोफ्लेविन)** - यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फ़ैट को अवशोषित कर ऊर्जा रूप में परिवर्तित करता है और यह शरीर को ऑक्सीजन का उपयोग करने में मदद करता है।
- **विटामिन बी ३ (नियासिन)** - हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शरीर को प्रोटीन और फ़ैट का उपयोग करने में मदद करता है और त्वचा एवं बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।
- **विटामिन बी ६ (पाइरिडोक्सिन)** - यह हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है व मस्तिष्क के फंक्शन को रेगुलेट करता है। यह जरूरी पोषक तत्व हमारे भोजन को एनर्जी में बदलने में सहायक होता है, रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है, प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में काम करता है, मुख्य क्षणों में आनंदित लम्हों को बढ़ाता है और शरीर की सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले एंटीबॉडी के संश्लेषण को बढ़ाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखता है।
- **विटामिन सी (एस्कॉर्बिक एसिड)** - शरीर के ऊतकों की वृद्धि, विकास और मरम्मत के लिए आवश्यक विटामिन है।

संघटन

विटामिन ए, डी, ई, बी १, बी २, बी ३, बी ६ और विटामिन सी, कैल्शियम ग्लूकोनेट, मोरिन्डा सिट्रिफ़ोलिया और रासबेरी स्वाद से परिपूर्ण।

उपयोग

• सामान्य पोषण की कमी • खेल के दौरान बच्चों और वयस्कों के लिए संपूर्ण पोषण • तनाव को कम करते हुए शारीरिक और मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सहायक

निर्देश

बच्चे : भोजन के बाद दिन में एक बार १ चम्मच, **वयस्क** : भोजन के बाद दिन में दो बार १ चम्मच

मल्टीविटामिन सिरप का सेवन परामर्श अनुसार खुराक में किया जाना चाहिए व विशिष्ट स्वास्थ्य स्थिति के लिए चिकित्सक द्वारा निर्देशानुसार किया जाना चाहिए। अनुशंसित खुराक से अधिक न लें। इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह हिलायें।

Presentation: 200ml

- सामान्य पोषण की कमी दूर करने में सहायक
- खेल के दौरान बच्चों और वयस्कों में स्फूर्ति बनाए रखने में सहायक
- तनाव को कम करने, संपूर्ण शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

मल्टीविटामिन सिरप

प्राकृतिक जीवन सत्व से परिपूर्ण विटामिन युक्त योग

शारीरिक विकास के लिए ७ प्रकार के आवश्यक विटामिन का पोषक योग

वी-फोर्स तेल और कैप्सूल

उत्साह और उमंग को बनाए रखने के लिए दिव्य योग

विशेष लम्हों के उत्साह से संबंधित समस्यायें, आजकल युवकों में एक आम समस्या है और इन समस्याओं का गहरा असर उनकी जीवन शैली, उनके व्यवहार व कामकाज पर होता है। युवकों में उमंग एवं उत्तेजना संबंधित यह एक ऐसा मसला होता है जिसमें एक या एक से अधिक नीचे दी गयी समस्याएं हो सकती है :

१. उत्साह एवं इच्छा में कमी होना
२. विशेष कार्य.कलापों से घृणा होना या मिलन के आनंद मे कमी होना
३. स्तंभन दोष (संबंधित शारीरिक क्षेत्र की नसों की शक्ति में कमी होना)
४. कामोन्माद रोग (उत्साह और उमंग विकृति)
५. शीघ्र स्खलन

उत्तेजना एवं उत्साह में कमी होना मानसिक कमज़ोरी का परिणाम है। वर्तमान समय में मानव शरीर में होने वाले प्रमुख विकार दिल के रोग, उच्च रक्तचाप, आघात, मधुमेह, मोटापा, चिन्ता और अवसाद आदि हैं। ये सभी रोग आज की आधुनिक जीवन शैली में कुछ ग़लत आदतों जैसे धूम्रपान करना, मद्यपान करना एवं आलस्य से भरा जीवन, को अपनाने से होते हैं और इन्ही रोगों के कारण मनुष्य के शरीर में उत्साह एवं उत्तेजना को बढ़ाने वाले हार्मोन्स असंतुलित होकर आनंद के उन विशेष लम्हों को कम करने का प्रमुख कारक बनते हैं।

इसलिए आज एक ऐसे प्राकृतिक उत्पाद या सहायक की ज़रूरत है जो शरीर में वीर्य बनने के क्रिया को सामान्य करते हुए मनुष्य की मानसिक और शारीरिक शक्ति को उन आनंद के लम्हों में लंबे समय तक बनाए रखे।

समाधान

डेल्टास वी-फोर्स आयल एंड कैप्सूल एक आयल एवं कैप्सूल का संयुक्त पैक है जो ओजवर्धक जड़ी बूटियों (जिससे पुरुष की इच्छा एवं उत्साह शक्ति बढ़ाने में मदद मिलती है) के योग से बना है।

वी-फोर्स आयल एंड कैप्सूल मानसिक धैर्य, माँस.पेशियों की ताक़त और दृढ़ता बनाए रखने में मदद करता है।

वी-फोर्स आयल एंड कैप्सूल प्राकृतिक जड़ी बूटियों का एक अद्भुत योग है, जो इच्छा एवं आंतरिक शक्ति को बढ़ाते हुए मिलन के दौरान आनंदित लम्हों को देर तक बनाए रखने में मददगार है।

उत्पाद

वी-फोर्स कैप्सूल एक प्राकृतिक हर्बल मिश्रण है जो शरीरिक उर्ज़ा बढ़ाने के लिए सहायक है।

सफेद मुसली (सी-बोरीविलीयेनम) एक बलवर्धक जड़ी बूटी है,जो मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है और उत्तेजना एवं भावनात्मक उत्साह को बढ़ाते हुए आंतरिक शक्ति को बनाए रखती है।

अश्वगंधा (डब्ल्यू-सोमनिफेरा) पारंपरिक रूप से शरीरिक उत्तेजना बढ़ाने, थकावट दूर करने, एकाग्रता बढ़ाने, नसों एवं कामुक दुर्बलता कम करने में काम आती है।

कौंछ बीज (म-परूरिएन्स) टेस्टोस्टेरॉस का स्तर बढ़ाने में सहायक् होता है।

कपूर कचरी (ह-स्पिकॅटम) पुरुष विशेष अंगो में रक्त धमनियों (नलियों) को फैलाकर उनमे रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में सहायक् है।

वी-फोर्स आयल एक विशेष प्रकार का हर्बल तेल है जो नैनो विधि से तैयार किया गया है जिसमे ऐसे हर्बल एक्सट्रेक्ट का उपयोग किया गया है जो त्वचा मे तुरंत अवशोषित होकर नसों को पुष्ट करते हुए रक्त के प्रवाह को सामान्य करता है एवं जल्द ही शरीर में उमंगों का संचार होने लगता है। तेल के लगातार उपयोग से रक्त संचार प्रणाली के सुचारू होने से, मिलन के समय, उत्तेजनात्मक अंगों मे ताक़त आती है और मानसिक दृढ़ता की वजह से उन विशेष लम्हों में शारीरिक उर्ज़ा लंबे समय तक बनी रहती है।

संघटन

प्रत्येक ४५०मि.ग्रा. वी-फोर्स कैप्सूल में सफेद मुसली (कलोरोफ़ाईटॅम बोरीविलियनम) का सूखा अर्क (ड्राइ एक्सट्रॅक्ट) जड़ से १००मि.ग्रा. अश्वगंधा (विथेनिया सोमनिफेरा) का सूखा अर्क (ड्राइ एक्सट्रॅक्ट) जड़ से ६०मि.ग्रा. कपूर कचरी (हेडीचियम स्पाईकेटम) का सूखा अर्क (ड्राइ एक्सट्रॅक्ट) राइज़ोम से ५०मि.ग्रा. कौंच (म्युकुना परूरियंस) का सूखा अर्क (ड्राइ एक्सट्रॅक्ट) बीज से ५०मि.ग्रा. तमाल (सीनामोमुम तामला) का सूखा अर्क (ड्राइ एक्सट्रॅक्ट) पत्तियों से ४०मि.ग्रा. व पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

प्रत्येक १० मिलीलीटर वी-फोर्स आयल में

वट जटा पांचांग ०.५०मि.ली., वज्रवल्ली तना ०.५०मि.ली., नागवल्ली पत्तियाँ ०.५०मि.ली., बिल्व पत्तियाँ ०.५०मि.ली., अश्वगंधा जड़ ०.५०मि.ली., महा माश तैल (शास्त्र विधि द्वारा बनाया गया) ०.१०मि.ली., श्री गोपाल तैल (शास्त्र विधि द्वारा बनाया गया) २८.४०मि.ली., नारियल तैल फल से ६६मि.ली., व पर्याप्त मात्रा में स्वीकृत परिरक्षक एवं सहायक द्रव्य।

वी-फोर्स आयल एंड कैप्सूल कहाँ दिया जाए

• एक बलवर्धक के रूप में • शरीरिक एवं मानसिक थकावट को दूर करने में • सामान्य शारीरिक कमज़ोरी में • जांघों और पैर की माँस पेशियों के दर्द में

उपयोग

वी.फोर्स २ कैप्सूल विशेष क्रिया करने से आधे घंटे पहले गुनगुने पानी या दूध के साथ लेना हैं। वी-फोर्स ५ ड्रॉप्स आयल, जब विशेष अंग उत्तेजित होने लगे,उस पर तब तक मालिश करे जब तक तैल सूख ना जाए, फिर किसी साफ कपड़े से पोंछ ले एवं उन लम्हों का चरम आनंद लें।

Presentation: 20Tabs/10ml Oil

KEY INGREDIENT(S)

Safed Musli
Chlorophytum borivilianum

- आनंद के लम्हों में उत्साह और उमंग को बनाए रखने के लिए एक दिव्य योग
- तेल मालिश से रक्त प्रवाह संतुलन द्वारा कोशिकाओं को उत्तेजित बनाए रखने में सहायक
- आनंदित लम्हों को लंबा बनाए रखने एवं होने वाली थकान दूर करने के लिए श्री गोपाल तैल एवं दुर्लभ जड़ी बूटियों का आयुर्वेदिक योग

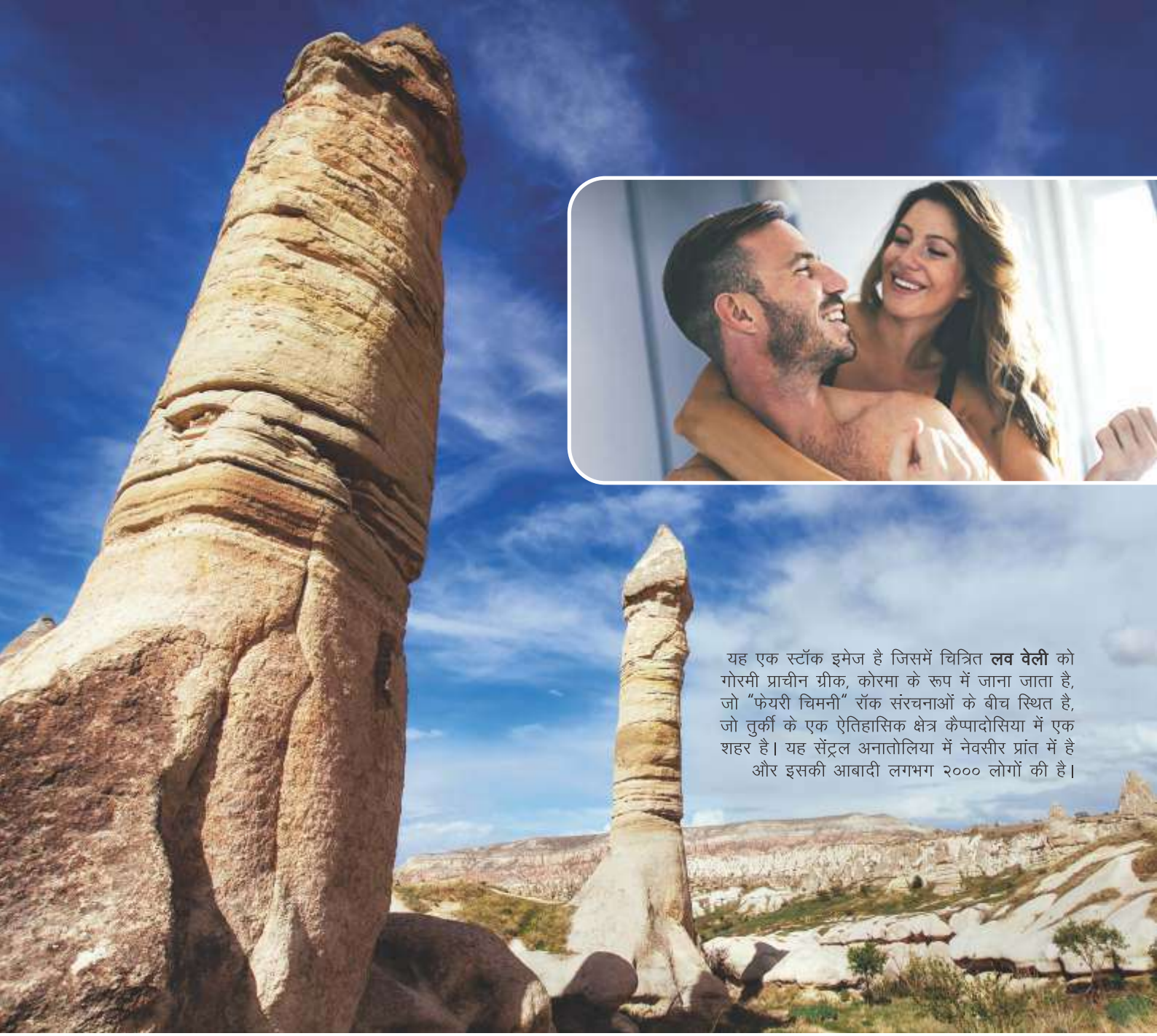

यह एक स्टॉक इमेज है जिसमें चित्रित **लव वेली** को गोरमी प्राचीन ग्रीक, कोरमा के रूप में जाना जाता है, जो "फेयरी चिमनी" रॉक संरचनाओं के बीच स्थित है, जो तुर्की के एक ऐतिहासिक क्षेत्र कैप्पादोसिया में एक शहर है। यह सेंट्रल अनातोलिया में नेवसीर प्रांत में है और इसकी आबादी लगभग २००० लोगों की है।

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

वी-फोर्स तेल और कैप्सूल

कैप्सूल में अदभुत जड़ी बूटियों का कार्यकारी योग मन के वेग एवं स्थिरता को बढ़ाता है

तेल मालिश से रक्त प्रवाह संतुलन द्वारा कोशिकाओं को उत्तेजित बनाये रखने में सहायक

ENRICHED WITH BIOGENIC AMINES • RESTORATIVE FOR NERVES •

वत्सल मेमोरी सिरप

वनस्पति आधारित स्मृति वर्धक

बाल्यावस्था में शारिरिक विकास के साथ–साथ बौद्धिक विकास भी तेजी से होता है।

आज के प्रतिस्पर्धा क में, बच्चों में पढ़ाई के साथ–साथ अन्य गतिविधियों दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव डाला जाता है; जिस कारण कई बार बच्चे मानसिक तनाव का अनुभव करते है। इससे विविध प्रकार की समस्याओं का जन्म होता है, जिसमें चेतना और ध्यान में कमी, आवेग, स्मृति भ्रंश, भाषण दोष और लेखन कुशलता का अभाव इत्यादि शामिल है। इसके साथ ही मस्तिष्क पर तनाव उत्पन्न करने वाली आधुनिक उपकरणो के जैसे एल. ई. डी. टी. वी. मोबाइल्स, मनोरंजन तंत्र आदि के कारण बढ़ते बच्चों के मध्य निद्रा का प्राकृतिक आर. ई.एम. बिगड़ जाता है। नींद का चक्र बिगड़ने से शारीरिक शक्ति का पुनः संचार नहीं हो पाता है और ध्यान और स्मृति पर हानिकारक प्रभाव उत्पन्न होता है। कई बच्चे बहुत थका हुआ महसूस करते है जो उन्हें दैनिक क्रियाकलापों में उनकी रुचि लेने और ध्यान लगाने की शक्ति को कम करता है। इसलिए, एक प्राकृतिक उपचार का होना आवश्यक है जो बढ़ते बच्चों में बिना किसी हानिकारक प्रभाव के स्मृति, ध्यान और बौद्धिक कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायता करें।

समाधान

वत्सल मेमोरी सिरप स्मृति बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों का एक अनूठा मिश्रण है। यह फॉस्फोलिपिडस् और दुर्लभ अमीनो एसिड्स की शरीर में पूर्ति करता है जिसकी बौद्धिक क्षमता के संरक्षण एवं वर्धन में प्रमुख भूमिका है। यह पूर्णतः प्राकृतिक योग है और किसी हानिकारक प्रभाव के बिना लंबे समय तक प्रयोग किया जा सकता है।

उत्पाद

वत्सल मेमोरी सिरप एक अनूठा योग है जो मस्तिष्क की कार्यकारी में सुधार लाकर बौद्धिक कार्यकुशलता बढ़ाने में प्रभावी है और बढ़ते बच्चों में प्राकृतिक रुप सें निद्राजनन करता है।

वचा एक स्नायुविक औषधि है जो वाणी दोष दूर कर, भाषण योग्यता और समन्वय को बढ़ाती है। नियमित सेवन से स्मृति लाभ प्रदान करती है। ब्राह्मी स्नायु तंत्र अवयवों के बीच समन्वय को बढ़ाकर मस्तिष्क की कार्यकारिता में सुधार लाती है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार की स्मृतियाँ बढ़ाने में मदद करती है। यह मस्तिष्क के स्नायुओं को बल प्रदान करती है। इसलिए इसे ए. डी. डी. से पीड़ित लोगों के लिए मस्तिष्क औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। शंखपुष्पी स्मृति, प्रतिधारण शक्ति और ध्यान बढ़ाने में मदद करती है। अश्वगंधा में रसायन अर्थात् शरीर को पुनः पूर्ति करने वाले गुण होते है। यह मस्तिष्क को पोषण प्रदान करके मस्तिष्क को बल एवं क्षमता प्रदान करती है। इस में उपस्थित फ्लैवोनोयड्स प्रभावी एसिटिलकोलाइनस्टीरेज़ मंदक के रूप में कार्य करता है। ज्योतिष्मती स्मृति और बौद्धिक कार्यों को बेहतर बनाती है। नींबू में फाइटोकेमिकल्स और अनिवार्य पोषक तत्वों के गुण हैं जो विशेष रूप से अल्पकालिक स्मृति को बढ़ाने में मदद करते हैं।

संघटन

प्रत्येक १०मि.ली. वत्सल मेमोरी सिरप में शामिल हैः वचा प्रकंद १%, ब्राह्मी पूरा पौधा ०.२५%, ज्योतिष्मती बीज ०.२०%, शंखपुष्पी पूरा पौधा ३.७५%, मुलेठी जड़ १.५०%, आमलकी फल २%, अश्वगंधा जड़ १%, शतावरी जड़ २.००%, गुडुची तना १%, काला नमक खनिज ०.१०%, सेंधा नमक खनिज ०.०१%, नींबू रस फल ०.१२%, अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

सुबह खाली पेट और रात में सोने से पहले • ४–७ साल –१०मि.ली. • ७–१२ साल–२०मि.ली. • १२ वर्ष और उससे ऊपरः ३०मि.ली.।

निर्देश

• **स्मृति एवं ध्यान की कमीः** वस्तल मेमोरी सिरप के साथ ब्रह्म रसायन और व्हीटग्रास टैबलेट का प्रयोग करें • **अनिद्राः** वत्सल मेमोरी सिरप के साथ ब्रह्म रसायन और हिमनिद्रा डी–स्ट्रेस ऑयल का प्रयोग करें • **अतिसक्रियताः** वत्सल मेमोरी सिरप के साथ ब्रह्म रसायन और व्हीटग्रास टैबलेट का प्रयोग करें • **सुस्तीः** वत्सल मेमोरी सिरप के साथ ब्रह्म रसायन और आमला जूस का प्रयोग करें।

Presentation: 700g

KEY INGREDIENT(S)

Vacha
Acorus calamus

Brahmi
Bacopa Monnieri

- बच्चों में ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने के लिए दिव्य जड़ी बूटियों का आयुर्वेदिक योग
- बच्चों में स्फूर्ति बनाए रखने में सहायक
- बच्चों में थकान की वजह से हुई नींद की अनियमितता को दूर करने में सहायक
- बच्चों को निद्रा में होने वाले अनियंत्रित मूत्र प्रवाह के लिए आयुर्वेदिक योग

अब कोई थकान नहीं

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

वत्सल मेमोरी सिरप

एकाग्रता और स्मृति के लिए दैनिक योग

हर्बल घटक, एकाग्रता और स्मृति का वर्धन कर;
प्राकृतिक एंटी–ऑक्सीडेंट्स की पूर्ति करे।

RELIEF FROM SORE THROAT • WITH NATURAL IMMUNITY •

पंच तुलसी लॉजेन्जेस्

पांच प्रकार की दुर्लभ तुलसी से निर्मित योग

गले के स्वास्थ्य से संबधित समस्या आजकल सामान्य है। लगभग हर व्यक्ति अपने जीवनकाल में कभी न कभी गले की खराश जैसी समस्या से पीडित हुआ है। गले में खराश का प्रमुख कारण सामान्यतः विषाणु जनित संक्रमण है, लेकिन दूसरे कारणों में एलर्जी और सीने की जलन इत्यादि शामिल है। यद्यपि गले की समस्याओं का प्रमुख कारण छोटी बीमारियाँ जैसे ठंड लगना या फ्लू है और इन्हें घर पर उचित देखभाल के साथ ठीक किया जा सकता है। लेकिन, गले में खुजली, दर्द और गला बैठना कुछ ऐसी समस्याएं है जो काफी परेशानी पैदा कर जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। कई लोगों को अन्न निगलनें में कठिनाई होती है और जिससे खानपान प्रभावित होकर कमजोरी आ सकती है। नियमित धूम्रपान करने वाले लोगों में अक्सर खांसी और खराश की समस्या होती है जिसे स्मोकर्स कफ कहते हैं। लंबे समय तक खांसी चलने पर, गले में दर्द के साथ–साथ सीने में दर्द इत्यादि समस्याए उत्पन्न हो जाती है एव, उस पर सामान्य उपचार प्रभावी नहीं होता।

इसलिए, एक प्राकृतिक इलाज की आवश्यकता है जो दर्द से तुरंत आराम देकर खराश के लक्षणों को दूर करने में सहायता करे।

समाधान

डेल्टास पंच तुलसी लॉजेन्जेस् तुलसी की पांच प्रजातियों का एक मिश्रण है जो एंटी–माइक्रोबियल, शोथनाशक और रोग–प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले गुणों से युक्त है।

उत्पाद

पंच तुलसी लॉजेन्जेस् एंटी–माइक्रोबियल जड़ी–बूटियों के साथ पांच प्रकार की तुलसी का एक संयुक्त मिश्रण है।

यह रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाकर गले की खराश और खांसी की समस्या से राहत के लिए सहायक के रुप में कार्य करती है। यह गले में म्यूकोसा में सूजन और लालिमा को कम करती है अतः गले में खुजली और सूखेपन से राहत प्रदान करती है। श्वसन नलीका पर अपने रोगाणुनाशक गुणों के कारण, इस योग को संक्रमणों के उपचार में एंटी–बायोटिक्स के साथ सहायक के रुप में प्रयोग कर सकते हैं। एक इम्यूनोमॉड्यूलेटर और शोथशामक के रूप में पंच तुलसी लॉजेन्जेस् स्मोकर्स कफ़ के लक्षणों से तुरंत राहत देता है। एंटी–माइक्रोबियल प्रकृति होने के कारण, यह माउथ–फ्रेशनर के रूप में भी कार्य करता है। इसे पेशेवर गायकों और निरंतर बोलने की जरूरत वाले लोगों (जैसे शिक्षक, एनाउंसर, संगीत विद्यार्थी, लोक वक्ताओं आदि) द्वारा प्रयोग किया जा सकता है।

संघटन

प्रत्येक २.५ग्राम लॉजेन्जेस् में शामिल हैं: मुलैठी १५मि.ग्रा., वासा १०मि.ग्रा., ओसिमम सैंक्टम ६मि.ग्रा., ओसिमम ग्रैटिसिमम ६मि.ग्रा., ओसिमम कैनम ३मि.ग्रा,, ओसिमम बेसिलिकम ३मि.ग्रा., ओसिमम सिट्रियोडोरम २मि.ग्रा., लवंग ३मि.ग्रा., पुदिना ७मि.ग्रा., पांच प्रकार की तुलसीयों का अनोखा मिश्रण: तुलसी, राम तुलसी, श्वेत तुलसी, वन तुलसी, निम्बू तुलसी।

उपयोग

• खांसी के लिए: १ लॉजेन्स हर २–३ घंटे सेवन करे • गले में दर्द: १ लॉजेन्स् हर घंटे सेवन करे • व्यावसायिक उपयोग (गायक, शिक्षक इत्यादि): १ लॉजेन्स् दिन में २ बार • मुंह के अल्सर: १ लॉजेन्स् एक दिन में ३ बार • सांसो की दुर्गंध: १ लॉजेन्स् ब्रश करने के बाद और सोने से पहले सेवन करे • स्मोकर्स कफ: १ लॉजेन्स् दिन में दो बार सेवन करें • मुंह शुद्धि हेतु: १ लॉजेन्स् दिन में दो बार सेवन करें।

निर्देश

• **खांसी/जुखाम के लिए:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ पंच तुलसी ड्रॉप्स् का प्रयोग करें • **एंटिबायोटिक के सहायक के रूप में:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ लिवकेयर टैबलेट लें • **गले की खराश:** कुल्ला करने के लिए पंच तुलसी ड्रॉप्स् का प्रयोग करें और पंच तुलसी लॉजेन्जेस् का प्रयोग करें • **मुंह के छाले:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ एलोवेरा जूस का प्रयोग करें, ओराक्लीन माउथ क्लिंजर के साथ पंच तुलसी ड्रॉप्स् और डेंन्टाक्योर टूथ क्लिंजर लगाएं • **सांसो की दुर्गंध:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ ओराक्लीन माउथ क्लिंजर और डेंन्टाक्योर टूथ क्लिंजर का प्रयोग करें • **बार–बार की गले के संक्रमण:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ लिवकेयर सिरप और ओराक्लीन माउथ क्लिंजर का प्रयोग करें • **स्मोकर्स कफ़:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ स्पिरुलिना टैबलेट का प्रयोग करें • **माउथ फ्रेशनर:** पंच तुलसी लॉजेन्जेस् के साथ ओराक्लीन माउथ क्लिंजर का प्रयोग करें।

Presentation: 60 Lozenges

KEY INGREDIENT(S)

Yashtimadhu
Glycyrrhiza glabra

- मौसमी परिवर्तन एवं सर्दी से होने वाली खांसी, जुखाम और जीवाणु रोगों के संक्रमण से बचाए रखने में सहायक
- गले में संक्रमण/खराश एवं मुँह से आने वाली दुर्गंध को कम करने में सहायक
- धूम्रपान एवं तंबाखू सेवन के दौरान होने वाली गले की समस्याओं से बचाए रखने के लिए एक प्राकृतिक योग

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

पंच तुलसी लॉ़जेन्जेस्

गले के दर्द एवं धूम्रपान से उत्पन्न होने वाली खांसी के लिए अनुभूत योग

सर्दी–खांसी एवं गले के दर्द में सहायक आयुर्वेदिक योग; स्थानिक शोथनाशक एवं दर्दशामक प्रभाव प्रदान करे।

IMPROVED CARMINATIVE EFFECT • NON-HABIT FORMING

सुपरलैक्स पाउडर

कब्ज के लिए जड़ी–बूटियों का आयुर्वेदिक योग

कब्ज़ एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या है जिसमें समय पर आंत्र से मल का निकास नहीं हो पाता और मल ठोस होकर कम मात्रा में कठिनाई और दर्द के साथ बाहर आता है। खराब भोजन, अधिक जंक फूड खाने और निष्क्रिय जीवनशैली कब्ज़ के प्रमुख कारण है। कई बार यह कुछ रोगों अथवा दवाओं जैसे एंटीहिस्टामाइन्स, एंटी–डायबेटिक, एंटी–डीप्रैसेंट्स और एंटासिड्स आदि के दुष्प्रभाव के कारण भी होता है।

कब्ज़ का उपचार नहीं किए जाने से कई समस्याएं जैसे आंत्र में मल की रुकावट, पुराना कब्ज़, हेमोरॉयड्स, हर्निया, और ईरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम हो जाता है। पुराने कब्ज़ के कारण चिड़चिड़ापन, काम में अरुचि, मन न लगना, चिंता और शर्मिंदगी हो सकती है जो व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकती है।

आज बाजार में कई लैक्सेटिव्स उपलब्ध है। लेकिन कई बार अपने उच्च रासायनिक संघटन के कारण ये लैक्सेटिव्स आदत का प्रभाव उपन्न कर और आंत्र की क्रियाशीलता को घटा देते हैं। इसलिए, एक हर्बल उपचार की अत्यंत आवश्यकता है जो किसी हानिकारक प्रभाव के बिना ही प्राकृतिक रूप से कब्ज़ का उपचार करे।

समाधान

सुपरलैक्स पाउडर आंत्रों की क्रियाशीलता को बढ़ाता है जिससे जटिल एवं पुरानी कब्ज़ से राहत मिलती है। यह एक सौम्य जड़ी–बूटियों से निर्मित सूत्र है जिससे पाचन प्रणाली बेहतर होकर मल त्याग आसान, दर्दरहित होता है। यह कोलोन में मल की गति को आसान और तेज करने में सहायता करता है। पूरी तरह से जड़ी–बूटियों पर आधारित होने के कारण, यह हानिकारक कृत्रिम रसायनों से मुक्त है और इसका कोई व्यसनकारी प्रभाव नहीं है।

उत्पाद

सुपरलैक्स पाउडर एक हर्बल रेचक सूत्र है जो कब्ज से कोमल और प्रभावी राहत के लिए पारंपारिक रेचक जड़ी–बूटियों का मिश्रण है।

इसबगोल फाइबर से समृद्ध है, जो आंत्र से पानी को अवशोषित कर, आंत्र की कार्यकारिता को सुचारु करता है। यह मल के मार्ग को आसान बनाता है और कब्ज से राहत दिलाने में सहायक है। सनाय में उपस्थित ग्लाइकोसाइड रेचक गुणयुक्त है। सौफ पेट की मांसपेशियों की जकड़न को कम करती है, साथ ही पेट फूलना और सूजन के लिए प्रभावी है। यह कब्ज को कम कर देती है। हरितकी एक रेचक है, बृहदान्त्र की टोन को सुधार कर कब्ज को रोकने में मदद करती है। त्रिवृत रेचक गुण युक्त है, जिससे आंत्र की कार्यकारिता बढ़ जाती है। अदरक के सक्रिय घटकों को पाचन तंत्र में मांसपेशियों की गतिविधि में वृद्धि करके पाचन, अवशोषण, कब्ज और पेट फूलने को कम करने में सहायक है। अजवाइन में उपस्थित थायमोल, पेट में गैस्ट्रिक रस को बढ़ाकर पाचन प्रक्रिया की गति बढ़ाता है। काला नमक अपचन, सूजन, पेट की गैस, दर्द आदि को कम करता है।

डेल्टास सुपरलैक्स पाउडर का उपयोग पुरानी कब्ज में किया जा सकता है और आंत्र के कार्य में सुधार करता है। यह बवासीर, लिवर सिरोसिस और पोस्ट ऑपरेटिव अवधि के दौरान होने वाले कब्ज के लिए उपयोगी है। इसका नियमित उपयोग करने पर भी आदत नहीं पडती।

संघटन

प्रत्येक १०ग्राम सुपरलैक्स पाउडर में शामिल हैं: इसबगोल भूसी १०%, सनाय पाउडर १०%, सौंफ पाउडर बीज १०%, हरितकी पाउडरफल ५%, निशोथ पाउडर जड़ ५%, अजवाइन पाउडर बीज ५%, शुंठी पाउडर प्रकंद २.५०%, काला नमक खनिज ०.२०%, सेंधा नमक पाउडर खनिज ०.२०%, अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

सोते समय हल्के गुनगुने पानी के साथ ५–१०ग्राम लें।

निर्देश

• **अपचन:** सुपरलैक्स पाउडर के साथ आमला जूस, ऐलोवेरा जूस और लिवकेयर टैबलेट लें • **कब्ज़/कठोर मल:** सुपरलैक्स पाउडर के साथ ऐलोवेरा जूस और लिवकेयर टैबलेट लें • **पेट फूलना:** सुपरलैक्स पाउडर के साथ एन्टासिड टैबलेट, एलोवेरा जूस और लिवकेयर टैबलेट लें • **ऑपरेशन के बाद के समय के लिए:** सुपरलैक्स पाउडर के साथ एन्टासिड टैबलेट और लिवकेयर टैबलेट लें • **हेमोरॉयड्स:** सुपरलैक्स पाउडर के साथ पाइल्सकेयर क्रीम, पाइल्सकेयर टैबलेट और ऐलोवेरा जूस का प्रयोग करें।

Presentation: 100g

KEY INGREDIENT(S)

Isabgol
Plantago ovata

Sanay
Cassia angustifolia

- पेट में होने वाली अपचन, कब्ज, गैस एवं सूजन को कम करने में सहायक
- सर्जरी के उपरांत न चल पाने की स्थिति में होने वाली क़ब्ज़ को दूर करने में सहायक
- कब्ज को कम करके गुदा के अर्श में राहत पहुँचाने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

सुपरलैक्स पाउडर

कब्जहर जड़ी बूटियों से निर्मित सौम्य आयुर्वेदिक योग

सुपरलैक्स पाउडर कब्ज की अवस्था में सहायक; रेचक एवं कारमिनेटिव प्रभात द्वारा आंत्र की कार्यकारिता सुचारु करे, नियमित उपयोग करने पर भी आदत न बने।

न्यूहेयर कैप्सूल

प्रतिदिन कैल्शियम की ज़रूरत को पूरा करने का उपयुक्त समाधान

हालांकि हम सभी लोग सेलेब्रिटी और मॉडल के बेहद खूबसूरत बालों की प्रशंसा करते हैं। लेकिन रोज़मर्रा की व्यस्त जिंदगी, धूप और मौसम में परिवर्तन के कारण हम अपने सिर के ताज "बालों" की हमेशा सर्वश्रेष्ठ देखभाल नहीं कर पाते हैं। हमारे बालों की जड़ें रोम कूप में दबी होती हैं जो सिर की त्वचा से हमारे बालों को पिरोये रखते हैं। हमारे शरीर के अन्य हिस्सों की तरह ही, बालों के सर्वोत्तम स्वास्थ्य के लिए रोम कूपों को भी अनिवार्य विटामिन, खनिज और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की ज़रूरत होती है। परंतु बहुधा संक्रमण अथवा यकृत रोग के कारण रोम कूपों में सूजन आ कर बालों को उचित पोषण नहीं मिल पाता, जिससे बाल झड़ने और समय से पहले सफेद होने लगते है। इसके अलावा डाईहाइड्रो टेस्टोस्टेरोन (DHT) हार्मोन केश निर्माण चक्र को बाधित कर, बालो को झड़ने की प्रक्रिया को तेज कर देते है।

अतः एक प्रभावी प्राकृतिक केश पोषण पूरक की जरूरत है जो संक्रमण से सुरक्षा प्रदान कर, यकृत की कार्यकारिता को पुर्नस्थापित करते हुए बालों का पूरक पोषण सुनिश्चित करें। साथ ही चमकदार और स्वस्थ बाल प्राप्त करने में सहायता करे।

समाधान

डेल्टास न्यूहेयर कैप्सूल प्राकृतिक विटामिन और पौधों से प्राप्त सूक्ष्म पोषक तत्वों का वैज्ञानिक विधि से तैयार मिश्रण है जो घने, मजबूत और रेशमी बाल प्राप्त करने में मदद करता है। वनस्पतिक अमीनो एसिड और फ्लैवोनॉयड्स से तैयार यह दैनिक पूरक फ्री रेडीकल्स द्वारा हुई क्षति को कम कर, बालों का झड़ना रोकने में सहायता करता है।

उत्पाद

डेल्टास न्यूहेयर कैप्सूल वनस्पति आधारित विटामिन, अमीनो एसिड, बायोटिन और फ्लैवोनॉयड्स से परिपूर्ण योग है। यह बालों के इष्टतम स्वास्थ्य के लिए शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति कर बालों को अधिक मजबूत और चमकदार बनाने में सहायक है। डेल्टास न्यूहेयर कैप्सूल में कुटकी और गुडुची जैसे केश्य जड़ी–बूटियाँ शामिल है जो बालों का इष्टतम पोषण करते है। गुडुची एन्टी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा फ्री रेडिकल्स से बालो को होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान कर, बालों को झड़ने और उम्र से पहले सफ़ेद होने से रोकती है, साथ ही बालों के समग्र स्वास्थ्य का समर्थन करती है। कुटकी यकृत का शोधन कर, यकृत की कार्यकारिता का समर्थन करते हुए बालो का सम्पूर्ण पोषण सुनिश्चित करती है। कालमेघ प्राकृतिक रुप से बायोटिन का समृद्ध स्त्रोत है, जो शरीर में बायोटिन की पूर्ति कर बालों को स्वस्थ बनाती है।

भुई आमला डाईहाइड्रो टेस्टोस्टेरोन का शरीर में नियंत्रण कर केश निर्माण चक्र को नियमित करता है। कालमेघ, स्वर्ण माक्षिक और जंगल बेरी तनाव और अन्य कारक जैसे प्रदूषण, गर्मी आदि से सुरक्षा प्रदान कर बालों का प्राकृतिक रंग बनाये रखते है।

संघटन

प्रत्येक ५००मिलीग्राम न्यूहेयर कैप्सूल में निम्नलिखित सामग्रियाँ हैः कुटकी की सूखी जड़ २००मिलीग्राम, भुई आंवला का पूरा सूखा पौधा ५०मिलीग्राम, कालमेघ का पूरा सूखा पौधा ५०मिलीग्राम, गुडुची का सूखा तना ३०मिलीग्राम, बद्रीफल का सूखा फल ३५मिलीग्राम, स्वर्ण मक्षिक भस्म २०मिलीग्राम, अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

दिन में २–३ बार १ कैप्सूल लें अथवा डॉक्टर के परामर्श अनुसार लें।

निम्नलिखित स्थितियों के लिए उपयोगी हैः

• बालों का झड़ना • समय से पहले बालों का सफेद होना • रुसी • रुखे बाल • उलझे बाल।

निर्देश

• **बालों का गिरनाः** न्यूहेयर कैप्सूल के साथ केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर टोनर एवं केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर क्लिंजर का प्रयोग करें • **समय से पहले बालों का सफेद होनाः** न्यूहेयर कैप्सूल के साथ केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर टोनर का प्रयोग करें • **रुसीः** न्यूहेयर कैप्सूल के साथ केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर क्लिंजर एवं केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर टोनर का प्रयोग करें • **रुखे बालः** न्यूहेयर कैप्सूल के साथ केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर टोनर एवं केश निखार एंटी डैंड्रफ हेयर क्लिंजर का प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Kutki
Picrorrhiza kurroa

Bhui Amla
Phyllanthus niruri

- बालों के प्राकृतिक वर्ण एवं सौंदर्य को संजोय रखने के लिए दिव्य जड़ी बूटियों का उत्तम योग
- बाल झड़ने की समस्या को कम करने में सहायक
- असमय होने वाले केश विकार एवं रूसी को कम करने में सहायक
- बालों में सुखापन एवं कमज़ोरी कम करने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

न्यूहेयर कैप्सूल

घने, चमकदार एवं मजबूत बालों के लिए

वनस्पति आधारीत बायोटिन, एमिनो एसिड एवं फ्लैवोनॉयड्स युक्त दैनिक पूरक; फ्री रेडिकल्स से क्षतिपूर्ति कर, बालों का झड़ना रोके।

न्यूस्किन कैप्सूल

चयापचय का नियमन कर स्वस्थ त्वचा प्रदान करे

"त्वचा को आत्मा का दर्पण कहा गया है।" स्वस्थ त्वचा स्वस्थ दिमाग और शरीर का आईना होती है। हालांकि हम सभी उच्चतम साबुन और सौंदर्य प्रसाधन विकल्पों को चुनकर, त्वचा को साफ, बेहतर और स्वस्थ रखना चाहते है। लेकिन रोज़मर्रा की व्यस्तता, ऊष्णकटिबंधीय जलवायु, यू. वी. किरणो और धूप से अधिक संपर्क, हमारी त्वचा के लिए हानिकारक सिद्ध होती है। साथ ही कई प्रकार के बाहरी कारक जैसे प्रदूषण, पसीना, हानिकारक रसायन, जीवाणु इत्यादि हमारी त्वचा के स्वास्थ्य को बाधित करते है। परिणामस्वरूप त्वचा असमान रंग, धब्बों, रंजकता और झुर्रियाँ इत्यादि का अनुभव करती है और इस प्रकार त्वचा की आयु वृद्धि में तेजी आती है।

इस प्रकार के दोषों से त्वचा की रक्षा करने और उसे सुनिश्चित रूप से चमकदार और सुंदर बनाए रखने के साथ–साथ बाह्य कारको से त्वचा की क्षतिपूर्ति करना भी आवश्यक है। अतः त्वचा के उच्चतम स्वास्थ्य एवं पोषण हेतु एक प्राकृतिक विकल्प की आवश्यकता है।

समाधान

डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल प्राकृतिक एंटी–ऑक्सीडेंट जड़ी–बूटियों का वैज्ञानिक रूप से तैयार एक मिश्रण है जो स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए स्टेम कोशिकाओं को सक्रिय करती है। यह दैनिक पूरक फाइटोन्युट्रिएंट्स से मिलकर बना है तो मुक्त कणों से त्वचा की क्षतिपूर्ति कर, त्वचा संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करती है।

उत्पाद

डेल्टास न्यूस्किन कैप्सूल प्राकृतिक जड़ी बूटियों से बना बायोटिन एवं अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व युक्त अनुभूत योग है। इसके घटक द्रव्य एंटी–ऑक्सीडेंट, जीवाण–विरोधी, एंटी–एजिंग एवं शोथ नाशक गुण द्वारा त्वचा की क्षतिपूर्ति कर त्वचा को ताजा एवं कांतिमय बनाते है। गुडुची में उपस्थित अराबीनोगेलेक्टन तत्व को न्यूस्किन कैप्सूल में परिपूर्ण रुप से सम्मिलित किया गया है। यह तत्व त्वचा की कोशिकाओं के लिए रसायन के रुप में कार्य करता है। शरीर के स्टेम सेल की कार्यक्षमता उम्र के साथ घटती जाती है, न्यूस्किन कैप्सूल में उपलब्ध स्टेम सेल एक्टिवेटर कॉम्प्लेक्स त्वचा की कोशिकाओं का नवीनीकरण करते हुए व्यापक रूप से त्वचा को इष्टतम स्वास्थ्य प्रदान करते है। गुडुची एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा त्वचा की फ्री रेडिकल्स से क्षतिपूर्ति कर स्वास्थ्य और कांतिमय त्वचा का समर्थन करती है। कालमेघ बायोटिन की पूर्ति कर, त्वचा को सम्यक स्वास्थ्य प्रदान करती है। कालमेघ, स्वर्ण माक्षिक और बद्री फल त्वचा का परिपूर्ण ऑक्सीजनेशन सुनिश्चित करते है, साथ ही त्वचा को नमी प्रदान कर सौम्य और मुलायम बनाते है। नीम एंटी–एजिंग एवं एंटी–माइक्रोबियल गुण द्वारा त्वचा को संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है। नारंगी त्वचा को विटामिन सी का पूरण करती है।

इस तरह न्यूस्किन कैप्सूल व्यापक रुप से त्वचा के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करने के साथ–साथ त्वचा का पोषण कर उसे स्वास्थ्य और प्रभा युक्त बनाने में उपयोगी है।

संघटन

प्रत्येक ५००मि.ग्रा., न्यूस्किन कैप्सूल में शामिल हैं: कुटकी सूखी जड़ २००मि.ग्रा., गुडुची की सूखी जड़ ५०मि.ग्रा., सूखी नीम ३०मि.ग्रा., कालमेघ सूखे पौधे का सत्व ३०मि.ग्रा., नारंगी फल बद्रीफल फल २०मि.ग्रा., स्वर्ण मक्षिक भस्म २०मि.ग्रा., अन्य घटक (यथावश्यक)।

उपयोग

दिन में २–३ बार १ कैप्सूल लें अथवा डॉक्टर की सलाह से लें।

निर्देश

• **त्वचा संक्रमण:** स्पिरुलीना टैबलेट और पंच तुलसी ड्रॉप्स् के साथ न्यूस्किन कैप्सूल लें
• **त्वचा की एलर्जी:** व्हीटग्रास टैबलेट और पंच तुलसी ड्रॉप्स् के साथ न्यूस्किन कैप्सूल लें
• **मुहांसो:** ऐलोवेरा जूस और फेस निखार एंटी एक्ने क्रीम/लोशन के साथ न्यूस्किन कैप्सूल लें
• **सामान्य घाव:** फेस निखार स्पॉट फ्री क्रीम के साथ न्यूस्किन कैप्सूल लें • **दाद:** स्पिरुलीना टैबलेट के साथ न्यूस्किन कैप्सूल लें। पीड़ित जगह पर पंच तुलसी ड्रॉप्स् का प्रयोग करें।

Presentation: 60 Capsules

KEY INGREDIENT(S)

Kutki
Picrorrhiza kurroa

Guduchi
Tinosporacordifolia

- यह प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंटस एवं बायोटिन का सर्वोतम मिश्रण है जो त्वचा की स्टेम कोशिकाओं को सक्रिय करते हुए त्वचा को बाहरी तनाव से बचाने में सहायक है
- चेहरे के मुँहासे, त्वचा पर होने वाले मामूली घाव एवं खुजली को कम करने का आयुर्वेदिक योग
- त्वचा की चमक एवं ताज़गी को बनाए रखने में सहायक

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

न्यूस्किन कैप्सूल

इष्टतम त्वचा स्वास्थ्य हेतु आवश्यक एंटी–ऑक्सीडेंट युक्त जड़ी–बूटीयों का योग

स्वस्थ एवं कांतिमय त्वचा के लिए फायटोन्यूट्रिएंट्स से निर्मित योग; यकृत की कार्यकारिता का नियमन कर, इष्टतम त्वचा स्वास्थ्य प्रदान करे।

FORMULA FOR ENTIRE FAMILY • FOR ENERGY METABOLISM •

थर्मोजेनिक चाय

शरीर की फैट कोशिकाओं को उद्दीप्त कर, ऊर्जा एवं सुडौल काया के लिए हर्बल चाय

आज के युग में आधुनिक तथा व्यायाम रहित जीवनशैली के फलस्वरुप कई लोग स्थूलता से ग्रस्त है। स्थूलता के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह व हृदयरोग जैसे रोग उत्पन्न हो सकते है। अधिक शरीर भार से संधिवात जैसे रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रौढ़ावस्था में ही नहीं बल्कि युवावर्ग में भी स्थूलता के कारण जोड़ो का दर्द एवं अन्य अस्थि विकारो में व्यापक रुप से वृध्दि हुई है। इतना ही नही व्यायाम का अभाव होने के कारण बाल्यावस्था में भी स्थूलता उत्पन्न हो रही है। बाल्यावस्था में होने वाली स्थूलता के कारण भविष्य में कई स्वास्थ्य समस्याए जैसे हृदयविकार, मधुमेह इत्यादि का खतरा बना रहता है। अतः बाल्यावस्था में बढ़ती हुई सूलिता, आधुनिक जीवनशैली, विषम आहार और व्यायाम अल्पता, समाज के लिए समस्यापूर्ण विषय है। उसमें भी व्यायाम विशेष रुप से ज्यादातर लोगो के लिए कष्टकारी होता है, क्योंकि शुरुआती दौर में व्यायाम से मांसपेशियों को क्षति होने से सतत दर्द और थकान महसूस होती है। अतः मांसपेशियों की क्षति को कम कर, आहार में उपस्थित अनावश्यक मेद के पाचन की प्रक्रिया को उत्तेजित कर, उर्जा निर्माण करने वाले (थर्मोजेनेटिक) प्राकृतिक योग की आवश्यकता है।

उपाय

थर्मोजेनेसिस की प्रक्रिया में शरीर की चरबी का योग्य पाचन हो कर आवश्यक उर्जा निर्मित होती है। डेल्टास थर्मोजेनिक टी थर्मोजेनेसिस की प्रक्रिया करने वाली प्राकृतिक जड़ी–बूटियो से बना आयुर्वेदिक योग है, जो चर्बी को पचाकर, शरीर के भार का नियमन करने में सहायक है। यह योग पूर्ण रुप से शर्करा रहित है; अतः मधुमेह और मधुमेह के पूर्व लक्षणो में शरीरगत मेद का पाचन करने में सहायक है।

प्रोडक्ट परिचय

डेल्टास थर्मोजेनिक हर्बल टी उचित व्यायाम व आहार के साथ शरीरगत मेद का चयापचय कर, शरीर भार का नियमन करने में सहायक है। गहन अनुसंधान द्वारा प्राकृतिक जड़ी–बूटियो से बने इस योग का नियमित रुप से उपयोग करने पर शरीर की थकान कम होकर रोजमर्रा की गतिविधियों में स्फूर्ति आती है। इसमें उपस्थित सप्तरंग, कोकम और मेथी शरीरगत मेद की चयापचय प्रक्रिया का नियमन करते है। आमलकी एंटी–ऑक्सीडेंट गुण द्वारा शरीर की कोषिकाओं की क्षतिपूर्ति कर, मेद के चयापचय का नियमन करती है। तगर, दालचिनी और मुलैठी इंसूलिन की कार्यकारिता का नियमन कर, अत्याधिक रक्तशर्करा से कोषिकाओं को होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान करते है। सुंठी चयापचय तथा मेदपाचक गुण द्वारा पचन को सुधारकर, जठर की अनियमित वायु का नियमन कर, स्थूलता पर नियंत्रण करने में सहायक है। अन्य स्लीमिंग टी की तुलना में किसी भी रसायनिक तत्व जैसे कैफिन इत्यादि से रहित होने के कारण इसके प्रयोग से अन्य समस्या (पेट में दर्द, नींद में बाधा) नहीं होती है। अतः योग्य आहार व व्यायाम के साथ थर्मोजेनिक टी का सेवन शरीर में मेद पाचन करते हुए, स्फूर्ति का संचार कर शरीरगत भार का नियमन करती है।

संयोजन

प्रत्येक ५ग्राम थर्मोजेनिक हर्बल टी में सप्तरंग (मूल) ३००मि.ग्रा, कोकम (निर्यास) २००मि.ग्रा, मेथी (बीज) ५०मि.ग्रा, हरिद्रामूल ५०मि.ग्रा, आमलकी ५०मि.ग्रा, तगर (मूल) ५०मि.ग्रा, दालचीनी (छाल) ५०मि.ग्रा, पिप्पली (फल) ५०मि.ग्रा, शुण्ठी ५०मि.ग्रा, मुलैठी ५०मि.ग्रा, आधारद्रव्य (यथावश्यक)।

उपयोग

उत्कृष्ट परिणाम के लिए कम चर्बीयुक्त आहार और सम्यक व्यायाम करे। १ पूड़ी (५ग्रा.) थर्मोजेनिक टी को १५० मि.लि. गरम पानी में अच्छी तरह घुलने तक मिलाएँ। दिन में २–३ बार सेवन करे • मोटापाः दिन में २ बार सेवन करे • मधुमेहः दिन में २ बार सेवन करे • रक्त में अत्याधिक कोलेस्टेरोलः दिन में २–३ बार सेवन करे • किशोरावस्था में (भारनियंत्रण): दिन में १ बार ले • होस्टल में रहनेवाले/बाहर का खाना खाने वालेः दिन में २ बार सेवन करे • मॉडलिंग करनेवालेः दिन में २ बार ले • शरीर सौष्ठव (बॉडी बिल्डर): दिन में २ बार ले • व्यायाम के पश्चातः १ पूड़ी निर्देशानुसार ले • आर्थराईटिस रोग मेंः दिन में २ बार सेवन करे। थर्मोजेनिक हर्बल टी सामान्य रुप से भोजन के बाद लेना योग्य होता है।

मार्गदर्शन

• **मोटापाः** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **मधुमेहः** डायकेयर टैबलेट के साथ ले • **रक्त में अत्याधिक कोलेस्टेरोलः** लिवकेयर टैबलेट के साथ ले • **किशोरावस्थाः** डायकेयर सिरप के साथ ले • **मॉडलिंग में कार्यरतः** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **शरीर सौष्ठवः** ऐलोवेरा जूस के साथ ले • **व्यायाम पश्चातः** नाइटमैक्स रस के साथ ले • **आर्थराईटिसः** डायकेयर टैबलेट के साथ ले।

Presentation: 5g X 30 Sachets

KEY INGREDIENT(S)

Saptaranga
Salacia oblonga

- रक्त शर्करा का शारीरिक उर्ज़ा में रूपांतरण करने में सहायक
- शरीर में अतिरिक्त वसा एवं चिकनाहट संतुलन में लाभदायक
- शारीरिक स्फूर्ति एवं एकाग्रता को बनाए रखने में सहायक

थर्मोजेनिक चाय

फैट कोशिकाओं को उद्दीप्त कर, समुचित वज़न एवं फुर्तीली जीवनशैली के लिए आयुर्वेदिक चाय

डेल्टास थर्मोजेनिक हर्बल चाय ग्लूकोस के विभाजन एवं पाचन क्रिया को संतुलित करते हुए, फैट कोशिकाओं से ऊर्जा का संचार (एनर्जी मेटाबोलिज्म) कर शरीर के वज़न के संतुलन में सहायक योग है।

SwasthVed®
SAPIENCE FOR NATURAL HEALTH

MAINTAINS ANIMAL HEALTH • ENHANCES LACTATION

टोपवेट पाउडर

पशुओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए एक प्राकृतिक आयुर्वेदिक समाधान

डेल्टास टॉपवेट पाउडर पशुओं के स्वास्थ्य संतुलन को बनाए रखते हुए किसान के लिए उच्चस्तरीय व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है।

टॉपवेट पाउडर का निर्माण शास्त्रोक्त प्राचीन आयुर्वेद और गौ-आयुर्वेद की प्रमाणित अवधारणाओं को संज्ञान में रखते हुए किया गया है जो दूध के उत्पादन और पशुओं को स्वस्थ बनाये रखने के लिए एक उपयुक्त आयुर्वेदिक योग है।

टॉपवेट पाउडर बाला (स. कार्डिफोलिया), नीम (म. कोइनिगि) और शिगरू (म. ओलिफ़ेरा) जैसी प्रभावशील जड़ी बूटियों का मिश्रण हैं जो दूध उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता हैं और पशुओं की हड्डियों एवं मांसपेशियों को स्वस्थ बनाये रखने में सहायक है। सोयाबीन (ग्लाइसिन मेक्स) और मेथी (टी फेनम ग्रैकम) दूध में फ़ैट की मात्रा, विटामिन, अमीनो एसिड और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों को बढ़ाने के लिए सहायक हैं। गुडूची (टीनोस्पोरा कार्डिफोलिया) को एक प्रमुख आयुर्वेदिक रसायन के रूप में जाना जाता है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए दूध उत्पादन करने वाले ऊतकों को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है एवं स्तनपान चरण के दौरान संक्रमण से होने वाले मैसटाइटिस रोग (थनों की सूजन) को रोकता है। इसमे कालमेघ (ए.पनिक्युलेटा) जड़ी बूटी एक बेहतर लिवर सुरक्षात्मक, एंटीवायरल, जीवाणुरोधी के रूप में कार्य करती है।

संघटन

बाला (सीडा कॉर्डिफ़ोलिया) ३०%, नीम (मुरैना कोइनिगि) १०%, शिगरु (मोरिंगा ओलीफ़ेरा) १०%, सोयाबीन (ग्लाइसिन मेक्स) २०%, मेथी (ट्राइगोनेला फेनुम ग्रेकोम) १०%, गुडूची (टीनोस्पोरा कॉर्डिफ़ोलिया) १०% (एन्ड्रोग्राफिस पेनीक्यूलाटा) १०%।

पशुओं के लिए लाभ

- लैक्टेशन के समय के दौरान हड्डियों में होने वाली कमजोरी को कम करता है
- मैसटाइटिस का उपचार कर इसके दोबारा होने की आशंका को कम करता है
- गर्भावस्था चरण के दौरान (बच्चे को जन्म देने से ३ सप्ताह पहले और जन्म देने के ३ सप्ताह बाद तक) पशु को सक्रिय एवं तनाव मुक्त रखता है
- लिवर के स्वास्थ्य को बनाये रखते हुए दुग्धवस्था के दौरान लिवर में होने वाले विकारों की संभावना को कम करता है

बछड़े एवं बछिया के लिए लाभ

- बेहतर रोग प्रति रोधक क्षमता बनाए रखने और उच्चस्तरीय पोषण पूरक
- पाचन क्रिया स्वास्थय को बनाए रखे
- दुग्धपान अवस्था के दौरान दूध उत्पादन में वृद्धि करने में सहायक

किसान के लिए लाभ

- दूध का उत्पादन बढाए
- दूध में फ़ैट की मात्रा बढ़ाए
- दुग्धवस्था चक्र के दौरान दुग्ध उत्पादों का अधिकतम उत्पादन

डेरी उत्पाद उपभोक्ता के लिए लाभ

- विटामिन और अमीनो एसिड समृद्ध उत्पाद
- दुग्ध उत्पादन संबंधित रसायनिक रोगकारक अवशेषों से रहित शुद्ध दूध निर्माण के लिये एक आयुर्वेदिक उत्पाद

टोपवेट पाउडर देने की विधि

• जुगाली करने वाले बड़े पशुओं के लिए गाय, भैस, ऊँट आदि

• **प्री कैल्विंग (प्रसव के पहले) चरण:** प्रसव से तीन सप्ताह पहले, ३० ग्राम टॉपवेट पाउडर को पर्याप्त मात्रा में गुड़ के साथ मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

• **कैल्विंग (प्रसव के बाद) चरण:** प्रसव के तीन सप्ताह बाद, ३०.१०० ग्राम टोपवेट पाउडर (शरीर के वजन और दूध उत्पादन के आधार पर) को पर्याप्त मात्रा में गुड़ में मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

• **ड्राइ फेज:** प्रसव के छह सप्ताह बाद, १५ ग्राम टोपवेट पाउडर को पर्याप्त मात्रा में गुड़ में मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

• जुगाली करने वाले छोटे पशुओं के लिए- बकरी, भेड़ आदि

• **प्री कैल्विंग (प्रसव के पहले) चरण:** प्रसव से तीन सप्ताह पहले, १० ग्राम टॉपवेट पाउडर को पर्याप्त मात्रा में गुड़ के साथ मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

• **कैल्विंग (प्रसव के बाद) चरण:** प्रसव के तीन सप्ताह बाद, १० ग्राम टोपवेट पाउडर को पर्याप्त मात्रा में गुड़ में मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

• **ड्राइ फेज:** प्रसव के छह सप्ताह बाद, ५ ग्राम टोपवेट पाउडर को पर्याप्त मात्रा में गुड़ में मिलाएं और दिन में एक बार चारे के रूप में खिलाएं।

नोट: अपने पशु चिकित्सक द्वारा निर्देशित किसी भी अन्य आवश्यक खनिज/फ़ीड (कैल्शियम आदि) या मौजूदा दिए जा रहे फ़ीड को कम न करें। टॉपवेट पाउडर का उपयोग अतिरिक्त फीड के रूप में किया जाएगा।

Presentation: 1 Kg

KEY INGREDIENT(S)

Bala
Sida cordifolia

पशुओं के लिए लाभ

- दुग्धावस्था के दौरान होने वाले हड्डियों के क्षय और कमज़ोरी को कम करता है
- गर्भावस्था के दौरान पशु को स्फूर्तिमान एवं तनाव मुक्त रखता है
- सामान्य चरण के दौरान उपयोग करने पर अगले दुग्धावस्था के चरण को कुशलतापूर्वक सामान्य करता है

पशुपालकों के लिए लाभ

- दूध में वसा स्तर को बढ़ाने एवं दूध के उत्पादन में वृद्धि करने में सहायक है
- रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, पाचन क्रिया एवं लीवर से संबंधित रोगों के नियंत्रण में सहायक है
- दुग्धवस्था के दौरान उच्चतम उत्पादन करने में सहायक है

ānūpaVed®
SCIENCE OF ANIMAL WELLBEING

टोपवेट पाउडर

प्राकृतिक बायोटिन एवं प्रमाणित जड़ी–बूटियों युक्त एक आयुर्वेदिक योग

वैज्ञानिक रूप से शोधित उच्चतम हर्बल कोलीन युक्त योग

टॉपफ्लोरा लिक्विड

कृषि संबंधित उच्च गुणवत्ता परिणामों के लिए समाधान

बढ़ती हुई आबादी के साथ, प्रति यूनिट क्षेत्र में , खाद्य सामग्री की मांग भी निरंतर बढ़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप सीमित क्षेत्र से अधिक पैदावार करने के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। रासायनिक उर्वरक का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य संबंधित गंभीर ख़तरों को पैदा करता हैं और साथ ही पर्यावरण को प्रदूषित भी करता हैं। इसलिए कुछ वर्षों से सभी प्रकार की फसलों के विभिन्न चरणों में होने वाले विकारों से बचाव के लिए पेड़.पौधों से निर्मित अर्क का उपयोग किया जाने लगा है। इनमें से प्राकृतिक समुद्री शैवाल ने जैविक उर्वरक के रूप में अपनी एक पहचान बनाई है एवं पारंपरिक रसायनिक उर्वरकों के ज़्यादा प्रयोग से होने वाले रोगों से फसलों को बचाते हुए मिट्टी के उर्वरकों को बचाने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

उत्पाद

टॉपफ्लोरा लिक्विड में अतिसूक्षम समुद्री शैवाल जो लामिनेरिया और सरगासम के नाम से भी जाना जाता है। इसी के एक्सट्रैक्ट में प्लांट हार्मोन और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। टॉपफ्लोरा लिक्विड़ फसलों में एक प्राकृतिक उर्वरक और जैव उत्तेजक रसायन के रूप में कार्य करता है। इसमें उत्पादन बढ़ाने वाले कई उपयोगी तत्व होते हैं जैसे कि साइटोकाईनिन,, औक्सिंस, गिब्बेरिलिन्स और विभिन्न दीर्घ और सूक्ष्म पोषक तत्व जो पौधों की वृद्धि और विकास के लिए अतिआवश्यक हैं। इसके अलावा, यह पर्यावरण के तनाव को कम करने, मिट्टी में फायदेमंद सूक्ष्मजीवों के विकास, पोषक तत्वों और एंटीऑक्सिडेंट गुणों को बढ़ावा देने में मदद करता है। प्राकृतिक रूप से निर्मित टॉपफ्लोरा लिक्विड का उपयोग, विशेष रूप से वर्षा से सिंचित फसलों में, रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों से बचने, अतिआवश्यक खनिजों के अवशोषण में सुधार करने और इसके जैविक और बायोडिग्रेडेबल गुणों के कारण जैविक खेती के प्रोत्साहन में किया जाता है।

लाभ

• टॉपफ्लोरा लिक्विड विकास को बढ़ावा देने वाले औक्सिंस, गिब्बेरिलिन्स और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपस्थिति के कारण बीज उपचार विधि के पश्चात प्रत्यारोपण करने पर अंकुरण प्रतिशत को बढ़ाता है।

• टॉपफ्लोरा लिक्विड ग्रोथ प्रमोटर प्लांट हार्मोन के रूप में काम करता है, और न केवल फसल के विकास में सुधार करता है, बल्कि अन्य रासायनिक उत्पादों की तुलना में कार्यात्मक नोड्यूल संख्या बढ़ाते हुए उत्पादन बढ़ाने में भी मदद करता है। यह कई साइटोकाईनिन्स की उपस्थिति के कारण होता है जो भूरे रंग के अर्क में पाया जाता है, जिसमें ट्रांस.ज़ीयाटिन राइबोसाइड और अन्य प्राकृतिक डेरिवेटिव भी शामिल हैं।

• सूक्ष्म तत्वों और पौधों के विकास कारकों, विशेष रूप से साइटोकाईनिन्स की उपस्थिति के कारण टॉपफ्लोरा लिक्विड फसल के उत्पादन को बढ़ाता है।

• टॉपफ्लोरा लिक्विड में प्रकाश संश्लेषक वर्ण को प्रेरित करने वाले द्रव्य (एल्जीनिक एसिड और बीटेन्स) में अनाज की पोषण गुणवत्ता को बढ़ाते है।

• टॉपफ्लोरा लिक्विड को पारंपरिक रसायनिक उर्वरकों के एक प्राकृतिक विकल्प के रूप में जैविक खेती के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

संघटन

समुद्री शैवाल का मिश्रण (लैमीनेरिया और सरगासम युक्त): शुष्क वजन के आधार पर, इसमे जैविक तत्व मिश्रण ६०%, एल्जीनिक एसिड १६-१७ , कुल नाइट्रोजन १-२%, कुल फॉस्फोरस ०.८-१.२%, कुल पोटैशियम १८-२०%, कैल्शियम १.०-१.२%, मैग्नीशियम ०.२५-०.३%, सल्फर १.५-२.०%, सोडियम ४.०-४.५%, तांबा २० पीपीएम, बीटेन्स ५.०-५.४ पीपीएम, सीः एन-१०:१ होता है। इसमें प्राकृतिक औक्सिंस, गिब्बेरिलिन्स, साइटोकाईनिन और एमिनो एसिड भी होते हैं।

बीजों, फलों और फूलों में बेहतर परिणाम के लिए

• **प्रयोग विधिः** टॉपफ्लोरा लिक्विड का अकेले या टॉप एग्रो पाउडर के संयोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

• अकेले टॉपफ्लोरा लिक्विड का उपयोग कैसे करें?

५०० मिलीलीटर टॉपफ्लोरा लिक्विड़ को १५०-२०० लीटर पानी में मिलाकर १ एकड़ में स्प्रे करें। बेहतरीन परिणामों के लिए टॉपफ्लोरा लिक्विड़ का स्प्रे १५ दिनों के बाद दोहरायें।

• बीज अंकुरण प्रतिशत बढ़ाने के लिए ? बुवाई से पहले कुछ घंटों के लिए टॉपफ्लोरा लिक्विड़ व पानी के १% १०० अनुपात में बीज को भिगोकर रखें व फिर सुखाएँ।

• अनुशंसित फसलें: जैसे गेहूं, ज्वार, चावल, सोरघम, मक्का, गन्ना, कपास, मटर, सोयाबीन, सूरजमुखी, मूंगफली और सब्जियां जैसे (टमाटर, बैंगन, ओकरा, मिर्च, आलू, प्याज) के पौधे, दलहन, अनाज की फसल, बगीचे के पौधे, औषधीय और सुगंधित पौधे, सजावटी पौधे आदि सभी अन्य फलों की फसलों में उत्पादन वृद्धि में सहायक।

निर्देश

महत्वपूर्णः सीधी धूप में ना रखें। आंखों के संपर्क में ना आने दें। उपयोग करने से पहले अच्छी तरह से हिलायें। फूल, दानों, पुष्पक्रम और फलों पर स्प्रे न करें। ठंडी और शुष्क जगह पर संग्रहीत करते हुए इसे २ साल तक उपयोग किया जा सकता है।

Presentation: 1 Ltr.

- विकास को बढ़ावा देने वाले वनस्पति जन्य हार्मोन्स की उपस्थिति के कारण बीजों का अंकुरण प्रतिशत (बीजों का उपचार करने से) बढ़ाता है
- वृद्धिवर्धक के रूप में कार्य करता है और न केवल फसल के विकास में सुधार करता है बल्कि साइटोकाईनिन्स एवं गिबर्लिस की उपस्थिति के कारण दानों को भरने एवं उनके आकार में वृद्धि करता है
- समुद्री घास से उत्पन्न हार्मोन्स की उपस्थिति के कारण प्रकाश संश्लेषण क्रिया को बढ़ाकर हरित द्रव्य की वृद्धि द्वारा उत्पादन में वृद्धि, अनाज की पोषण गुणवत्ता एवं चमक को बढ़ाता है

krṣiVed®
ORGANIC AGRI SCIENCE

टॉपफ्लोरा लिक्विड

प्रकाश संश्लेषण क्रिया को बढ़ाने हेतु सूक्ष्म पोषक तत्व और प्लांट हार्मोन युक्त प्राकृतिक स्त्रोत

पैदावार बढ़ाने हेतु जैविक औक्सिंस और गिब्बेरिलिन्स जैसे प्लांट हार्मोन युक्त समुद्री शैवाल से निर्मित उत्पाद

arogya KOSH

A Toptime Guide for Wellness

basic principles of ayurveda

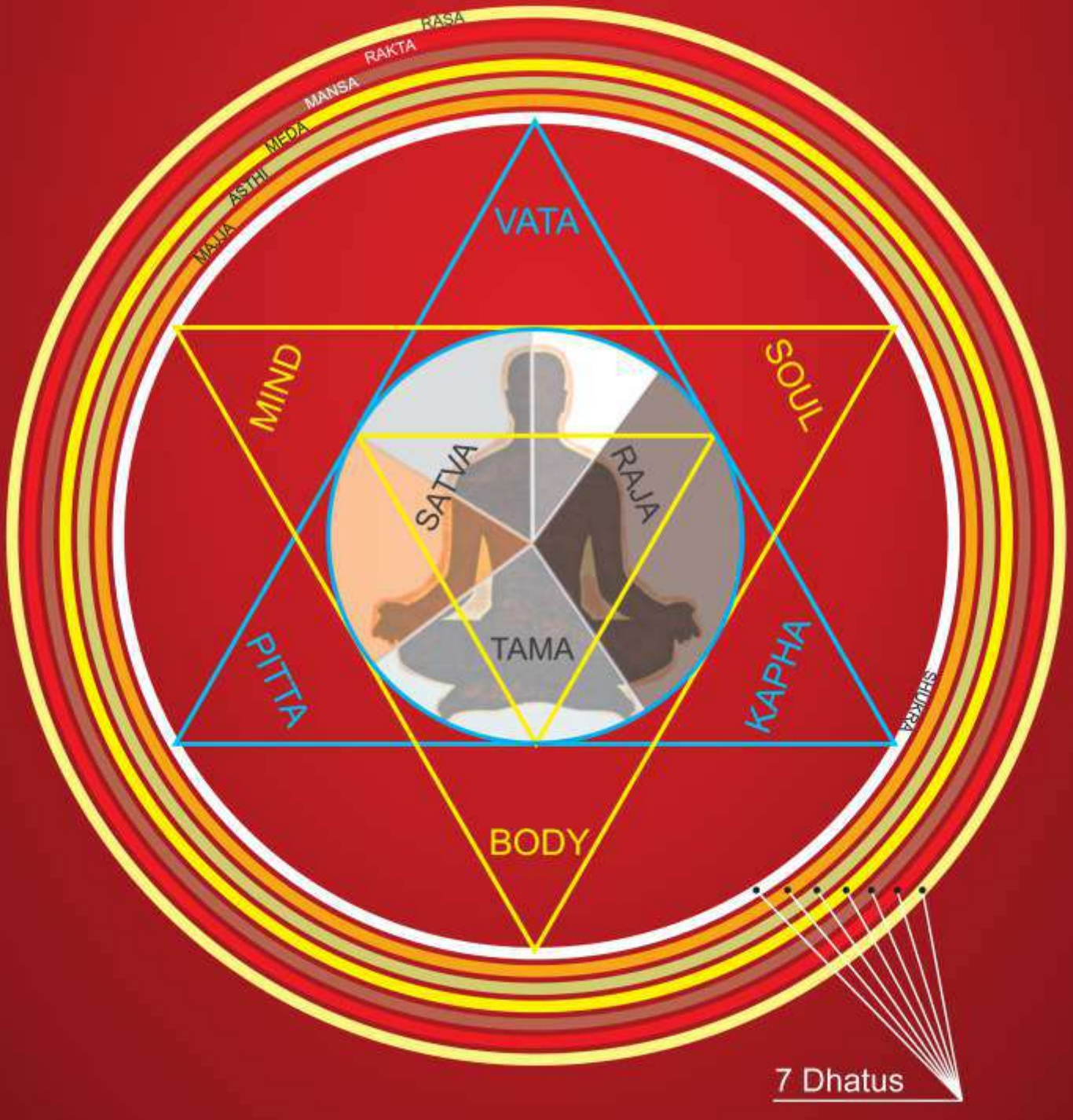

Toptime®

प्रिय टॉपटाइम एसोसिएट, आरोग्यकोष की नयी शृंखला के तहत बेबी केयर और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स रेंज प्रस्तुत किया जा रहा है। टॉपटाइम के विश्व–स्तरीय प्राकृतिक प्रोडक्ट्स एवं श्रेष्ठ जीवनशैली से संबंधित उत्पाद को आप तक पहुँचाने का निरंतर और अथक प्रयास इसी तरह जारी है।

यह पुस्तिका स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनसुलझे विषयो की परिकल्पना करती है और संक्षेप में उनसे निपटने के लिए योग्य उपायों का वर्णन करती है। परन्तु; प्रोडक्ट्स के उपयोग से संबंधित जानकारी को विस्तार रूप से जानने के लिए वेबसाइट (www.toptimenet.com) के प्रोडक्ट पेज पर, प्रोडक्ट फोटो के नीचे उपलब्ध FAQ बटन का प्रयोग कीजिये ।

प्रोडक्ट्स के उपयोग के लिए हमेशा अपने व्यक्तिगत डॉक्टर की सलाह लीजिये; वैकल्पिक रूप से आप हमारे कस्टमर केयर नंबर की मेडिकेयर लाइन के माध्यम से विशिष्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए उपलब्ध डॉक्टरों की टीम से भी संपर्क कर सकते हैं।

TOPTIME NETWORK PRIVATE LIMITED
Corporate Office: 1 to 5, 2nd Floor, Shreeji Arcade,
Opp Nitin Co., Panchpakhadi, Thane (W), Mumbai-400 602.
• **Customer Care & WhatsApp No.:** 022-6819 1111
• www.toptimenet.com
CIN No.: U74999DL2016PTC300844